जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

सुविचार

'शांति का कोई रास्ता नहीं है, शांति ही रास्ता है.'

-महात्मा गांधी

■ वर्ष -01 ■ अंक - 258 ■ जबलपुर, गुरुवार, 16 अप्रैल 2026 ■ विक्रम संवत् 2083 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

संक्षिप्त समाचार

सीएम उमर अब्दुल्ला ने फीता काटने से ही कर दिया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए राष्ट्रीय ध्वज के रंगों वाले रिबन को काटने से इनकार कर दिया. यह घटना श्रीनगर के कश्मीर हाट, एग्जीबिशन ग्राउंड में आयोजित 'अपने कारीगर को जानें' कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान हुई. जब मुख्यमंत्री उद्घाटन स्थल पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि रिबन तिरंगे के रंगों (केसरिया, सफेद और हरे) का बना हुआ है. इसे देखते ही उन्होंने रिबन काटने से मना कर दिया. इसके बजाय उन्होंने आयोजकों को निर्देश दिया कि रिबन को एक तरफसे खोल दिया जाए, जिसके बाद कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया.

मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा को झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने चर्चित मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ा फैसला सुनाते हुए रॉबर्ट वाड्रा समेत कई आरोपियों के खिलाफट्रायल का रास्ता साफकर दिया है. कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय यानी श्वष्ठ की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कहा कि पहली नजर में मामला बनता है और इसकी सुनवाई जारी रहनी चाहिए. कोर्ट में पेश किए गए तथ्यों के मुताबिक, गुरुग्राम के शिकोहपुर इलाके में करीब 3.5 एकड़ जमीन की खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी का आरोप है. बताया गया कि जमीन का सौदा 7.5 करोड़ रुपये में दिखाया गया, लेकिन उस समय असल भुगतान नहीं हुआ. बाद में ज्यादा रकम ट्रांसफर की गई, जिससे पूरी डील पर सवाल खड़े हुए. ED का आरोप है कि नियमों को दरकिनार कर इस जमीन पर कमर्शियल कॉलोनी का लाइसेंस हासिल किया गया और फिर उसी जमीन को DLF को करीब 58 करोड़ रुपये में बेच दिया गया.

नौकरी के दौरान दिल का दौरा पड़ना स्वतः नहीं मान सकते Employment Injury

ये टिप्पणी कर गुजरात हाईकोर्ट ने रद्द किया मुआवजा

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि नौकरी करने के दौरान हार्ट अटैक पड़ने से हुई मौत को स्वतः Employment Injury' नहीं मान सकते, जब तक यह प्रूफ ना हो जाए कि मौत का सीधा संबंध जॉब से था। हाईकोर्ट ने एक मैकेनिक के परिवार को दी गई Compensation की राशि को रद्द कर दिया। जस्टिस जे.सी. दोशी ने ESI Act की धारा 2(8) का हवाला देकर कहा कि Employment Injury' उसी को माना जाएगा, जो किसी दुर्घटना या व्यावसायिक बीमारी की वजह हो, जिसका कनेक्शन सीधे नौकरी के दौरान और उससे पैदा हुई परिस्थितियों से हो।

मृतक के परिजन नहीं पेश कर पाए ठोस सबूत

लाइव लॉ डॉट इन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात हाईकोर्ट ने अहमदाबाद के मेडिकल अफसर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का जिक्र करते हुए, जिसमें मौत की वजह 'कोरोनरी हार्ट डिजीज की वजह से कार्डियो-रेस्पिरेटरी अरेस्ट' बताया गया था, कहा कि मृतक के परिजनों की तरफसे कोई ऐसा साक्ष्य पेश नहीं हुआ, जिससे यह प्रूफ हो सके कि मौत का कनेक्शन नौकरी से था। ना ही ये कोई व्यावसायिक बीमारी थी।

मृतक के परिवार ने दी थी ये दलील

मृतक के परिवार की तरफसे दलील दी गई थी कि मृतक को पहले से कोई भी बीमारी नहीं थी

और जॉब के दौरान मेंटल व फिजिकल टेंशन की वजह से उसे Heart Attack पड़ा। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि यह प्रूफ करना जरूरी है कि नौकरी व मौत में स्पष्ट संबंध हो।

नजीर के तौर पर SC के इन फैसलों का किया जिक्र

गुजरात हाईकोर्ट ने इसमें सुप्रीम कोर्ट के दो निर्णयों का भी हवाला दिया। पहले, ÒMackinnon Mackenzie And Company Private Limited बनाम Ibrahim Mahmmed Issak (1969)÷ में कहा गया था कि दावा करने वालों पर यह जिम्मेदारी होती है कि वह यह प्रूफ करे कि हादसा या बीमारी जॉब से जुड़ी थी। वहीं, Shakuntala Chandrakant Shreshti बनाम Prabhakar Maruti Garvali (2007)' में सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था कि दिल की बीमारी कभी-कभी लक्षण के बिना भी हो सकती है, इसलिए यह दिखाना जरूरी है कि जॉब ने मौत में योगदान दिया।

जानें मैकेनिक की मौत और मुआवजे का मामला–मामले के मुताबिक, मृतक एक कंपनी में फिटर मैकेनिक के तौर पर काम करता था। 6 सितंबर, 2004 को कंपनी में काम करते वक्त उसे सीने और पेट में दर्द हुआ था, जिसके बाद उसे हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हार्ट अटैक को उसकी मौत की वजह बताया गया। मृतक के परिवार ने शुरुआत में श्वस्ढ्ढ कॉरपोरेशन से Compensation की डिमांड की थी, जिसे खारिज कर दिया गया था। उन्होंने इसके बाद ESI अदालत में अपील दायर की, जहां मुआवजा दे दिया गया। इस निर्णय के खिलाफ श्वस्ढ्ढ कॉरपोरेशन ने गुजरात हाईकोर्ट में अपील की। फिर गुजरात हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कहा कि केवल दिल का दौरा पड़ना 'Employment Injury' नहीं मान सकते, जब तक यह प्रूफ ना हो कि यह जॉब के कारण हुआ।

ईरान की जंग में कुल 25 ड्रोन गिरे

अमेरिका ने माना- 2000 करोड़ रुपये का MQ-yC ट्राइटन क्रैश

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका ने अपने सबसे महंगे निगरानी ड्रोनों में से एक को खो दिया है. 9 अप्रैल 2026 को पर्सियन गल्फ में अमेरिकी नौसेना का MQ-yC ट्राइटन ड्रोन क्रैश हो गया. अमेरिकी नौसेना सुरक्षा कमांड ने इस घटना की आधिकारिक पुष्टि कर दी है. ड्रोन की कीमत करीब 2000 करोड़ रुपये है. शुरू में खबरें आई थीं कि ईरानी सेना ने इसे मार गिराया, लेकिन अमेरिका ने साफ कहा है कि ड्रोन क्रैश हो गया है. कोई जवान घायल नहीं हुआ.

9 अप्रैल को MQ-yC ट्राइटन ड्रोन पर्सियन गल्फ के ऊपर उड़ान भर रहा था. अचानक यह फ्लाइट ट्रैकिंग सिस्टम से गायब हो गया. अमेरिकी नौसेना सुरक्षा कमांड की रिपोर्ट में लिखा है – 9 अप्रैल 2026 (स्थान गोपनीय - ऑपरेशनल सिक्योरिटी) MQ-yC क्रैश; किसी को चोट नहीं आई. इस घटना को क्लास् मिसहैप माना गया है, यानी 25 लाख डॉलर से ज्यादा का नुकसान होने पर इसे इस श्रेणी में रखा जाता है.

जब ड्रोन गायब हुआ तो कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि ईरानी बलों ने इसे मार गिराया. खासकर स्ट्रेट ऑफहोर्मुज इलाके में दोनों देशों के बीच

तनाव बहुत ज्यादा था. लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने अब साफ कर दिया है कि यह क्रैश था, न कि कोई हमला. फिर भी इलाके की स्थिति को देखते हुए लोग अब भी सवाल पूछ रहे हैं कि क्या तकनीकी खराबी हुई या कोई और वजह थी.

MQ-yC ट्राइटन ड्रोन क्या है?

यह ड्रोन नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन कंपनी ने बनाया है. यह स्क्त-4 ग्लोबल हॉक का समुद्री वर्जन है. यह हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (॥स्रु) कैटेगरी का ड्रोन है. यानी यह 50,000 फीट से ऊपर उड़ता है. 24 घंटे से ज्यादा हवा में रह सकता है. 7400 समुद्री मील तक की दूरी तय कर सकता है. इसका मुख्य काम समुद्र पर निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाना और खतरे का पता लगाना है. इसमें 360 डिग्री मल्टी-इंटेलिजेंस सेंसर लगे हैं जो बड़े क्षेत्र को एक साथ देख सकते हैं. यह ड्रोन रीयल टाइम में डेटा दूसरे सैन्य जहाजों और विमानों को भेजता है. इससे अमेरिकी सेना को समुद्री इलाकों में लगातार नजर रखने में मदद मिलती है. नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन के अनुसार, यह दूसरे ड्रोनों से चार गुना ज्यादा क्षेत्र कवर करता है. उड़ान के घंटे 60 प्रतिशत कम लगते हैं और लागत आधी होती है.

6727 करोड़ रुपये के 24 स्क्त9 रीपर ड्रोन्स भी खोए

इसी दौरान एक और चौंकाने वाली खबर आई. चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने छ्वक्र न्यूज के हवाले से बताया कि अप्रैल के पहले हफ्ते से अब तक अमेरिका ने ईरान के साथ तनाव में 24 स्क्त-9 रीपर ड्रोन्स खो दिए हैं. इनकी कुल कीमत करीब 720 मिलियन डॉलर यानी 6727 करोड़ रुपये है. ये ड्रोन्स न सिर्फ निगरानी करते हैं बल्कि सटीक हमले भी कर सकते हैं.

बंगाल में कांग्रेस और टीएमसी के बीच चल रहा एक अलग मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में वैसे तो मुख्य मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी का दिखाई दे रहा है मगर जो हर वक्त दिखता है वो सब सही नहीं होता है,इसी तरह पश्चिम बंगाल में कई तरह का मुकाबला चल रहा है और ऐसा ही एक मुकाबला है मुस्लिम वोटों को लेकर.राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में रैली करना शुरू कर दिया है उन्होंने रायगंज,मालदा और मुर्शिदाबाद में रैलियां की.ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस फिलहाल इन्हीं इलाकों पर अपना फोकस रखना चाहती है क्योंकि रायगंज से प्रियरंजन दासमुंशी जीतते रहे फिर उनके निधन के बाद उनकी पत्नी दीपा दासमुंशी 2009 में सांसद भी रही.मालदा हमेशा से कांग्रेस का गढ़ रहा है एबीए गनी खान चौधरी से लेकर अभी तक यहां की एक सीट से कांग्रेस का सांसद रहा है. इस वक्त भी ईशा खान चौधरी मालदा दक्षिण से सांसद हैं. और अभी भी उन्हीं की परिवार की मौसम नूर जो पहले कांग्रेस फिर तृणमूल कांग्रेस से राज्यसभा सांसद रहीं मगर चुनाव के पहले राज्यसभा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हुई और मालदा के मालतीपुर से चुनाव लड़ रहीं है.

एक दूसरे पर करते हैं सीधा हमला

कांग्रेस जिस तीसरे इलाके पर फोकस कर रही है वो है मुर्शिदाबाद जहां के बहरामपुर से इस बार बंगाल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी चुनाव लड़ रहे हैं.बंगाल में कांग्रेस अधीर रंजन चौधरी के नाम से जानी जाती रही है जो 1999 से 2024 तक लगातार सांसद रहे मगर 2024 में युसुफपठान से हारने के बाद अब विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं.कांग्रेस बंगाल मे 20 साल बाद अकेले चुनाव लड़ रही है और अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती है. इसी लिए राहुल गांधी ने इन्हीं जगहों को अपनी मीटिंग के लिए चुना.

महिला आरक्षण का समर्थन लेकिन बिल का करेंगे विरोध : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद महिला आरक्षण बिल को लेकर सियासी बयानबाजी और तेज हो गई है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कहा है कि उनकी पार्टी महिला आरक्षण के पक्ष में है, लेकिन जिस तरीके से यह बिल लाया गया है, उस पर गंभीर आपत्तियां हैं. कांग्रेस अध्यक्ष ने ये भी आरोप लगाया कि सरकार राजनीतिक मकसद से इस बिल को आगे बढ़ा रही है और इसका इस्तेमाल विपक्षी दलों को दबाने के लिए किया जा रहा है.

विपक्षी दलों को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी चाहिए

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार महिला आरक्षण बिल का समर्थन किया है, लेकिन वह इस बात पर ज़ोर देती है कि पहले किए गए संशोधनों को लागू किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि सरकार परिसीमन को लेकर कुछ चालें चल रही है और इस मुद्दे पर सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर संसद में लड़ाई लड़नी चाहिए. खरगे ने स्पष्ट किया कि विपक्ष इस बिल का विरोध करेगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे महिलाओं को आरक्षण देने के खिलाफ हैं.

कलेक्टर के नाम से बड़ा फर्जीवाड़ा, बाबुओं ने बेची आदिवासी जमीन

देवास, प्रातःकिरण। देवास कलेक्ट्रेट में ऐसा बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है, जिसे जानकर हर कोई हैरान है। यहां कलेक्टर के नाम से फर्जी आदेश बनाकर आदिवासी जमीनों की अवैध बिक्री की जा रही थी। इस मामले में एडीएम कार्यालय का रीडर संजीव जाटव, नजूल शाखा का बाबू रमेश लोबानिया, तहसील के बाबू जितेंद्र भद्रे व खातेगांव क्षेत्र के महेंद्र कुशवाह, एक दलाल के साथ मिलकर पूरा नेटवर्क चला रहे थे।

रजिस्ट्री कराने पहुंचे तो सामने आया फर्जीवाड़ा

मामले का खुलासा तब हुआ जब एक रजिस्ट्री के दौरान दस्तावेजों पर शक हुआ।

इसके बाद कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने जांच के आदेश दिए, जिसमें फर्जी सील और हस्ताक्षर के जरिए जमीन अंतरण की अनुमति जारी करने का बड़ा खेल सामने आया। बता दें कि किसी भी आदिवासी की जमीन बेचने के लिए कलेक्टर की अनुमति आवश्यक होती है। सूत्रों के अनुसार आरोपियों ने मिलकर कलेक्टर की अनुमति संबंधी फर्जी आदेश जारी किए। मामले में जब संबंधित व्यक्ति रजिस्ट्री कराने पहुंचे तो जिला पंजीयक को गड़बड़ी की शंका हुई, इसके बाद उन्होंने कलेक्टर को जानकारी दी। कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने अपने स्तर पर जांच करवाई तो फर्जीवाड़ा सामने आया।

आरोपियों को भेजा जेल

बीएनपी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए संजीव जाटव, रमेश लोबानिया, जितेंद्र भद्रे और महेंद्र कुशवाह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। फिलहाल इस पूरे नेटवर्क की जांच जारी है और अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दिल्ली आबकारी केस

हितों के टकराव का मुद्दा उठाया

केजरीवाल ने दाखिल किया अतिरिक्त हलफनामा

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के चर्चित एक्साइज मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केस की सुनवाई कर रही जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के खिलाफ रीक्यूजल (स्वयं को केस से अलग करने) की मांग करते हुए अतिरिक्त हलफनामा दायर किया। आम आदमी पार्टी के मुताबिक केजरीवाल ने जज के समक्ष एक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल किया है, जिसमें उन्होंने जस्टिस शर्मा के परिवार से जुड़े संभावित हितों के टकराव (conflict of interest) का मुद्दा उठाया है। हलफनामे में कहा गया है कि जज के दोनों बच्चे तुषार मेहताके साथ काम करते हैं और तुषार मेहता ही इस मामले में सीबीआई की ओर से पैरवी कर रहे हैं।

न्यायिक निष्पक्षता पर उठाए सवाल

केजरीवाल ने अपने हलफनामे में सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में न्यायिक निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित की जा सकती है और क्या

जस्टिस शर्मा, तुषार मेहता के खिलाफ कोई आदेश दे पाएंगी। आम आदमी पार्टी का कहना है कि न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि जज इस मामले से खुद को अलग करें। वहीं, इस मामले में अदालत की ओर से अभी कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इस हलफनामे में केजरीवाल ने कहा कि 9 अप्रैल 2026 को लीगल रिपोर्टर सौरव दास द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों के बाद उन्हें कुछ अहम जानकारी मिली, जिसकी पुष्टि उन्होंने सरकारी रिकॉर्ड्स से की। इसी आधार पर यह अतिरिक्त हलफनामा अदालत में प्रस्तुत किया गया है।

जस्टिस शर्मा के बेटे और बेटी के बारे में हलफनामे में क्या बताया?

हलफनामे के अनुसार, जस्टिस शर्मा के बेटे ईशान शर्मा केंद्र सरकार के लीगल अफेयर्स विभाग के तहत सुप्रीम कोर्ट में ग्रुप ;’ पैनल काउंसिल के रूप में सूचीबद्ध हैं और दिल्ली हाई कोर्ट में भी केंद्र सरकार के लिए काम कर चुके हैं। वहीं, उनकी बेटी शांभवी शर्मा दिल्ली हाई कोर्ट में सरकारी वकील और सुप्रीम कोर्ट में ग्रुप 'ष्ट' पैनल काउंसिल के रूप में कार्यरत हैं।

केजरीवाल ने अपने हलफनामे में यह भी कहा कि ये केवल औपचारिक पद नहीं हैं, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले नियमित पेशेवर कार्य हैं, जिनमें सरकारी केस, अदालत में पेशी और आर्थिक लाभ शामिल होता है। इसके अलावा, उन्होंने 13 सितंबर 2022 की केंद्र सरकार की अधिसूचना का हवाला देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में मामलों के आवंटन का अधिकार ज्ञ्हृद्यद्बष्टद्बह्ल स्द्बद्गह्लड्ढ के पास होता है, जो विभिन्न पैनल वकीलों को केस सौंपते हैं। आम आदमी पार्टी का तर्क है कि ऐसे हालात में निष्पक्ष सुनवाई पर सवाल खड़े होते हैं, इसलिए जस्टिस शर्मा को इस मामले से खुद को अलग कर लेना चाहिए।

मुश्किलों में पवन खेड़ा, सुको ने तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले पर लगाई रोक, नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ दायर असम सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। मामले की सुनवाई के दौरान असम सरकार की ओर से पेश एसजी तुषार मेहता ने कहा कि एसजी ने कहा अपराध असम में हुआ और मामला दर्ज भी हुआ असम में, जमानत तेलंगाना हाई कोर्ट ने क्यों दी है?

असम हाई कोर्ट का दरवाजा क्यों नहीं खटखटाते?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पवन ने अग्रिम जमानत की अवधि बढ़ाने की मांग भी की है। एसजी ने कहा कि वो असम हाई कोर्ट का दरवाजा क्यों नहीं खटखटाते। एसजी ने तेलंगाना हाई कोर्ट के आदेश पर रोक की मांग की है।

कोर्ट ने नोटिस जारी कर पवन खेड़ा से मांगा जवाब

इस पर जस्टिस जेके महेश्वरी और जस्टिस अतुल एस चंदूरकर की पीठ ने पवन खेड़ा को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने तीन सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है। साथ ही तेलंगाना हाई कोर्ट के फैसले पर कोर्ट ने रोक लगा दी है। बता दें कि कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि असम सीएम हिमंता बिस्व

सरमा की पत्नी रिनिकी भूयान सरमा के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट हैं। इसमें मुस्लिम देश भी शामिल हैं। खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि असम सीएम के पत्नी की विदेश में अघोषित संपत्तियां भी हैं।

खेड़ा के आवास पर पहुंची थी असम पुलिस

खेड़ा के आरोपों के बाद रिनिकी भूयान सरमा ने गुवाहाटी पुलिस कमिश्नरेट के क्राइम ब्रांच में एफआईआर दर्ज कराई थी। मामले की जांच करते हुए असम पुलिस खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर भी पहुंची हुई थी। इसके बाद खेड़ा ने तेलंगाना हाई कोर्ट से जमानत ले ली थी। जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना कोर्ट के फैसले पर रोक लगाई है।

गौरीघाट में 'भिक्षुक मुक्त अभियान' की बड़ी सफलता, 12 भिक्षुक भेजे गए वापस, बुजुर्गों को मिला नगर निगम का सहारा

नगर निगम इस पहल से श्रद्धालुओं ने ली राहत की सांस

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

मां नर्मदा तट गौरीघाट को पवित्र और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'भिक्षुक मुक्त अभियान' के तहत आज बड़ी कार्रवाई की गई। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नगर निगम और समाज कल्याण विभाग के संयुक्त प्रयासों से 12 ऐसे भिक्षुकों को उनके गृह निवास भेजा गया, जो अन्य शहरों या स्थानों से आकर यहाँ रह रहे थे।

बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए विशेष पहल

उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने बताया कि अभियान के दौरान मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए निराश्रित बुजुर्गों के पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया गया, 75 वर्षीय एक वृद्ध महिला, जो बोल पाने में असमर्थ थीं, उन्हें सुरक्षित वृद्धाश्रम पहुँचाया गया। दो अन्य वृद्ध एवं विकलांग महिलाओं को भी वृद्धाश्रम भेजने की पूर्ण तैयारी कर ली गई है, ताकि उन्हें बेहतर चिकित्सा और देखभाल मिल सके।

उन्होंने बताया कि काउंसिलिंग और समझाइश के बाद कई भिक्षुकों ने वापस अपने घर जाने की इच्छा जताई। इनमें मुख्य रूप से गिरानी लाल कोल, शालनी रागनी वंशकार, विष्णु चौबे, दयाशंकर वर्मा, बाबूलाल भील, नाथूलाल प्रजापति, रमा चौधरी आदि नाम शामिल हैं।

आश्रय स्थलों में पुनर्वास

उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने बताया कि जिन भिक्षुकों का कोई सहारा नहीं था या जिन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता थी, उन्हें उचित आश्रय स्थलों में भेजा गया है। उन्होंने बताया कि अनीता सोनी और गुलाब नारायण गुप्ता को शेल्टर होम भेजा गया, आशा बाई को वृद्धाश्रम में स्थानांतरित किया गया है।

निगम के इस अभियान का उद्देश्य केवल घाटों से भीड़ कम करना नहीं, बल्कि इन भिक्षुकों को एक गरिमामय जीवन देना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है।

संक्षिप्त समाचार

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में चली गोलियां, इलाके में दहशत का माहौल

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में मारपीट और फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राहुल पटेल (28 वर्ष), निवासी कमला नेहरू नगर, यादव कॉलोनी गढ़ा रोड मदनमहल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह भूसा वाली मशीन चलवाने का काम करता है। बीती रात करीब 8 बजे वह अपने मामा विकास कुशवाहा के साथ मंगेला नया मोहल्ला में बरा के पेड़ के पास ट्रैक्टर का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान मिलन यादव, जिससे उसका पुराना विवाद चल रहा है, अपने साथी बब्बू यादव और दो अन्य व्यक्तियों के साथ वहां पहुंचा। मिलन यादव ने राहुल से ट्रैक्टर में भूसा भरकर उसके घर छोड़ने को कहा। इस पर राहुल ने प्रति ट्रॉली 3 हजार रुपये किराया बताया। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया।

आरोप है कि मिलन यादव मुफ्त में भूसा भरवाने का दबाव बनाने लगा। मना करने पर सभी आरोपियों ने राहुल और उसके मामा के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। दो लोगों ने विकास कुशवाहा को पकड़ लिया, जबकि मिलन यादव ने फरसा बब्बू यादव को दिया, जिसने हमला करने की कोशिश की। राहुल ने किसी तरह खुद को बचाते हुए धक्का देकर वहां से निकलने की कोशिश की, इस दौरान फरसा का बट उसके सीने में हल्का लगा। पीड़ित के अनुसार, दोनों वहां से भागने लगे तो मिलन यादव ने दहशत फैलाने के उद्देश्य से पिस्टल से फायरिंग की और जान से मारने की धमकी दी। मारपीट में राहुल के हाथ-पैर और उसके मामा के पैर व माथे में चोटें आई हैं।

आबकारी नीति के विरुद्ध चल रहीं शराब दुकान के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन

जबलपुर। धनवंतरी नगर स्थित शराब दुकान की अव्यवस्थाओं को लेकर शिवसेना ने धनवंतरी नगर चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए दुकान के सामने सांकेतिक धरना दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आबकारी नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताई। प्रदर्शन के दौरान शिवसेना के राज्य उप प्रमुख शैलेंद्र बारी ने बताया कि उक्त शराब दुकान का खुलने और बंद होने का कोई निश्चित समय नहीं है। यहां 24 घंटे शराब की बिक्री हो रही है। साथ ही आहता बंद होने के बावजूद दुकान के आसपास खुले में शराब पिलाई जा रही है, जो नियमों के खिलाफ है। इस दौरान जिला प्रमुख शैलू (सुजीत) पटेल द्वारा संजीवनी नगर थाना प्रभारी को कुछ वीडियो भी दिखाए गए, जिनमें अनियमितताएं स्पष्ट नजर आईं। वीडियो देखने के बाद थाना प्रभारी ने दुकान संचालक पर नाराजगी जताते हुए सख्त चेतावनी दी कि यदि आबकारी नीति का पालन नहीं किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिवसेना पदाधिकारियों ने आबकारी अधिकारी के नाम थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि शहर की सभी शराब दुकानों में आबकारी नीति का सख्ती से पालन कराया जाए।

मटर और अनाज प्रसंस्करण इकाइयों के लिए बड़ी राहत, राजस्व विभाग को भूमि हस्तांतरण का पत्र जारी

निवेश का नया कॉरिडोर: शहपुरा में उद्योगों के लिए 222 एकड़ भूमि तैयार

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

जिले में औद्योगिक विस्तार की सीमाओं को लांघते हुए प्रशासन ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए एक बड़ा आधार तैयार किया है। शहपुरा तहसील के ग्राम झांसी में 222 एकड़ भूमि का चयन एक नए औद्योगिक केंद्र के रूप में किया गया है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र ने इस भूमि को उद्योग विभाग के नाम हस्तांतरित करने के लिए राजस्व विभाग के साथ विधिवत प्रक्रिया का शुभारंभ कर दिया है। यह कदम जिले में निवेश के नए द्वार खोलने और भूमि की निरंतर बनी रहने वाली कमी को समाप्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। जिले के वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य को देखें तो उमरिया-डुंगरिया सहित लगभग सभी प्रमुख क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक भूखंड पूरी तरह आवंटित किए जा चुके हैं। उद्यमियों के पास नई इकाइयां लगाने के लिए विकल्प सीमित हो गए थे। हालांकि हरगढ़ में भूमि उपलब्ध है, परंतु शहर से दूरी और लॉजिस्टिक कारणों से वहां निवेश की गति धीमी रही है। शहपुरा के झांसी में इतनी बड़ी भूमि उपलब्ध होने से शहर के नजदीक ही एक सशक्त औद्योगिक क्लस्टर विकसित हो सकेगा, जिससे उन निवेशकों को प्राथमिकता मिलेगी जो लंबे समय से जमीन के इंतजार में थे।

कृषि बेस्ड क्लस्टर की उम्मीद जगी

शहपुरा क्षेत्र अपनी उपजाऊ भूमि और विविध फसलों के उत्पादन के लिए विख्यात है। यहाँ धान, गेहूं, चना और विशेष रूप से मटर की पैदावार व्यापक स्तर पर होती है। वर्तमान में प्रसंस्करण के संसाधनों की कमी के कारण किसानों को अपनी उपज का सही मूल्य प्राप्त करने में कठिनाई होती है। नए औद्योगिक क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पूर्व में भूमि के अभाव के कारण अटकी हुई फूड क्लस्टर की योजना को अब यहां धरातल पर उतारा जा सकेगा, जिससे मटर और अनाज की मिलिंग इकाइयों का जाल बिछेगा।

लागत घटेगी, मध्यम वर्ग के उद्यमियों को फायदा

जबलपुर में स्वरोजगार योजनाओं के तहत ऋण प्राप्त करने वाले लगभग 50 से 60 प्रतिशत उद्यमी केवल इसलिए पिछड़ जाते हैं क्योंकि उन्हें सरकारी भूमि प्राप्त नहीं हो पाती। निजी स्तर पर भूमि क्रय करने से प्रोजेक्ट की लागत में अप्रत्याशित वृद्धि हो जाती है, जिससे लघु उद्योगों का संचालन चुनौतीपूर्ण हो जाता है। महाकोशल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की मांग पर एमएसएमई के लिए अलग से भूमि सुरक्षित होने से छोटे उद्यमियों को रियायती दरों पर भूखंड मिल सकेंगे। इससे उद्योगों की स्थापना लागत घटेगी और जिले के युवाओं को स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

मोहनिया में भी विस्तार योजना

प्रशासन सिर्फ शहपुरा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मोहनिया में भी एक नए औद्योगिक क्षेत्र के विकास की रूपरेखा तैयार की गई है। वहां जल्द ही विकास कार्यों का भूमिपूजन प्रस्तावित है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के मंत्री चैतन्य कुमार कश्यप और विधायक अशोक रोहाणी के प्रयासों से विभाग ने अपनी कार्ययोजना को अंतिम रूप दे दिया है। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक विनीत कुमार रजक ने स्पष्ट किया है कि झांसी की 222 एकड़ जमीन के हस्तांतरण के लिए राजस्व विभाग को पत्र प्रेषित कर दिया गया है। जैसे ही यह हस्तांतरण पूर्ण होगा, उद्यमियों को आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

सनातन धर्म महासभा महिला मंडल ने जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंहदेवाचार्य महाराज का स्वागत अभिनंदन किया

जबलपुर। आज नरसिंह मंदिर में अखिल भारतीय सन्त समिति मप्र के नवनियुक्त अध्यक्ष बनकर पधारे हमारे संरक्षक और प्रेरणाश्रोत पूज्य श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंहदेवाचार्य जी महाराज का श्री सनातन धर्म महासभा महिला मंडल, कान्हा की सखियों द्वारा संयोजक नीता चावला के नेतृत्व विभिन्न महिला मंडलों द्वारा पूजन अर्चन कर स्वागत अभिनंदन का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।

इस अवसर पर नंदिता महाजन, रुचि गुलाटी, रूपल मोंगा, संध्या दुबे रश्मि शर्मा, नीतू सोनी, प्रवेश सुरी, योगिता पुंज, राज चौपड़ा, आभा साहू, मीरा दुबे, प्रभा कपूर, निधि बस्सी, रोजी लूथरा, सुषमा कोहली आदि बहनें उपस्थित थी।

खाद्य विभाग की लापरवाही

किसान हुए परेशान,हर तरफ अव्यवस्थाओं की तस्वीरें

गेहूं खरीदी पर पलीता, समूहों को अब तक अनुमति तक नहीं मिली

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जिले में महिला स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से गेहूं खरीदी की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी, लेकिन यह योजना प्रशासनिक लेटलतीफी की भेंट चढ़ गई है। आज से उपार्जन प्रक्रिया प्रारंभ होना तय था, इसके बावजूद जिला स्तर से समूहों के अनुमति पत्र महज 2 दिन पहले भोपाल भेजे गए। वर्तमान में केवल 8 स्वसहायता समूहों की अनुमति के लिए ही फाइल आगे बढ़ पाई है। नियमानुसार उपार्जन की शुरुआत से काफी पहले इन समूहों का चयन और प्रशिक्षण पूरा हो जाना चाहिए था, लेकिन सिस्टम तैयार न होने से केंद्रों के कामकाज पर अब प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

केंद्रों की संख्या में कमी

जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय करने वाले किसानों के आंकड़ों में बड़ी गिरावट आई है। पिछले सीजन में जहां 58 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था, वहीं इस साल यह संख्या घटकर 50 हजार रह गई है। किसानों की संख्या कम होने के साथ ही खरीदी केंद्रों के निर्धारण में भी बड़ी कटौती की गई है। पूर्व में जिले में वेयर हाउस और खरीदी केंद्रों की कुल संख्या 75 के आसपास रहती थी, जिसे इस बार घटाकर मात्र 47 कर दिया गया है। केंद्रों की संख्या सीमित होने से उपार्जन के दौरान भीड़ बढ़ने और प्रबंधन बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है।

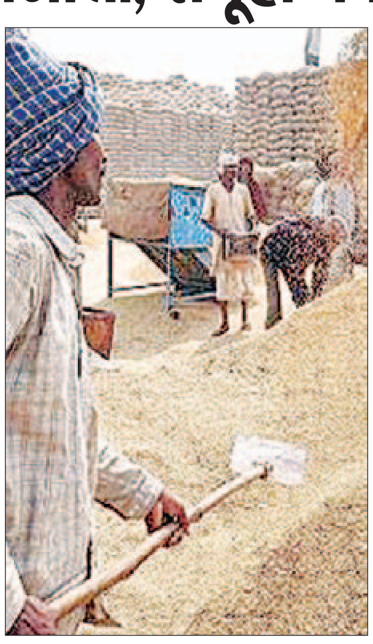

सर्वर डाउन ने भी खूब रुलाया

प्रशासनिक दावों के विपरीत धरातल पर गेहूं खरीदी का डिजिटल तंत्र पूरी तरह विफल साबित हो रहा है। भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय प्रचार सचिव राघवेंद्र पटेल ने आरोप लगाया है कि खरीदी शुरू होते ही सर्वर डाउन रहने का बहाना बनाया जा रहा है। तकनीकी खामियों के कारण किसानों की स्लॉट बुकिंग नहीं हो पा रही है, जिससे वे अपनी उपज लेकर केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस तकनीकी विफलता ने किसानों के सामने नई मुसीबत खड़ी कर दी है और वे अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं।

कम दाम पर बेचने की मजबूरी

सरकारी सिस्टम में आई बाधाओं का सीधा लाभ बाजार के बिचौलिए और व्यापारी उठा रहे हैं। उपार्जन केंद्रों पर खरीदी शुरू न होने और स्लॉट बुकिंग फेल होने के कारण किसान अपनी उपज मंडी में व्यापारियों को बेचने पर विवश हैं। मजबूरी में किसान अपनी फसल को समर्थन मूल्य से काफी कम कीमत पर बेच रहे हैं। इस अव्यवस्था की वजह से किसानों को प्रति क्विंटल 400 से 500 रुपए का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। पूरा प्रशासनिक तंत्र इस संकट के समय में मूकदर्शक बना हुआ है।

संत धर्म के ठेकेदार नहीं प्रचारक बनें: महंत प्रतापपुरी महाराज

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

मानस भवन में राष्ट्रीय हिंदू स्वाभिमान मंच द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान के पोखर नगरी से पधारे पूज्य महंत प्रताप पुरी महाराज ने संत समाज की भूमिका पर विस्तार से विचार व्यक्त किए, उन्होंने कहा कि संतों को धर्म का ठेकेदार नहीं, बल्कि उसका प्रचारक बनकर रहना चाहिए, संत के आचरण में सात्विकता और शुद्धता का होना अनिवार्य है, क्योंकि समाज पर संतों का गहरा प्रभाव पड़ता है और लोग उनके आचरण का अनुसरण करते हैं, उन्होंने कहा कि संतों का राजनीति में आना पहले भी आवश्यक था और आज भी है, लेकिन यह प्रवेश स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि समाज के उत्थान और राष्ट्रहित के लिए होना चाहिए, धर्म को उन्होंने आचरण, दायित्व और कर्तव्य बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति को इसका बोध होना चाहिए। यह जरूरी नहीं कि हर कोई संत बने, लेकिन जिस क्षेत्र में भी कार्यरत हो, उसे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए, कार्यक्रम में आचार्य राघवेंद्र देवाचार्य ने सनातन धर्म में संतों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्राचीन काल से वर्तमान तक संतों की भूमिका का उल्लेख किया, वहीं पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भी अपने विचार रखते हुए समाज को धर्म और राष्ट्र के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया, मंच के संरक्षक माया जसवानी ने सभी को देश के लिए समर्पित होने की प्रेरणा दी, कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ, अंत में संयोजक प्रवीण भारद्वाज ने सभी आए हुए अतिथियों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोता पदाधिकारी एवं सदस्य गण मौजूद रहे।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पनागर ने बाबा साहब को किया याद

पनागर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पनागर के तत्वाधान में आज देश के प्रसिद्ध कानून के ज्ञाता देश के संविधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती मनाई। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित कांग्रेसजन ने डॉक्टर साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चाप अपने उद्बोधन में समस्त भक्तों ने बाबा साहब की प्रशंसा की। इस अवसर पर राजेश पटेल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, विमल जैन सांसद प्रतिनिधि, ब्लॉक अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, सुनील प्रजापति नगर अध्यक्ष, प्रदीप पटेल नगर पालिका अध्यक्ष, तुलसी कुशवाहा, प्रमोद पटेल पार्षद, राजेश मिश्रा, राकेश पटेल, बबला भाई जान, जितेंद्र यादव, आनंद यादव, अर्जुन कुशवाहा के अलावा सैकड़ों लोगों उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

संवेदनशील स्थानों पर पुलिस सतर्क, परीक्षा परिणाम के बाद बढ़ाई निगरानी

जबलपुर। जबलपुर में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जहां एक ओर सफल विद्यार्थी खुश हैं, वहीं असफल विद्यार्थियों को संभालने के लिए परिवार और शिक्षक लगातार उन्हें प्रेरित कर रहे हैं। पुलिस ने एहतियातन तिलवारा घाट, बरगी डैम, भेड़ाघाट और गौरी घाट जैसे स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती बढ़ा दी है। इन जगहों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।
जबलपुर एसपी संपत उपाध्याय ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए असफल छात्रों से कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह समय निराश होने का नहीं, बल्कि दोबारा मेहनत करने का है। सरकार द्वारा दूसरा मौका दिया जा रहा है, जिसका लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने परिणाम को बेहतर बना सकते हैं। मॉडल हाई स्कूल की प्राचार्य डॉ. अर्चना ने कहा कि परीक्षा में असफल होने पर छात्र हतोत्साहित हो जाते हैं, लेकिन यह अंत नहीं है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे नकारात्मक सोच छोड़कर दोबारा तैयारी में जुटें। स्कूल की छात्रा सिया जैन, जिन्होंने प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया है, ने भी साथियों से अपील की कि परिणाम खराब आने पर निराश न हों। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए कई मौके मिलते हैं और मेहनत से हर परिणाम बदला जा सकता है।

मदनमहल थाना क्षेत्र में चले चाकू, रंगदारी न देना युवक को पड़ा भारी; वार कर आरोपी फरार

जबलपुर। मदनमहल थाना क्षेत्र में रंगदारी नहीं देने पर एक युवक पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घायल युवक को उपचार के लिए आशीष अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से पुलिस को सूचना मिलने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार, सुधीर सोनी (34 वर्ष), निवासी नव निवेश कॉलोनी संजीवनी नगर ने बताया कि उसकी लिंक रोड पर गाड़ी के पार्ट्स और रिपेयरिंग की दुकान है। दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपनी गाड़ी को शराब दुकान के पास स्थित पेंटर के यहां लेकर गया था। इसी दौरान शुभम अपने दो साथियों के साथ वहां पहुंचा और उससे रंगदारी के रूप में 2 हजार रुपये की मांग करने लगा। सुधीर द्वारा पैसे देने से मना करने पर तीनों आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद शुभम ने उसे पकड़ लिया और उसके एक साथी ने चाकू से हमला कर दिया। हमले के दौरान सुधीर ने अपने बचाव में चाकू रोकने की कोशिश की, जिससे उसके दाहिने हाथ के पंजे में गंभीर चोट आ गई। घटना के बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 296(ए), 118(1), 119(1), 351(2), 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

10 वीं-12 वीं के नतीजों में जबलपुर की बेटियों का कमाल, अलग-अलग संकायों में हासिल किए शीर्ष स्थान

जबलपुर के मेधावी विद्यार्थियों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दर्ज कराया नाम

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इन परिणामों में संस्कारधानी के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए राज्य स्तरीय मेरिट सूची में सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया है। जिले के कुल आठ छात्र-छात्राओं ने विभिन्न संकायों में अपनी जगह बनाकर नगर का नाम रोशन किया है। परीक्षा परिणाम जारी होते ही शिक्षण संस्थानों और सफल विद्यार्थियों के घरों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

हायर सेकेंडरी कला, विज्ञान संकाय के परिणाम

हायर सेकेंडरी यानी 12वीं की परीक्षा में जबलपुर के अलग-अलग संकायों से पांच विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान सुनिश्चित किया है। कला समूह में जबलपुर की अल्फिया अंजुम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर 10वां स्थान प्राप्त किया है। विज्ञान गणित समूह की बात करें तो सिहोरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा पूर्वी गोलहानी ने अपनी मेहनत के दम पर प्रदेश में 8वां स्थान हासिल किया है। इन विद्यार्थियों ने कठिन परिश्रम के माध्यम से यह सफलता अर्जित की है।

वाणिज्य और जीव विज्ञान संकाय में सफलता

वाणिज्य और जीव विज्ञान संकाय में भी जिले का प्रदर्शन सराहनीय रहा है। वाणिज्य समूह में पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल हाई स्कूल की छात्रा कुमारी अनम अंसारी ने प्रदेश की मेरिट सूची में 10वां स्थान प्राप्त किया है। जीव विज्ञान समूह में इसी विद्यालय का दबदबा देखने को मिला है। मॉडल हाई स्कूल की कुमारी कृति पांडे ने जीव विज्ञान समूह में राज्य स्तर पर 8वां स्थान पाया है, स्कूल के छात्र ओम चौक से ने जीव विज्ञान में ही प्रदेश की सूची में 10वां स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है।

हाई स्कूल परीक्षा की राज्य स्तरीय मेरिट

हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा यानी 10वीं के परिणामों में भी जबलपुर के तीन छात्र प्रदेश की टॉप सूची में शामिल हुए हैं। पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल हाई स्कूल की छात्रा कुमारी श्रेया जैन ने शानदार अंकों के साथ प्रदेश में 4था स्थान हासिल किया है। वहीं शासकीय रानी दुर्गावती कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ा की छात्रा कुमारी शुभी सैनी ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए राज्य की मेरिट सूची में 6ठा स्थान प्राप्त किया है। ब्रह्म ऋषि नर्मदा विद्यापीठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र अभिषेक मिश्रा ने भी सफलता का परचम लहराते हुए प्रदेश में 7वां स्थान पाया है।

शिक्षा क्षेत्र में जिले की उपलब्धि

बोर्ड परीक्षाओं के इन परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जिले के शासकीय और निजी दोनों ही क्षेत्रों के शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान दिया जा रहा है। विशेष रूप से पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल हाई स्कूल के कई विद्यार्थियों का मेरिट में आना संस्थान की शैक्षणिक मजबूती को दर्शाता है। छात्रों ने इस उपलब्धि का श्रेय नियमित अध्ययन शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। परीक्षा परिणामों के विश्लेषण से यह भी सामने आया है कि इस वर्ष छात्राओं ने मेरिट सूची में अपनी उपस्थिति प्रभावी ढंग से दर्ज कराई है। अधिकारियों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

एलपीजी गैस की ऑनलाइन बुकिंग 98 फीसदी तक बढ़ी

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

एलपीजी की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं की सोच में साफ़ और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। कमी की चिंता और घबराहट में खरीदारी के बजाए अब आपूर्ति में उनका भरोसा बढ़ा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, भारत सरकार की सख़्त कार्रवाई, लगातार आपूर्ति और ज़्यादा पारदर्शिता के चलते उन्हें विश्वास हो गया है कि बिना किसी रूकावट के एलपीजी की आपूर्ति जारी रहेगी। यही कारण है कि उनका व्यवहार अब शांत हो गया है, जो डिजिटल तरीकों के अडॉप्शन में तेज़ी और जमाखोरी की घटनाओं में आई कमी से साफ़ ज़ाहिर होता है।

भारत सरकार की सख़्त कार्रवाई के चलते उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा

एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत, मार्च 2026 से अब तक 1.28 लाख से ज़्यादा इंस्पेक्शन किए गए और छापे मारे गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 59,000 से ज़्यादा एलपीजी सिलेंडर ज़ब्त किए गए हैं। इन लक्षित कार्रवाइयों का उद्देश्य जमाखोरी और कालाबाज़ारी पर रोक लगाना, घरेलू एलपीजी के गलत इस्तेमाल को रोकना और वितरण नेटवर्क में पारदर्शिता बढ़ाना है। भारत की एलपीजी वितरण प्रणाली लगातार मज़बूत हो रही है। घरेलू सिलेंडरों की डिलीवरी सामान्य बनी हुई है और कहीं भी सिलेंडर की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, एक ही दिन में 51 लाख से ज़्यादा परिवारों को एलपीजी सिलेंडर मिले हैं। ज़्यादातर डिस्ट्रीब्यूटरशिप्स रविवार को भी काम कर रही हैं ताकि बिना किसी रुकावट के आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और उपभोक्ताओं की मांग पूरी होती रहे। इसके साथ ही, विभिन्न सेगमेन्ट्स में आपूर्ति की स्थिरता बनी हुई है, खाद्य, पॉलिमर और कृषि जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए थोक गैर-घरेलू एलपीजी की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी गई है। कच्चे तेल के पर्याप्त भंडार एवं रिफाइनरी के अनुकूल संचालन के चलते 23 मार्च से अब तक 10 लाख से ज़्यादा कमर्शियल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। प्रवर्तन, आपूर्ति और सर्विस डिलीवरी के ये उपाय उपभोक्ताओं की सुरक्षा, सिस्टम अखंडता और देश भर में एलपीजी सिस्टम के प्रति लगातार भरोसा बनाए रखने पर सरकार के फोकस को दर्शाते हैं।

सम्मेलन में पात्र लाभार्थियों को हितलाभों का वितरण

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर सिहोरा के बाबाताल में नगर पालिका परिषद द्वारा विधायक संतोष वरकड़े के मुख्य आतिथ्य में हितग्राही सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संध्या दिलीप दुबे ने की। हितग्राही सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन तथा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया गया। विधायक ने डॉ. अंबेडकर के विचारों तथा संविधान के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ आंबेडकर का जीवन समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित रहा है। विधायक ने बाबा साहेब के आदर्शों से प्रेरणा लेने तथा उन्हें अपनाने का आह्वान किया। सम्मेलन में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों को हितलाभों का वितरण किया गया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री संबल योजना सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं लाभ वितरित किए गए। साथ ही छात्र-छात्राओं को पुस्तक वितरण एवं साइकिल वितरण भी किया गया। नगर पालिका परिषद सिहोरा द्वारा डॉ. अंबेडकर जयंती के अवसर पर प्रदर्शनी लगाई गई। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विज्ञान मॉडल का प्रदर्शन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण स्टॉल लगाकर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही स्वच्छता अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में सांस्कृतिक गतिविधियों का भी विशेष आकर्षण रहा, जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य, कविता पाठ एवं नुक्कड़ नाटक की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिहोरा ज्योति परस्ते, नगर पालिका उपाध्यक्ष शारदा तिवारी, जनपद उपाध्यक्ष दिलीप पटेल, समस्त पार्षदगण सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, परियोजना अधिकारी महिला वाल विकास आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयश्री चौहान ने आभार व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाया गया बैसाखी महापर्व

जबलपुर। बैसाखी पर्व पर प्रेमनगर गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम अवसर पर शहर के सिख कांग्रेस नेताओं ने भी माथा टेका एवं गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया जिसमें मप्र कांग्रेस कमेटी परिवहन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नरिंदर सिंह पांधे, लखविंदर सिंह, परविंदर सिंह, जगजीत सिंह सरन, रघबीर सिंह बंसल, गुरजीत सिंह बॉबी, मंजीत सिंह, आदि ने उपस्थित होकर गुरू का लंगर भी चखा एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।

माढ़ोताल थाना क्षेत्र में चली गोलियां

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में मारपीट और फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राहुल पटेल (28 वर्ष), निवासी कमला नेहरू नगर, यादव कॉलोनी गढ़ा रोड मदनमहल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह भूसा वाली मशीन चलवाने का काम करता है। बीती रात करीब 8 बजे वह अपने मामा विकास कुशवाहा के साथ मंगेला नया मोहल्ला में बरा के पेड़ के पास ट्रैक्टर का इंतजार कर रहा था।

हवन-शांति, कन्या-ब्राम्हण भोज-भंडारा के साथ नौ दिनी श्रीराम कथा का समापन

समरसता सेवा संगठन ने सभी भक्त श्रोताओं, आयोजन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष योगदान देने जताया आभार

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

पद्म विभूषण, रामानंदाचार्य जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य जी के श्रीमुख से गाई गई श्रीराम कथा का समापन हवन-शांति, कन्या-ब्राम्हण भोग-भंडारा के साथ हुआ। आर्युवेद कॉलेज मैदान स्थित कथास्थल अवधपुरी में मंगलवार की सुबह विधि विधान से कथा विधान की पूर्णाहुति हुई। जगद्गुरु स्वामी राघवदेवाचार्य जी की उपस्थिति में आचार्य पं. रोहित दुबे के नेतृत्व में विद्वान पुरोहितों ने धार्मिक विधान संपन्न कराया। सभी 42 समाजो के यजमान, आयोजन समिति, समरसता सेवा संगठन के सदस्यों ने पूजन किया। कथा उपरांत आह्वानित देव प्रतीकों और जवारों का विसर्जन विधि विधान पूर्व मां रेवा में किया गया। आयोजक समरसता सेवा संगठन के आजीवन संस्थापक अध्यक्ष संदीप जैन 'वैष्णव' ने समापन अवसर पर मां नर्मदा का पूजन कर उन्हें चुनरी समर्पित की। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार, सचिव पं. अखिल मिश्रा, स्वागत समिति के अध्यक्ष गुलशन माखीजा, समरसता सेवा संगठन के नव मनोनीत अध्यक्ष पवन पांडे, सचिव मनोज सेठ, उज्जवल पचौरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सफल आयोजन के लिए माना आभार

राम जनम जग मंगल हेतू विषय पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के सफल आयोजन पर समरसता सेवा संगठन के आजीवन संस्थापक सदस्य संदीप जैन 'वैष्णव' सहित पदाधिकारियों ने सभी यजमानों, नित्यप्रति पधारने वाले संत-महात्माओं, श्रद्धालु श्रोताओं, आयोजन समिति, स्वागत समिति के पदाधिकारियों, सेवाधारियों, समरसता सेवा संगठन के तन-मन-धन से लगे कथा सेवकों, जिला-पुलिस प्रशासन, नगर निगम, प्रिंट-इलेक्ट्रानिक मीडिया के बंधुओं सहित सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रामजी-नर्मदा माई की कृपा और सबका सहयोग न होता तो इतना भव्य, दिव्य और विशाल आयोजन संभव नहीं था। सबके सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री जैन ने भविष्य में सभी से ऐसे ही सहयोग की अपेक्षा की है।

संक्षिप्त समाचार

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। आज पश्चिम मध्य रेलवे में जबलपुर मे SC ST एसोसिएशन एवं स्ष्ट स्ज्ज वेलफेयर सोसायटी के द्वारा डॉ भीम राव अम्बेडकर जी 135 वी जयंती अशोक सदन में हर्षा उल्लास के साथ मनाई गई, जिसमे मुख्य अतिथि जबलपुर मंडल के उप मंडल रेल प्रबंधक श्री आनंद कुमार, एवं स्ष्ट स्ज्ज एसोसियेशन पश्चिम मध्य रेलवे के जोनल अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम आठिया एवं स्ष्ट, स्ज्ज एसोसियेशन युवा संरक्षक श्री संजीव रिछारिया, आर के कोरी, सी वी सिंग, अतुल बेन, आनंद भगत, महेंद्र चौधरी,दिलीप झरिया, रविनेश कनोजिया, शुभम जाट, शैलेन्द्र कोरी, ललित झरिया, एवं अन्य सभी कार्यकर्ताओं ने उपस्थिति दर्ज की।

हाईवे पर नो-पार्किंग में खडे भारी वाहनों को हटवाते हुये की गयी वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। हाईवे पर भारी वाहनों के अवैध रूप से नो-पार्किंग में खड़े रहने के कारण जाम एवं सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति निर्मित होती है। उक्त समस्या को दृष्टिगत रखते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु पुलिस अधीक्षक जबलपुर श्री सम्पत उपाध्याय (भा.पु.से.) द्वारा एनएचएआई की टीम के साथ मिलकर विशेष अभियान चलाकर नो-पार्किंग में खड़े भारी वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु आदेशित किया गया है।

आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात सुश्री अंजना तिवारी के निर्देशन में आज राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 34 में अधमुख एवं लम्हेटा बाईपास पर यातायात जबलपुर पुलिस द्वारा एनएचएआई की टीम के साथ संयुक्त रूप से भ्रमण करते हुये नो-पार्किंग में खड़े भारी वाहनों को चैक करते हुये अभियान के दौरान लगभग 13 वाहनों पर चालानी कार्रवाई करते हुए उन्हें मौके से हटवाया गया। उक्त कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य सड़क पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम करना है। आगे भी इस प्रकार की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

कार्रवाही में यातायात थाना प्रभारी गढ़ा श्रीमति इंद्रा ठाकुर, सूबेदार मनीष पयासी एवं यातायात का अन्य स्टाफमौजूद रहा।

स्वच्छता के लिए अब एम. आई. सी. सदस्य और वार्ड पार्षद दामोदर सोनी भी उतरे मैदान में

रांझी के चन्द्रशेखर आजाद वार्ड में चला स्वच्छता अभियान

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। दिनांक 15 अप्रैल, 2026 भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा संचालित स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत संस्कारधानी जबलपुर को स्वच्छता के शिखर पर पहुँचाने के प्रयासों ने अब जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी कड़ी में आज चन्द्रशेखर आजाद वार्ड रांझी में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार एवं एम. आई. सी. सदस्य एवं वार्ड पार्षद दामोदर सोनी के नेतृत्व में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। पार्षद ने स्वयं झाडू थामकर वार्ड की मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान की सबसे बड़ी शक्ति स्थानीय नागरिक रहे। वार्ड के सैकड़ों निवासियों, युवाओं और वरिष्ठ जनों ने स्वतः गलियों और नालियों की सफाई में अपना श्रमदान दिया। जागरूकता संवाद सफाई के उपरांत एम आई सी सदस्य एवं वार्ड पार्षद दामोदर सोनी एवं निगमायुक्त ने रहवासियों से संवाद कर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने की अपील की। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने कहा नगर निगम शहर को स्वच्छ रखने के लिए कटिबद्ध है, लेकिन जबलपुर को देश में नंबर-1 तभी बनाया जा सकता है जब हर नागरिक इसे अपनी जिम्मेदारी समझे।

चन्द्रशेखर आजाद वार्ड रांझी में आज जो उत्साह दिखा है, वह पूरे शहर के लिए प्रेरणादायी है। एम आई सी सदस्य एवं वार्ड पार्षद दामोदर सोनी ने कहा कि मेरे वार्ड के निवासियों ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि जनशक्ति के आगे कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं है हम निरंतर वार्ड को जीरो वेस्ट बनाने की दिशा में कर करेंगे

स्वच्छता की शपथ के साथ समापन

अभियान के अंत में सभी उपस्थित जनों को शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की शपथ दिलाई गई । नगर निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा वार्ड में कीटनाशक दवा का छिड़काव और डस्टबिन के सही उपयोग के बारे में डेमो भी दिया गया। इस दौरान नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पार्षद श्रीमती अनीता जाट की अगुवाई में महर्षि अरविंद वार्ड में चला वृहद स्वच्छता अभियान

जनभागीदारी से जबलपुर को बनाएंगे स्वच्छता में नंबर-1 : निगमायुक्त अहिरवार

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

2026 भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा संचालित स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत संस्कारधानी जबलपुर को स्वच्छता के शिखर पर पहुँचाने के प्रयासों ने अब जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी कड़ी में आज महर्षि अरविंद वार्ड में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार एवं क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती अनीता जाट के नेतृत्व में एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।

पार्षद ने स्वयं झाडू थामकर वार्ड की मुख्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया।

अभूतपूर्व जनभागीदारी

अभियान की सबसे बड़ी शक्ति स्थानीय नागरिक रहे। वार्ड के सैकड़ों निवासियों, युवाओं और वरिष्ठ जनों ने स्वतः गलियों और नालियों की सफाई में अपना श्रमदान दिया।

जागरूकता संवाद सफाई के उपरांत वार्ड पार्षद एवं निगमायुक्त ने रहवासियों से संवाद कर गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करने एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करने की अपील की।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने कहा नगर निगम शहर को स्वच्छ रखने के लिए कटिबद्ध है, लेकिन जबलपुर को देश में नंबर-1 तभी बनाया जा सकता है जब हर नागरिक इसे अपनी जिम्मेदारी समझे। महर्षि अरविंद वार्ड में आज जो उत्साह दिखा है, वह पूरे शहर के लिए प्रेरणादायी है।

पार्षद श्रीमती अनीता जाट ने कहा कि मेरे वार्ड के निवासियों ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि जनशक्ति के आगे कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं है हम निरंतर वार्ड को जीरो वेस्ट बनाने की दिशा में कर करेंगे

स्वच्छता की शपथ के साथ समापन

अभियान के अंत में सभी उपस्थित जनों को शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की शपथ दिलाई गई ।

नगर निगम के स्वास्थ्य अमले द्वारा वार्ड में कीटनाशक दवा का छिड़काव और डस्टबिन के सही उपयोग के बारे में डेमो भी दिया गया। इस दौरान नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक एवं वार्ड के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भारतरत्न बाबा साहेब भीमराब अम्बेडकर जयंती मनाई गई

कुड़ारी उमरिया, प्रातःकिरण। कुडारी उमरिया बम्हनी मे भारतरत्न बाबा साहेब अम्बेडकर की फेटो माल्यापण कर एवं केक काट कर बडे धूमधाममनाई गई एवं भव्य जूलूस कुडारी उमरिया से गौर एकता मारकेट तक निकाला गया इस अवसर पर सयुंक्त कलेक्टर श्री सीताराम प्रधान टी एस मरावी रजनीश पाडे शहजाद दिवेदी अंबिका प्रसाद सेन दाल चंद पासी मुकेश मेहरा कुडारी सरपंच श्री संतराम श्रापाल उमरिया सरपंच श्री योगेश मेहरा बम्हनी सरपंच श्री नीलकमल झारिया बरबटी सरपंच अंशुल सोनकर रामकुमार झारिया सुनील झारिया काशीराम धुर्वे निर्मल कुमार लोधी सुम्मत सिंह पेन्द्रो दिनेश पटेल सुरेंद्र कुमार चौबे प्रमोद विश्वकर्मा रामदास बरकड़े बालकृष्ण झरिया प्रणव कुमार साहू आर के लखेरा सौरव पासी दिनेश पासी कुशवाहा कृष्ण कुमार कुशवाहा प्रकाश झरिया रूप लाल पटेल रमेश विश्वकर्मा केशव कुशवाहा विवेक मेहरा सरमन झरिया विकास कुमार मेहरा प्रमोद कुमार मेहरा संतोष कुमार झारिया इंद्र कुमार कुशवाहा गणेश पटेल झनक लाल झरिया मिलन सिंह परस्ते दशरथ दास खैरवार रेवा प्रसाद हर हर प्रसाद पासी बाल गोविंद तिवारी सुरेश कुमार झारिया राममिलन पटेल देवनारायण पटेल विजय कुमार विश्वकर्मा शंकर लाल पटेल दिल्लू पटेल हो गए मनीष चौबे ओम तिवारी अश्विनी पासी भोला पासी गुड्डु यादव रामकुमार रामकुमार उपाध्याय प्रदीप उपाध्याय उप सरपंच कुडारी अशोक झरिया शंकर लाल झरिया प्रकाश कुमार पटेल बेड़ी लाल चौधरी राकेश कुमार चक्रवर्ती एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे

अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशन में अव्यवस्था, बैंक के बाहर मची भगदड़

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन को लेकर सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामपुर चौराहा स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा के बाहर इकट्ठा हो गए। रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच पहले कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते विवाद और फिर मारपीट में बदल गई। इस दौरान जमकर लात-घूंसे चले और मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रद्धालु सुबह 6 बजे से ही बैंक के बाहर लंबी कतार में खड़े थे। जैसे-जैसे भीड़ बढ़ती गई, व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। लाइन में आगे-पीछे होने को लेकर विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद कई लोग आपस में भिड़ गए। भगदड़ के दौरान बैंक के सामने लगी लोहे की रेलिंग भी टूट गई, जिससे हालात और बिगड़ गए।

स्थिति बिगड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद हालात पर काबू पाया जा सका। हालांकि, इस दौरान कई श्रद्धालुओं को हल्की चोटें भी आई हैं।

श्रद्धालुओं का आरोप है कि बैंक प्रबंधन की ओर से रजिस्ट्रेशन के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई थी। न तो पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था थी और न ही भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कोई स्पष्ट सिस्टम बनाया गया था। यही कारण रहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ पहुंचने पर स्थिति अनियंत्रित हो गई।

गौरतलब है कि जबलपुर शहर में अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन के लिए केवल रामपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक शाखा ही अधिकृत है। ऐसे में स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ-साथ आसपास के जिलों और अन्य शहरों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं, जिससे हर साल भीड़ का दबाव बढ़ जाता है।

इस बार अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है, जिसके चलते रजिस्ट्रेशन कराने की होड़ मची हुई है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि प्रशासन और बैंक प्रबंधन समय रहते बेहतर इंतजाम नहीं करते हैं, तो आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं।

फिलहाल पुलिस ने व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात कर दिया है और श्रद्धालुओं से शांति बनाए रखने की अपील की है।

सुयश

अनिकेत को 10वीं में मिले 92% अंक

बेलखाडू, प्रातःकिरण संवाददाता। निश्चित रूप से, यदि मन में दृढ़ संकल्प और सच्ची लगन हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है, सच्ची कोशिश और लगन हर मुश्किल को आसान बना सकती है पीएम श्री शासकीय उच्चतरमध्यमिक विद्यालय बेलखाडू मैं पढ़ने वाले छात्र अनिकेत लोधी ने बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं में 92त्न अंक लाकर अपने माता-पिता व अपने गांव एवं स्कूल का नाम रोशन किया है अनिकेत लोधी ग्राम करारी के रहने वाले राकेश लोधी रोशनी लोधी के पुत्र हैं

नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में 100% महिला आरक्षण को चुनौती देने वाले

10 पुरुष याचिकाकर्ताओं को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत

भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने हाईकोर्ट ने दिए निर्देश, हाईकोर्ट ने राज्य सरकार सहित ईएसबी को नोटिस जारी कर माँगा जबाब

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर के जस्टिस विशाल घगट की एकलपीठ ने मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर के पदों पर होने वाली 800 से अधिक पदों पर भर्ती को चुनौती देने वाली याचिका में सुनवाई कर जबलपुर निवासी संतोष कुमार लोधी सहित 10 पुरुष याचिकाकर्ताओं को मेडिकल कॉलेजो में नर्सिंग ऑफिसर के विज्ञापित पदों पर आवेदन करने तथा भर्ती प्रक्रिया में शामिल करने के निर्देश दिए हैं , हालांकि इनके परिणाम याचिका में पारित अंतिम निर्णय के अधीन होंगे। एकलपीठ ने मामले में याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देते हुए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग सहित मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल को नोटिस जारी कर जबाब मांगा है , दरअसल पुरुष अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में

याचिका दायर कर हाल ही में जारी नर्सिंग ऑफिसर के भर्ती विज्ञापन को चुनौती दी है । याचिकाकर्ताओं की ओर अधिवक्ता विशाल बघेल ने कोर्ट को बताया कि कर्मचारी चयन मंडल के विज्ञापन (नर्सिंग ऑफिसर एवं सिस्टर ट्यूटर भर्ती परीक्षा-2026) में नर्सिंग ऑफिसर के पदों को 100त्न केवल महिला उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कर दिया गया है । इससे योग्य पुरुष अभ्यर्थी आवेदन करने से पूरी तरह वंचित हो गए हैं । हाईकोर्ट के समक्ष तर्क दिए गए कि , 'मध्य प्रदेश चिकित्सा शिक्षा (अराजपत्रित) सेवा भर्ती एवं पदोन्नति नियम, 2023' के तहत नर्सिंग ऑफिसर के पद के लिए कोई लिंग-आधारित प्रतिबंध नहीं है । मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर के भर्ती विज्ञापन में किया गया यह प्रावधान वैधानिक नियमों के विपरीत है याचिका में तर्क दिया गया है कि पुरुष और महिला दोनों एक ही पाठ्यक्रम (क्चस्स्. नर्सिंग/त्नहरू) पढ़ते हैं और उनके पास समान योग्यता व पंजीकरण होता है । केवल लिंग के आधार पर सार्वजनिक रोजगार से पूर्णतः बाहर करना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन है । याचिका में मांग की गई है कि विज्ञापन के उस हिस्से को निरस्त किया जाए जो 100त्न पदों को महिलाओं के लिए आरक्षित करता है । याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता विशाल बघेल ने पैरवी की ।

पहल

जहां दो माह पहले तक था अवैध कब्जा, वहां बन रहा है आकर्षक RRR केंद्र - निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार

गौरीघाट में अवैध कब्जे की जगह अब सज रहे हैं 'नेकी के केंद्र'

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार गौरीघाट क्षेत्र को व्यवस्थित और सुंदर बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। जिस स्थान पर दो महीने पहले तक अव्यवस्थित और अवैध कब्जे थे, वहां अब नगर निगम एक भव्य और आकर्षक आरआरआर (Reduce, Reuse, Recycle) केंद्र का निर्माण कर रहा है।

यह पहल न केवल स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर की रैंकिंग सुधारेगी, बल्कि नागरिकों के लिए 'सेवा और सुविधा' का संगम भी बनेगी।

खास होगा 3 आरआरआर केंद्र

इस केंद्र को केवल एक स्टोर की तरह नहीं, बल्कि एक 'सोशल बैंक' के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहाँ प्रमुख रूप से ?खिलौना बैंक सक्षम परिवारों द्वारा दिए गए पुराने खिलौने यहाँ जमा होंगे, जिन्हें जरूरतमंद बच्चों को वितरित किया जाएगा। बर्तन बैंक एकल उपयोग वाले प्लास्टिक को कम करने के लिए यहाँ से आयोजनों हेतु बर्तन उपलब्ध कराए जाएंगे। पुस्तक बैंक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्र यहाँ अपनी पुरानी किताबें दान कर सकेंगे और जरूरतमंद विद्यार्थी उन्हें ले सकेंगे। थैला बैंक नर्मदा तट को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए यहाँ कपड़े के थैले उपलब्ध होंगे। **श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधा:** व्यवस्थित पूजन सामग्री घाटों पर पूजन सामग्री की दुकानें अव्यवस्थित होने से जाम की स्थिति बनती थी। अब नए प्लान के तहत श्रद्धालुओं को एक ही छत के निचे गार्बेज फ्री और व्यवस्थित तरीके से पूजन सामग्री मिल सकेगी। स्थानीय विक्रेताओं को व्यवस्थित स्थान मिलने से उनकी आजीविका भी सुधरेगी और घाट की सुंदरता भी बनी रहेगी।

नर्मदा तट के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता

हमारा उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना नहीं, बल्कि उस स्थान का सदुपयोग कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुँचाना है। गौरीघाट का यह आरआरआर केंद्र पूरे शहर के लिए एक मॉडल बनेगा। यह बदलाव इस बात का प्रमाण है कि यदि प्रशासन और जनता मिलकर प्रयास करें, तो धार्मिक स्थलों को न केवल स्वच्छ रखा जा सकता है, बल्कि उन्हें सामाजिक सरोकार का केंद्र भी बनाया जा सकता है। अब गौरीघाट आने वाले भक्त एक स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित वातावरण का अनुभव कर सकेंगे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम हेतु संसद के विशेष सत्र में रवानगी पूर्व लोकसभा सांसद आशीष दुबे का हुआ अभिनन्दन

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर होने जा रहे संसद के विशेष सत्र में शामिल होने जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे बुधवार को नई दिल्ली रवाना हुए। सांसद श्री दुबे के संसद रवाना होने से होम साइंस कॉलेज रोड स्थित सांसद कार्यालय में बड़ी संख्या में महिलाओं द्वारा उपस्थित होकर सांसद श्री दुबे का तिलक लगाकर अभिनन्दन किया एवं शुभकामनाएं दी। साथ ही मातृ शक्ति ने उपस्थित होकर सांसद श्री दुबे के माध्यम से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को अपना संदेश भेजकर शुभकामनाएं दी। इस दौरान राज्यसभा सांसद श्री मति सुमित्रा बाल्मीकि,महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू,भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर,महिला मोर्चा अध्यक्ष श्री मति रूपा राव,अर्चना अग्रवाल उपस्थित थी।

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश में 700 राइस मिलों पर लटके ताले

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता। मप्र में सरकार द्वारा तय अपग्रेडेशन राशि, कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) और अन्य मदों की बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण राइस मिलों की आर्थिक हालत बिगड़ गई है। प्रदेश का राइस मिल उद्योग इन दिनों गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा है। प्रदेश की करीब 1200 राइस मिलों में से लगभग 700 मिलें बंद हो चुकी हैं। मिलर्स का आरोप है कि बकाया राशि का भुगतान न होने के बैंक ऋण, बिजली बिल, मजदूरी और अन्य खर्चों का भार उठाना मुश्किल हो गया है, जिससे बड़ी संख्या में मिलर्स डिफाल्टर हो रहे हैं। एक ओर सरकार सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित कर रही तो वहीं राइस मिले जैसे लघु उद्योग को अपग्रेडेशन राशि व कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की राशि ही नहीं दी गई है। इस नुकसान की भरपाई की मांग को लेकर मप्र चावल उद्योग महासंघ के पदाधिकारियों ने भोपाल में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से भेंटकर अपनी समस्या बताई तो उन्होंने आश्वासन दिया कि सुझावों एवं समस्याओं का परीक्षण कर निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

बकाया भुगतान न मिलने से आर्थिक संकट में फंसे मिलर्स

लिस्ट तैयार, करीब 20 जिलों के एसपी बदलेंगे

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता। मप्र में आईएएस अफसरों के बाद अब जल्द आईपीएस अफसरों के तबादले भी हो सकते हैं। आईपीएस पोस्टिंग में बड़े पैमाने पर फेरबदल हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, मध्य प्रदेश में आईपीएस अफसरों की तबादला सूची तैयार हो चुकी है। करीब 20 जिलों के एसपी बदले जा सकते हैं। छोटे जिलों के कुछ एसपी को बड़े जिलों की कमान सौंपी जा सकती है। अब 2020 बैच के आईपीएस अफसरों को जिलों की कमान मिल सकती है। अब तक 2019 बैच के आईपीएस अफसर जिलों में एसपी बनाए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि शाजापुर, शिवपुरी, डिंडौरी, मंडला के एसपी बदले जा सकते हैं। वहीं छतरपुर, बुरहानपुर, निवाड़ी और नीमच के पुलिस कप्तानों को भी बदलने की तैयारी है। सूत्रों के अनुसार, दमोह, सिवनी और आगर मालवा में भी एसपी बदले जा सकते हैं। ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर के एसपी भी बदले जा सकते हैं। कुछ जिलों के एसपी प्रमोशन के बाद डीआईजी बन चुके हैं। खंडवा के एसपी मनोज राय, एसपी रेल भोपाल राहुल लोढ़ा, एसपी रेल जबलपुर सिमाला प्रसाद, एसपी भिंड असित यादव और एसपी धार मयंक अवस्थी डीआईजी बन चुके हैं। लिहाजा उन्हें भी बदला जा सकता है।

बिना अधिकारी-कर्मचारी कैसे हो वनों और वन्य प्राणियों की रक्षा

हर महीने 4 बाघ और 10 तेंदुओं की मौत!

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता।

मप्र कुल वन और वृक्ष आवरण 85 हजार 724 वर्ग किलोमीटर और वनावरण 77.073 वर्ग किलोमीटर के साथ देश का अग्रणी राज्य है। यहां वनों को प्रकृति ने अकूत सम्पदा का वरदान देकर समृद्ध किया है। प्रदेश में 30.72 प्रतिशत वन क्षेत्र है जो देश के कुल वन क्षेत्र का 12.30 प्रतिशत है। यहां कुल वन क्षेत्र 94 हजार 689 वर्ग किलोमीटर (94 लाख 68 हजार 900 हेक्टेयर) है। प्रदेश में 24 अभयारण्य, 11 नेशनल पार्क और 8 टाईगर रिजर्व हैं। इनमें बाघ, तेंदुआ सहित कई प्रकार के वन्य प्राणी रहते हैं। इन पर तस्करों और माफिया की लगातार कुदृष्टि बनी रहती है।

लेकिन विडंबना यह है कि वन विभाग में अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी के कारण वनों और वन्य प्राणियों की रक्षा नहीं हो पा रही है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि प्रदेश में हर महीने औसतन 4 बाघ और 10 तेंदुओं की मौत हो रही है। टाइगर स्टेट मप्र में साल 2026 में 3 महीनों में 14 बाघों की मौत हो चुकी है। पिछले साल 55 की जान गई थी। इस स्थिति के पीछे की वजह यह है कि प्रदेश में वन अमले में भारी कमी है। 31 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। जंगलों में मैदानी अमला नहीं होने से जानवरों की सुरक्षा और देखभाल का संकट खड़ा हो गया है। वन विभाग की 31 मार्च को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुल 26,079 पदों में से 8,125 पद खाली हैं। 1 जनवरी 2026 की स्थिति में विभाग में करीब 18 हजार अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जो मौजूदा जंगलों और वन्य जीवों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हैं। विभाग में आईएफएस, एसएफएस से लेकर महावत, भृत्य और दफ्तरी स्तर तक के अधिकारी-कर्मचारियों की कमी बनी हुई है। कई क्षेत्रों में स्थिति ऐसी है कि स्वीकृत पदों के मुकाबले एक भी अधिकारी पदस्थ नहीं है। वन विभाग में राज्य वन सेवा के 359 पद स्वीकृत हैं और इसमें से 142 पद भरे हुए हैं। जबकि 215 पद अधिकारी नहीं होने से रिक्त हैं। इसी तरह भारतीय वन सेवा के अफसरों की बात करें तो पता चलता है कि कुल 296 आईएफएस अफसरों के पद एमपी कैडर में स्वीकृत हैं, इसके विपरीत 185 अधिकारी वन विभाग में इस कैडर के लिए स्वीकृत पदों के विरुद्ध काम कर रहे हैं।

ऐसा है भारतीय वन सेवा के पदों का सेटअप

भारतीय वन सेवा के पदों के सेटअप से पता चलता है कि वन बल प्रमुख का एक पद है, जो पीसीसीएफ स्तर के अधिकारी का होता है। इसके साथ ही प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) के 4 पद हैं, जो भरे हुए हैं। एपीसीसीएफ के 25 पद हैं, जिनमें से 8 ही भरे हैं। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) के 51 पदों के विरुद्ध 8 अधिकारी कार्यरत हैं। साथ ही वन संरक्षक के 40 पदों के विरुद्ध 18 और उप वन संरक्षक के 59 पदों के विरुद्ध 76 अधिकारी कार्यरत हैं। इस तरह कुल सीनियर पदों की संख्या 180 है, जिसके विपरीत 120 अधिकारी पदस्थ हैं। भारतीय वन सेवा के अफसरों के सेटअप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के लिए रिजर्व पदों की संख्या 36 है और 8 अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर हैं। राज्य प्रतिनियुक्ति के लिए 45 पद रिजर्व हैं, जिनमें से 23 पद भरे हैं। इसी तरह प्रशिक्षण के लिए रिजर्व 6 पदों में से सभी खाली हैं। परिवीक्षाधीन पदों के लिए 29 पद तय हैं, जिनमें 23 भरे हुए हैं। वहीं वन रक्षक के कुल स्वीकृत पद 14030 हैं और इसमें से 1351 पद रिक्त हैं। इसी तरह वन पाल के 4194 पदों में से 2598 पद खाली हैं। उप वन क्षेत्र पाल के 1258 पदों में से 930 पद रिक्त हैं। इसके अलावा वन क्षेत्रपाल के 1194 पदों में से 573 रिक्त हैं। इस तरह इस कैटेगरी के पदों में कुल 20676 पदों में से 5452 पद रिक्त हैं।

स्टेट टॉपर में उत्कृष्ट विद्यालय के तीन छात्रों ने पाया स्थान

10वीं-12वीं बोर्ड का परिणाम घोषित: हाईस्कूल में गिरावट

सतना, प्रात:किरण संवाददाता।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा शिक्षण सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम बुधवार को घोषित किए गए। जिले में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम जहां लगभग एक अंक गिरा वहीं हायर सेकेंडरी में मामूली बढत दर्ज हुई। कक्षा 10वीं में 63.88 प्रतिशत छात्र-छात्राएं सफल रहे, जबकि कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 73.21 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं स्टेट मैरिट में उत्कृष्ट विद्यालय व्यंकट क्रमांक एक के तीन छात्रों ने अपना स्थान बनाया। कक्षा दशवीं में छात्रा प्राची कुशवाहा ने सातवां स्थान प्राप्त किया। जबकि कक्षा बारहवीं में नमन सिंह तथा अमन गुप्ता ने संयुक्त रुप से नौवां स्थान अर्जित किया। दोनों छात्र मैथ विषय से पढ़ाई कर रहे हैं। अमन गुप्ता के पिता प्राइवेट नौकरी करते हैं। उन्होंने बेटे की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि कभी उम्मीद नहीं की थी, लेकिन बेटे ने आज जो उपलिब्ध प्राप्त की है उससे बेटे पर नाज है। वहीं अमन गुप्ता ने बातचीत के दौरान बताया कि वह सिविल सर्विसेज में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि वह स्कूल के साथ घर में पढ़ाई पर फोकस करते रहे। फिजिक्स के अलावा किसी विषय की कोई कोचिंग नहीं ली। केवल यू-ट्यूब और सेल्फ स्टडी से यहां तक पहुंचे। उन्होंने जब परिणाम देखा तब नजीता मालूम हुआ, लेकिन स्टेट में स्थान है यब बात मीडिया से पता चली।

डॉक्टर बनना चाहती हैं प्राची कुशवाहा

कक्षा दशवीं की स्टेट टॉपर (आठवीं रैंक) पाने वाली प्राची कुशवाहा आगे मेडिकल की पढ़ाई कर डॉक्टर बनना चाहती हैं। उनके पिता शिवदयाल कुशवाहा गुजरात में रहकर मजदूरी करते हैं। बेहद तंगी के बीच बेटी ने यह मुकाम अर्जित किया है। श्रेया का एक भाई है जो छोटा है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान स्कूल के प्राचार्य कमलेश सिंह, रामानुज पाठक सर ने काफी मदद की। उन्होंने सभी के प्रति आभार जताया है।

ये हैं 10वीं स्टेट टॉपर

1- अंजली तिवारी पिता जयप्रकाश तिवारी हाईस्कूल रजरवार ने 493 अंक के साथ सातवां स्थान प्राप्त किया। 2- पलक यादव पिता सुग्रीव यादव कन्या उमावि उचेहरा ने 493 अंक के साथ प्रदेश में सातवां स्थान बनाया। 3- प्राची कुशवाहा पिता शिवदयाल कुशवाहा उत्कृष्ट विद्यालय व्यंकट मांक एक ने 492 अंक के साथ प्रदेश में आठवां स्थान। 4- अन्नपूर्णा दुबे पिता प्रेम प्रकाश दुबे गार्जियन गाइड पब्लिक स्कूल सतना की छात्रा ने 491 अंक के साथ प्रदेश में नौवां स्थान बनाया। 5- अनामिका सिंह पिता प्रमोद सिंह उमावि गोलहटा की छात्रा ने 490 अंक अर्जित कर प्रदेश में दसवां स्थान बनाया।

कक्षा 12वीं के स्टेट टॉपर

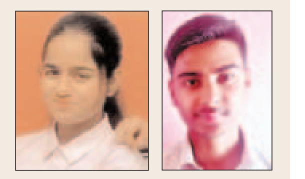

1- कुमारी डॉली पुरवार पिता नीरज पुरवार सत्य निकेतन उमावि नागौद ने 491 अंक (गणित समूह) के साथ प्रदेश में दूसरा स्थान 2- मानेन्द्र केवट पिता महेन्द्र केवट 490 अंक (गणित समूह) शासकीय बालक उमावि रामपुर बाघेलान सतना ने प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। 3- कुमारी राधिका अग्रवाल पिता धीरज अग्रवाल विन्ध्य पब्लिक स्कूल सतना ने 480(कला समूह) अंक के साथ प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। 4- सचिन अहिरवार पिता मोतीमन अहिरवार सांदीपनि नागौद ने ने 480(कला समूह) अंक के साथ प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। 5- कुमारी रेशू मिश्रा पिता रामप्रकाश मिश्रा 489 (गणित समूह) उमावि कृष्णनगर सतना ने प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया। 6- अमन कुमार गुप्ता पिता पुरूषोत्तमदास गुप्ता 484 (गणित समूह) शासकीय उत्कृष्ट व्यंकट मांक के छात्र ने प्रदेश में नौवां स्थान प्राप्त किया। 7- नमन सिंह पिता राजीव सिंह 483 (गणित समूह) शासकीय उत्कृष्ट व्यंकट मांक के छात्र ने प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त किया। 8- कुमारी सिमरन छावडिया पिता हीरा छावडिय़ा स्कॉलर होम की छात्रा ने 485 अंक (वाणिज्य संकाय) ने प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया है। 9- कुमारी नंदिनी गर्ग पिता रामविलाश गर्ग सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय चित्रकूट सतना ने 485 अंक (वाणिज्य संकाय) ने प्रदेश में छठवां स्थान प्राप्त किया है।

नई आबकारी नीति से 10-12 प्रतिशत ज्यादा कमाई की उम्मीद

शराब की बिक्री से मालामाल होगा मप्र

भोपाल, प्रात:किरण संवाददाता। मप्र में नए वित्तीय वर्ष के लागू होने के साथ ही नई आबकारी नीति लागू हो गई है। मप्र सरकार ने इस नई शराब नीति में कई अहम नियम बनाए हैं। इसके साथ ही साल 2025 में प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों के आस-पास लागू की गई शराबबंदी इस साल भी जारी रहेगी।

मोहन सरकार को वित्तीय वर्ष 2026-27 में शराब बिक्री से अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश में शराब बिक्री से होने वाले रेवेन्यू के मामले में आबकारी विभाग नंबर एक पर है। एमपी सरकार को बीते वित्तीय वर्ष भी आबकारी से कमाई कमाई हुई है। वो कहते हैं कि- शराब बिक्री से पिछले साल के मुकाबले आबकारी विभाग को इस साल 10 से 12 परसेंट ज्यादा फायदा होने की उम्मीद है। इस आबकारी वर्ष में पूरे प्रदेश में 3553 दुकानों का संचालन होगा साथ ही सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कोई भी नई शराब दुकान नहीं खोलने का फैसला लिया है। जिसके बाद इस वित्तीय वर्ष में मप्र एक भी नया शराब लाइसेंस जारी नहीं करेगा।

इसके साथ ही आखिर इस वर्ष की आबकारी नीति में क्या है नया और क्या प्रदेश में इस साल शराब के रेट बढ़ेंगे, सरकार ने तोड़ी मोनोपॉली अब छोटे और बड़े शराब व्यापारी एक समान, क्या बंद होगी व्यापारियों की मनमर्जी मध्यप्रदेश सरकार ने अपनी नई आबकारी नीति में शराब ठेकों को छोटे समूहों में बांट दिया है। जिसके बाद राजधानी भोपाल में शराब ठेके 4 समूहों की जगह अब 20 समूह में बांटे गए हैं। शराब ठेकों के छोटे ग्रुप बनने के बाद शराब व्यापारियों की मोनोपॉली खत्म हो गई है। जिससे व्यापारियों की मनमर्जी पर लगाम लगेगी।

छत्तीसगढ़

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

छत्तीसगढ़ में UCC ड्राफ्ट के लिए बनेगी समिति, महिलाओं को जमीन रजिस्ट्री में 50% छूट

रायपुर, प्रात:किरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में ठ्ठद्बद्घशह्म्द्व ष्टद्ब1द्बद्य ष्टशस्त्रद्ग (ष्टष्ट) लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसका प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला किया। समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी।

कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

1. मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में niform Civil Code लागू करने के संबंध में niform Civil Code का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया तथा समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया।

छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए Uniform Civil Code लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा।

इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर niform Civil Code का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके।

2. मंत्रिपरिषद ने महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है।

3. मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रूपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा। देश सेवा में समर्पित सैनिकों का जीवन प्रायः स्थानांतरण और अस्थायित्व से भरा होता है, जिसके बाद वे स्थायी निवास के लिए संपत्ति क्रय करते हैं, ऐसे में यह निर्णय उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करेगा।

नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, बर्खास्तगी पर लगी रोक

बिलासपुर, प्रात:किरण संवाददाता। बेमेतरा जिले के नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष सिद्धांत चौहान को हटाने के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक लगा दी है। कोर्ट ने उन्हें हटाने के आदेश के प्रभाव एवं प्रचलन (इम्प्लीमेंटेशन) पर भी फिलहाल स्थगन दिया है। न्यायालय ने सिद्धांत चौहान को पद पर बने रहते हुए कार्य करते रहने की अनुमति दी है। मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, सिद्धांत चौहान का चुनाव सीधे जनता के द्वारा नगर पंचायत नवागढ़ के अध्यक्ष के पद पर दिनांक 15.02.25 को हुआ, और पहली मीटिंग दिनांक 08.03.25 को हुई, जिसमें उपाध्यक्ष का चुनाव किया गया। 11.03.25 को सिद्धांत चौहान द्वारा प्रेसिडेंट इन काउंसिल का गठन किया गया, परंतु प्रेसिडेंट इन काउंसिल के सदस्यों द्वारा इस्तीफा प्रस्तुत किया गया, जिसे सिद्धांत चौहान द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। इसके पश्चात नगर पंचायत नवागढ़ के विभिन्न कार्यों का संपादन नियमानुसार सिद्धांत चौहान द्वारा किया गया। पार्षदों द्वारा असहयोग किए जाने पर निर्माण व आवश्यक कार्यों से संबंधित सभी प्रस्ताव सामान्य सभा में प्रस्तुत किए गए और कोरम पूर्ण न होने पर स्थगित adjourn मीटिंग में उन सभी प्रस्तावों को पास किया गया और कार्य किए गए।

शिक्षकों ने बीईओ के खिलाफ खोला मोर्चा

रिश्वत मांगने और अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए किया कार्यालय का घेराव

महासमुंद, प्रात:किरण संवाददाता।

जिले में सर्व शिक्षक संघ के बैनर तले शिक्षकों ने विकास खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) की कार्यप्रणाली पर गंभीर अनियमितता, भ्रष्टाचार, पक्षपातपूर्ण रवैया एवं तानाशाही के आरोप लगाते हुए बीईओ कार्यालय का घेराव कर जमकर नारेबाजी की।

शिक्षकों ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर घेराव किया। उनकी मांग है कि संतान पालन अवकाश में अवैध वसूली, स्टेशनरी विद्यालयों को नहीं वितरित करना और अभिलेखों में वितरण दर्शाना, कार्यालय व्यय में गड़बड़ी एवं फर्जी बिल के माध्यम से आहरण करना, नियम विरुद्ध यात्रा भत्ता निकालना, पक्षपातपूर्ण अवकाश स्वीकृति करना, जांच समिति की निष्क्रियता एवं शालाओं के युक्तियुक्तकरण में व्यापक लापरवाही बरतना शामिल है।

वहीं एक पीड़ित शिक्षिका ने संतान पालन अवकाश के लिए बीईओ पर प्रत्येक माह 5 हजार रुपये मांगने का गंभीर आरोप लगाया है। घेराव के बाद शिक्षक संघ ने बीईओ को तत्काल निलंबित करने की मांग को लेकर विधायक, डीईओ एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। जहां शिक्षक बीईओ का निलंबन नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दे रहे हैं। वहीं बीईओ ने सभी आरोपों को निराधार बताया है।

इस पूरे मामले में डीईओ ने शिकायत प्राप्त होने पर बिंदुवार जांच कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही है। गौरतलब है कि जब शिक्षा के मंदिर में ही इस तरह के भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो बच्चों को क्या सीख मिलेगी, यह सोचने वाली बात है।

हेराफेरी धान खरीदी में 2.54 करोड़ का घोटाला: ऑनलाइन और भौतिक स्टॉक में बड़ा अंतर

केंद्र प्रभारी के खिलाफ FIR दर्ज, जांच में हुए खुलासे

मुंगेली, प्रात:किरण संवाददाता।

जिले में धान खरीदी को लेकर बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। जिले के हथनीकला धान खरीदी केंद्र में पदस्थ प्रभारी विक्रम सिंह राजपूत पर करीब ?2.54 करोड़ के धान गबन का आरोप लगा है। मामले में सिटी कोतवाली थाना में स्नढ्ढक्र दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पर्यवेक्षक ने दर्ज कराई शिकायत

बता दें कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा मुंगेली में पदस्थ पर्यवेक्षक भरत लाल कौशिक ने इस पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने लिखित आवेदन में आरोप लगाया है कि आरोपी द्वारा कुल 8216.30 क्विंटल धान की हेराफेरी कर अमानत में खयानत की गई है, जिसकी कुल कीमत ?2,54,70,530 है।

कलेक्टर के निर्देश पर गठित हुई जांच टीम

भरत लाल कौशिक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर (सहकारिता शाखा) मुंगेली द्वारा 30 मार्च 2026 को संयुक्त जांच दल गठित किया गया था। इस जांच दल में नायब तहसीलदार चंदन दुबे, सहकारिता विस्तार अधिकारी मिथलेश साहू, खाद्य निरीक्षक भानूप्रिया नंदकर, जिला सहकारी बैंक सरगांव के पर्यवेक्षक सुनील यादव और मंडी निरीक्षक शुभम पैकरा शामिल थे। टीम ने 8 अप्रैल 2026 को अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की।

भौतिक सत्यापन में सामने आई गड़बड़ी

जांच रिपोर्ट में भौतिक सत्यापन के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई। ऑनलाइन रिकॉर्ड में 9798.70 क्विंटल धान दर्शाया गया था, जबकि मौके पर केवल 7534 क्विंटल (18835 बोरी) धान ही मिला। इसके अलावा 682.30 क्विंटल का वजन शॉर्टेज पाया गया। इस प्रकार कुल 8216.30 क्विंटल धान की कमी सामने आई, जिसकी कीमत प्रति क्विंटल ?3100 के हिसाब से ?2,54,70,530 आंकी गई है।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते। आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया। अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्न बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

विनोद कुमार सिंह

संसद का विशेष सत्र का ऐसे समय बुलाया गया है जब 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रही है विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। ह्ननारी शक्ति वंदनह्न का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है।यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है।परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं।उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और लखपति दीदी जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार,यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दर्शाती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है।एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष नारी शक्ति को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। ह्नअभी न जाओ छोड़ करह्न जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं,

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। ह्नअभी न जाओ छोड़ करह्न जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे। 8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है। आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। ह्नपिया तू अब तो आजाह्न, ह्नदम मारो दमह्न, ह्नचुरा लिया है तुमनेह्न, ह्नदिल चीज क्या हैह्न जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

माता पिता आपको अच्छा इंसान बनाते हैं

मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां झबाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां- बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता- पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है

संजय गोस्वामी

लेखक

हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती है। माता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। मां- बाप प्रतिफल बच्चों को सुख देने के लिए बेचैन रहते हैं इनके जीवन का 90 प्रतिशत संघर्ष तो मां झबाप ही पूरा कर देते हैं ऐसे लोग होते है जो पढ़ाई का खर्च खुद उठाते हैं आज के बच्चे इसकी कल्पना भी नहीं कर सकते इन्हें लगता है कि फीस मां-बाप को ही भरनी है पेरेंट्स बच्चों को अच्छे से पढ़ा देते हैं अच्छी सी नौकरी लगवा देते हैं बच्चों के जीवन में संघर्ष बचा ही नहीं कुछ संघर्ष संतानों के लिए भी छोड़ना चाहिए एहसास कराना चाहिए कि जो सुविधाएं इन्हें मिल रहे हैं ये इनका अधिकार नहीं बल्कि माता-पिता का उपकार है परिंदा भी अपने छोटे बच्चों को पेड़ से धक्का दे देता है इसके बाद वो बच्चा पेड़ से गिरता नहीं उड़ जाता है और तब उस बच्चे को पता चलता है कि अगर धक्का नहीं दिया होतो तो में आसमान में नहीं आया होता इसे प्रकार जिंदगी के दरिया में इन बच्चों को हाथ पैर चलाने देना होगा जब संघर्ष आता है तो लोग दुर्भाग्य मानने लगते हैं संघर्ष और दुर्भाग्य में फर्क है दुर्भाग्य परेशान करता है संघर्ष तराशता है पांच चीजें बच्चों को अवश्य सिखाएं परिश्रम ईमानदारी सहनशीलता सहयोग की वृत्ति और परिणाम के प्रति बेफिक्र होना इससे बच्चे परिपक्व होगें हम बहुत-सी चीजें करने के इच्छुक हैं– अच्छी आदतें डालने और बुरी आदतें छोड़ने, एकाग्रता के साथ पढ़ने और मन लगाकर कुछ करने का हम संकल्प लेते हैं। परन्तु बहुधा हमारा मन विद्रोह कर बैठता है और हमें इन संकल्पों को रूपायित करने के हमारे प्रयास से पीछे हटने को मजबूर कर देता है। हमारे सामने किताब खुली पड़ी है और हमारी आँखें खुली हैं; परन्तु मन कुछ पुरानी बातों को सोचता हुआ या भविष्य के लिए ख्याली पुलाव पकाता हुआ इधर-उधर घूमने लगता है। जब हम थोड़ी देर के लिए प्रार्थना, जप या ध्यान करने बैठते हैं, तब भी ऐसा ही होता है। स्वामी विवेकानन्द कहते हैं, ह्यह्यस्वतन्त्र ! हम एक क्षण तो स्वयं अपने मन पर शासन नहीं कर सकते ! यही नहीं, किसी विषय पर उसे स्थिर नहीं कर सकते और अन्य, सबसे हटाकर किसी एक बिन्दु पर उसे केन्द्रित नहीं कर सकते ! फिर भी हम अपने को स्वतन्त्र कहते हैं ! जरा इस पर गौर तो करो !ह्नह्नशिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का व्यक्तित्व विकास उनकी योजना का अनिवार्य अंग नहीं बन पाता है।चाहे आई.टी. का क्षेत्र हो अथवा मैनेजमेंट या मेडिकल का, सभी में सन्तोषजनक प्रगति हुई है, परन्तु युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण की समस्या जस की तस दिखाई दे रही है। भगवद्गीता का कहना है कि असंयमित मन एक शत्रु के समान और संयमित मन हमारे मित्र के समान आचरण करता है। शिक्षा शास्त्रियों के अनुसार शिक्षा को त्रिमुखी प्रक्रिया माना गया है। शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम तीन आधार इस प्रक्रिया में हैं। शिक्षक का पुनीत कार्य शिक्षार्थी को पढ़ाना है, पाठ्यक्रम इसका माध्यम है। स्पष्ट है कि शिक्षक के लिए साध्य शिक्षार्थी है न कि पाठ्यक्रम। पाठ्यक्रम तो शिक्षक के लिए साधन के रूप में उपयोग में लाया जाता है। समय परिवर्तन के साथ साधन, साध्य के रूप में परिवर्तित हो गया है। शिक्षक का केन्द्रीकरण पाठ्यक्रम तक सीमित रह गया है, शिक्षार्थी द्वितीय वरीयता क्रम में आ गया है। अस्तु ! शिक्षा का सर्वांगीण विकास अथवा शिक्षार्थी के व्यक्तित्व विकास की अवधारणा उलट गयी है। लक्ष्य परिवर्तित हो गये हैं, व्यक्तित्व के विकास का स्थान अंक-अर्जन ने प्राप्त कर लिया है, लक्ष्य उपाधि अथवा परिणाम हासिल करने तक सिमट गया है। समस्त शिक्षा-तन्त्र का भी एकमात्र उद्देश्य विद्यालय के उत्तम परीक्षाफल तक ही सीमित हो गया है। विद्यार्थी के विकास से उनका अब कोई लेना-देना नहीं है। पाठ्यक्रम केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था ने जो भी विकास किया है वह मात्र पाठ्यक्रम का। दिनोंदिन बस्ते का वजन बढ़ रहा है, विद्यार्थी के विकास की गति उसी के सापेक्ष घट रही है। विद्या प्रदाता को गुरु कहा जाता था, विद्या ग्रहण करने वाले को शिष्य। शनैः-शनैः गुरु-अध्यापक में परिवर्तित हुआ और शिष्य-विद्यार्थी में। वर्तमान में अध्यापक भी शिक्षक के रूप में तथा विद्यार्थी भी शिक्षार्थी के रूप में विद्यमान हैं। व्यक्तित्व निर्माण अथवा सद्गुण तथा सद्संस्कार का सम्बन्ध गुरु और शिष्य से है, शिक्षक और शिक्षार्थी से नहीं। संस्कार तथा जीवन निर्माण की बात तभी पूर्ण हो सकती है जब शिक्षक-गुरु के रूप में कार्य करें तथा शिक्षार्थी स्वयं को शिष्य के स्वरूप को परिलक्षित करें। दोनों में पारस्परिक यथायोग्य परम्पराओं एवं सम्बंधों का निर्वहन हो। शिक्षक और शिक्षार्थी के मध्य निरन्तर सम्पर्क, सम्बन्ध तथा संस्कारोचित व्यवहार हो। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है। बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है। ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है, विकास का तात्पर्य यहां सद्गुणों से है, नैतिक एवं जीवन मूल्यों से है, कुल मिलाकर संस्कारों से है। जिसमें माता पिता का वचन पालन करना आवश्यक है जो भगवान राम ने मर्यादा का पालन किया,वर्तमान शिक्षा व्यवस्था ने शिक्षा को केवल साक्षर बनाने तक परिसीमित कर दिया है,

हाउसवाइफ = घर की रानी

ललिता चावला

आज बैठे-बैठे अचानक ख्याल आया कि आज हाउसवाइफ के बारे में कुछ लिखा जाए। जबकि मैं खुद हाउसवाइफ नहीं हूँ, पर रहती तो मैं भी इसी समाज में हूँ ना। एक दिन मैं किसी फैमिली फंक्शन में गई हुई थी। वहाँ मैंने एक सज्जन को यह कहते हुए सुना कि मेरी वाइफ सिर्फ एक हाउसवाइफ है – उनका सिर्फ शब्द मुझे बहुत अजीब लगा, या यूँ कहें बिल्कुल बेईमानी लगा। वो सज्जन जो शादी में सूट-बूट पहनकर आए हुए थे, जिनकी वाइफ हाउसवाइफ थी, उन्होंने कितनी आसानी से यह कह दिया कि मेरी वाइफ सिर्फ एक हाउसवाइफ है। जबकि वही स्त्री अपना घर संभालती है, बच्चों को संभालती है, घर के बुजुर्गों का ध्यान रखती है। आपका दिन अच्छा जाए, आप समय से अपने ऑफिस/बिजनेस पर जा सकें, उसके लिए वह अपनी सुबह की नींद खराब करके उठती है, ताकि आपको समय पर चाय-नाश्ता मिल सके, बच्चे समय पर स्कूल जा सकें और बुजुर्ग समय पर दवाइयाँ ले सकें। उसके लिए सिर्फ शब्द का इस्तेमाल करना क्या सही होगा? बहुत-सी हाउसवाइफ ऐसी हैं जो अपने बच्चों को खुद पढ़ाती हैं ताकि ट्यूशन का खर्च बच सके। खाना खुद बनाती हैं ताकि आपको ताजा भोजन मिल सके और कुकिंग हेल्पर का खर्च बच सके। बाजार खर्च में एक-एक रुपये तक बचाती हैं ताकि बचत हो सके। ऐसे में तो वह आपका चलता-फिरता सेविंग अकाउंट ही बन जाती हैं। आपका घर सुचारु रूप से चल सके, उसके लिए खुद को पूरी तरह खपा देती हैं। ऐसे में उसके लिए सिर्फ शब्द इस्तेमाल करना सच में बेईमानी जैसा है। ह्नआजकल बहुत-सी हाउसवाइफ ऐसी हैं जो बहुत पढ़ी-लिखी होने के बावजूद भी हाउसवाइफ हैं। जिनमें से कुछ शायद अपनी मर्जी से नौकरी/व्यापार नहीं करना चाहतीं, लेकिन ज्यादातर हाउसवाइफ ऐसी हैं जिन्हें या तो समाज/परिवार ने नौकरी या व्यापार करने की इजाजत नहीं दी, या अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्होंने अपने करियर को प्राथमिकता नहीं दी। लेकिन उसके लिए भी मैं समाज और परिवार को ही जिम्मेदार ठहराऊँगी, क्योंकि कहीं न कहीं घर की औरत से ही यह अपेक्षा रखी जाती है कि वह अपने करियर से पहले अपने परिवार को प्राथमिकता दे। ऐसे बहुत-से कार्य हैं जो हाउसवाइफ दिनभर में करती हैं, लेकिन उनका नाम कहीं नहीं आता, क्योंकि उसे औरत, बीवी या बहू की जिम्मेदारी कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। आखिर में मैं बस इतना कहना चाहूँगी कि अगर कोई आपसे पूछे कि आपकी वाइफ क्या करती है, तो आपके मुँह से यह कभी न निकले कि वह सिर्फ एक हाउसवाइफ है। हो सके तो यह कहें कि वह यानी घर की रानी है। हाउसवाइफ की सैलरी सिर्फ प्रेम, सम्मान और अपनापन ही होती है।

मार्कशीट सिर्फ कागज है, तुम्हारी काबिलियत का पैमाना नहीं...!

मंजिलें उन्हीं को मिलती हैं, जिनके सपनों में जान होती है पंखों से कुछ नहीं होता हौसलों से उड़ान होती है...

एमपी बोर्ड के 10वीं और 12वीं व सीबीएसई दसवीं के नतीजे घोषित हो चुके हैं। जहां एक ओर सफल छात्र अपनी कामयाबी का जश्न मना रहे हैं, वहीं कुछ ऐसे भी हैं जिनके चेहरों पर मायूसी है। लेकिन याद रखिए, ये नतीजे आपकी जिंदगी का 'फुल स्टॉप' नहीं, बल्कि एक छोटा सा 'कोमा' हैं। इस साल के परिणाम हमें एक दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। 12वीं में 76% छात्रों की सफलता ने 16 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है, जो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में आए सकारात्मक सुधार का प्रतीक है। विशेष रूप से सरकारी स्कूलों का निजी स्कूलों से बेहतर प्रदर्शन करना यह साबित करता है कि मेहनत और लगन के लिए महंगे संसाधनों की जरूरत नहीं होती। हालांकि, बड़े शहरों का पिछड़ना और ग्रामीण क्षेत्रों या छोटे जिलों जैसे 'सीधी' का अव्वल आना हमें यह सिखाता है कि एकाग्रता ही सफलता की असली कुंजी है।

मायूस न हों, आप बाजीगर हैं...

जो छात्र इस बार सफल नहीं हो पाए, उनके लिए बस इतना ही कहना है कि एक मार्कशीट आपकी काबिलियत का पैमाना नहीं हो सकती। असफलता का अर्थ हारना नहीं, बल्कि यह सीखना है कि जीत की तैयारी में कहां कमी रह गई।

' गिरते हैं शहसवार ही मैदान-ए-जंग में,
वो तिफ़्ल क्या गिरे जो घुटनों के बल चले।'

आप 'शहसवार' हैं क्योंकि आपने परीक्षा के मैदान में उतरने की हिम्मत दिखाई। अब आपके पास 'द्वितीय अवसर परीक्षा' 7 मई का विकल्प मौजूद है। इसे एक नई शुरुआत की तरह देखें।

आगे की राह...

आत्म-विश्लेषणः अपनी गलतियों को पहचानें, उनसे डरें नहीं।
समय का सही उपयोगः हेल्पलाइन नंबर **18002330175** की मदद लें और विशेषज्ञों से बात करें।
सकारात्मक सोचः याद रखें, सचिन तेंदुलकर से लेकर थॉमस एडिसन तक, दुनिया के सबसे सफल लोग कभी न कभी असफल हुए थे। यह समय ठहरने का नहीं, बल्कि फिर से तैयारी में जुटने का है। खुद पर यकीन रखिए, क्योंकि आपकी कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, **असली उड़ान तो अभी बाकी है!**

धूमधाम से मनाया केरल का पारंपरिक नववर्ष विषु

भोपाल। राजधानी में केरल का पारंपरिक नववर्ष विषु धूमधाम से मनाया गया। श्रीमद् लॉर्ड कृष्ण मंदिर खजूरी कलां और अय्यप्पा मंदिर भेल में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर अय्यप्पा मंदिर में विशेष अष्टाभिषेक का आयोजन किया गया। भगवान अय्यप्पा को नारियल पानी, भस्म, शहद, गंगाजल और दही से स्नान कराया गया। दोनों मंदिरों को फूलों से सजाया गया और विशुक्कणी की विशेष व्यवस्था की गई। मंदिर कमेटी के सदस्य निदिश नायर ने बताया कि विषु केरल का प्राचीन त्योहार है। मलयालम कैलेंडर के अनुसार मेष संक्रांति के दिन यह त्योहार मनाया जाता है। इस दिन सूर्य 'मेडम' राशि में प्रवेश करता है, जो नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। मंदिरों में पंडितों द्वारा भक्तों को आशीर्वाद स्वरूप कईनीटम (सिक्का) वितरित किया गया।।

एमपी बोर्ड कक्षा 10-12वीं का रिजल्ट घोषित, 76% स्टूडेंट्स पास

भोपाल की खुशी और चांदनी टॉपर
16 साल में सबसे बेहतर परिणाम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास संवाद भवन में माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं एवं 12वीं परीक्षा-2026 के परिणाम घोषित किए।

भोपाल की खुशी राय, टॉपर 12वीं

भोपाल की चांदनी, टॉपर 12वीं

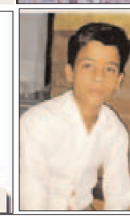

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता

एमबी बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित कर दिया गया है। इस बार का रिजल्ट पिछले 16 सालों में सबसे बेहतर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार (15 अप्रैल) को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान परीक्षा परिणाम जारी किया।

छात्राओं ने मारी बाजी

छात्राओं ने एक बार फिर बेहतर प्रदर्शन कर बाजी मारी है। भोपाल की खुशी राय और चांदनी विश्वकर्मा ने मेरिट में पहला स्थान हासिल किया है। दोनों ने 500 में से 494 अंक हासिल किए हैं। खुशी शिवाजी नगर स्थित सुभाष एक्सीलेंस स्कूल और चांदनी गुरुदेव शिक्षा केन्द्र नीलबड़, भोपाल की छात्रा हैं। नई शिक्षा नीति के तहत अब 7 मई 2026 से द्वितीय अवसर परीक्षा आयोजित की जाएगी, और विद्यार्थियों के लिए हेल्पलाइन नंबर 18002330175 भी जारी किया गया 10 फरवरी से 7 मार्च तक हुई थी परीक्षा
एमपी बोर्ड की हायर सेकेंडरी परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च 2026 के बीच आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में कुल 6,89,746 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें 6,13,634 नियमित और 76,112 स्वाध्यायी परीक्षार्थी थे।सरकारी स्कूलों ने किया बेहतर प्रदर्शन
सरकारी स्कूलों का रिजल्ट 80.43% रहा।

सीबीएसई 10वीं सेशन-1 का रिजल्ट जारी

10 वीं सेशन-1 का रिजल्ट सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने जारी कर दिया है। कैंडिडेट्स ऑफिशियल वेबसाइट और उमंग ऐप पर रिजल्ट चेक कर सकते हैं। कक्षा 10 की परीक्षा के परिणामों में डीपीएस भोपाल की सान्वी झा ने भोपाल क्षेत्र से 99.8% अंक प्राप्त किए। भोपाल के सेज इंटरनेशनल स्कूल कोलार के छात्र आस्तिक पाठक ने सीबीएसई 10वीं में 99.8% अंक प्राप्त किए। वहीं सागर पब्लिक स्कूल की प्रांशी तिवारी ने 98.2% अंक प्राप्त किए। नम्रता सक्सेना-98%, श्याम खंडेलवाल-97%, प्रखर दुबे- 97%, पुरंजय पराशर-96.8% और इनाक्षी गुप्ता को 96% अंक मिले हैं। भोपाल रीजन में इस साल 10वीं की परीक्षा के लिए 1 लाख 15 हजार 889 स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

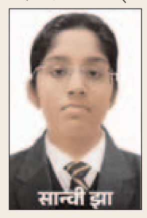

सान्वी झा

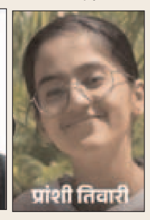

प्रांशी तिवारी

निखिल सोनी का कमाल,बिना कोचिंग के हासिल किए 95.2%

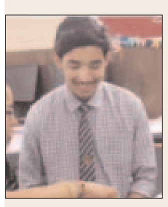

इटारसी के निखिल सोनी, पिता राकेश सोनी ने कक्षा 12वीं कॉमर्स संकाय में 500 में से 476 अंक हासिल कर 95.2% अंक प्राप्त किए। वह गुरु नानक पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल इटारसी के छात्र हैं।

परिवार में खुशी का माहौलः निखिल के पिता राकेश सोनी अकाउंटेंट हैं और माता लक्ष्मी सोनी गृहिणी हैं। उनकी बड़ी बहन सलोनी सोनी कॉलेज में पढ़ाई कर रही हैं। इस उपलब्धि से परिवार में खुशी है।

फाइनेंस सेक्टर में काम की इच्छाः निखिल भविष्य में फाइनेंस सेक्टर में अपना काम करना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने रोजाना 2 से 3 घंटे पढ़ाई की और नियमित तैयारी की। निखिल ने बिना किसी कोचिंग के यह सफलता हासिल की। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल, शिक्षकों और माता-पिता को दिया।

बालाघाट की अदिति ने 12वीं में हासिल किया 10वां स्थान

बालाघाट शहर के उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा अदिति, पिता हितेन्द्र तिवारी ने 482 अंक हासिल कर जीव विज्ञान समूह में प्रदेश में 10वां स्थान प्राप्त किया।

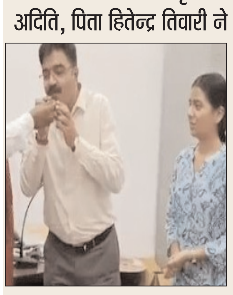

माता-पिता हैं शिक्षकः अदिति के पिता और मां रीता तिवारी दोनों प्राथमिक शिक्षक हैं। परिवार में उनकी इस सफलता से खुशी का माहौल है।

आगे की तैयारी पर फोकसः अदिति का कहना है कि उन्होंने अभी तय नहीं किया है कि वह आगे क्या बनना चाहती हैं, लेकिन वह गणित के क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना चाहती हैं।

परिवार और गुरुओं को दिया श्रेयः अदिति ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, भाई और गुरूजनों को दिया।

रीवा-सीधी पड़ोसी जिले, परीक्षा के नतीजों में दिखा फर्क

एमपी बोर्ड 12वीं के रिजल्ट में इस बार चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। रीवा और सीधी जैसे पड़ोसी जिलों के प्रदर्शन में बड़ा अंतर देखने को मिला। जहां सीधी टॉप-5 जिलों में शामिल है, वहीं रीवा बॉटम-5 में पहुंच गया है।

बड़े शहरों का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं

जबलपुर 33वें, इंदौर 43वें और भोपाल 45वें स्थान पर रहा। यह स्थिति इसलिए भी निराशाजनक है क्योंकि इन जिलों में स्कूल शिक्षा विभाग के हाईटेक और संसाधनयुक्त संस्थान, जैसे संदिपनी स्कूल, मौजूद हैं। बेहतर सुविधाओं और संसाधनों के बावजूद इन जिलों का रिजल्ट लगातार नीचे बना हुआ है, जो शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। बड़े शहरों (भोपाल, इंदौर, जबलपुर) का खराब प्रदर्शन चिंता का विषय है। 'संदिपनी' जैसे हाईटेक स्कूलों की मौजूदगी के बावजूद इन जिलों का बॉटम लिस्ट में होना शैक्षणिक प्रबंधन पर सवाल उठाता है।

नया क्या है?

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छात्रों को उनके प्रदर्शन में सुधार करने के लिए 'दूसरा मौका' या 'पुनः परीक्षा' का प्रावधान किया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत अब अनुत्तीर्ण छात्रों को लंबा इंतजार नहीं करना होगा। 7 मई से 'द्वितीय अवसर परीक्षा' शुरू हो रही है, जिससे छात्रों का साल बर्बाद होने से बचेगा।

विद्यार्थियों के लिए जरूरी तथ्य...

कुल परीक्षार्थी	6,89,746
हेल्पलाइन नंबर	18002330175
द्वितीय अवसर परीक्षा	7 मई 2026 से शुरू
सरकारी स्कूल परिणाम	80.43%
प्राइवेट स्कूल परिणाम	69.67%

गैर कानूनी शराब दुकान पर कार्रवाई की जगह मंदिर को ही अवैध बताना निरंकुश अफसरशाहीः त्रिपाठी

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

राजधानी भोपाल के अरेरा कॉलोनी में स्थित आर्य समाज मंदिर के पास चल रही अवैध शराब दुकान को लेकर अरेरा कॉलोनी के रहवासियों ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष पुनः याचिका दाखिल की है। रहवासियों का आरोप है कि जिला प्रशासन और आबकारी विभाग अवैध शराब दुकानों के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे हैं और शराब माफियाओं के दबाव में काम कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा, 'भोपाल प्रशासन अब शराब माफियाओं के इशारों पर काम कर रहा है। कलेक्टर और आबकारी विभाग की चुप्पी यह दर्शाती है कि वे जानबूझकर अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।' त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सरकार राजस्व के लालच में हिंदू धर्मस्थलों और आम जनता की भावनाओं को नजरअंदाज कर रही है। रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अविलंब शराब दुकान को बंद किया जाए, तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

मासूम बच्ची का अपहरण

भोपाल। बजरिया इलाके में महिला के लिव इन पार्टनर ने उसकी छह साल की बेटी का अपहरण कर लिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी युवक के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले की जांच की तो पता चला कि वह बच्ची को अगवा कर अपने साथ यूपी के सीतापुर लेकर जा रहा है। पुलिस टीम ने उसे यूपी जीआरपी की मदद से उरई रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से पकड़ लिया और बच्ची को दस्तयाब कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित महिला द्वारका नगर में रहती है। उसकी छह साल की बच्ची है, जबकि उसके पति की मौत हो चुकी है।

डॉक्टर को लूटने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

भोपाल में हाल ही में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 17 लाख रुपये कीमत का सोने का कड़ा भी बरामद किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 10 अप्रैल को फरियादी डॉक्टर मनोज वर्मा अपनी साइकिल से जा रहे थे, तभी आरोपियों ने टक्कर मारकर उन्हें गिरा दिया। इसके बाद उनकी आंखों में मिर्च पाउडर डालकर सोने का कड़ा, घड़ी और नकदी लूटकर फरार हो गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कई टीमों का गठन किया और लगभग 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई। जांच में सामने आया कि वारदात की साजिश पहले से रची गई थी और पीड़ित की गतिविधियों की रेकी भी की गई थी। मुख्य आरोपी पीड़ित को पहले से जानता था और इसी का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

40 इलाकों में आज बिजली कटौती

भोपाल। राजधानी के करीब 40 इलाकों में आज 4 से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। बिजली कंपनी के मेंटेनेंस कार्य के चलते सप्लाई पर असर पड़ेगा।

इन इलाकों में पड़ेगा असरः सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक सिद्धि सैफरॉन सिटी, सनखेड़ी राजहर्ष ए सेक्टर, बांसखेड़ी, सिटी विस्तार कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्र। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक हर्षवर्धन नगर, पंचशील नगर, मद्रासी बस्ती, राहुल नगर, मिसरोद फेस-1, सेक्टर- डी और ई, सलैया, विवेकानंद नगर, सोनिया विहार, न्यू फोर्ट एक्सटेंशन, अवंतिका फेस-3, सुरेंद्र मणिक एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक ग्रीन वैली, कोलुआ, सागर लैंड मार्क, राधा-कृष्णपुरम, खेजड़ा बरामद, भानपुर, सेज गोल्डन स्प्रिंग, वर्धमान ग्रीन एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक मीनाल, गीत गणेश, आदित्य परिसर, दुर्गेश विहार, नैनागिरी, छत्रसाल, नरेला शंकरी, श्रवणकांत कॉलोनी, राज सम्राट कॉलोनी, अब्बास नगर एवं आसपास।

समीक्षा बैठक

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

700 करोड़ की लागत से बनेगा फ्लाईओवर

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में रीवा जिले में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत प्रस्तावित सड़क एवं आधारभूत संरचना विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र अंतिम रूप देकर टेंडर प्रक्रिया प्रारंभ की जाए, ताकि विकास कार्य समयबद्ध रूप से शुरू हो सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने रीवा में कमिश्नर बंगला से ढेकहा तिराहे तक 700 करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित फ्लाइओवर निर्माण कार्य पर विशेष चर्चा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह फ्लाइओवर वर्तमान यातायात दबाव को कम करने के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक एवं दूरदर्शी ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली विकसित करेगा। इसके निर्माण से शहर में सुगम एवं व्यवस्थित आवागमन सुनिश्चित होगा तथा यातायात बाधाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी।

बिछिया नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य की भी समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने लक्ष्मण बाग से कुठुलिया मार्ग में बिछिया नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण कार्य की भी समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि कुठुलिया मार्ग का विकास लक्ष्मण बाग सहित संस्कृत विश्वविद्यालय तक सहज एवं सुगम पहुंच का मार्ग प्रशस्त करेगा। इससे विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्थानीय नागरिकों को आवागमन में विशेष सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने रिवर फ्रंट के सौंदर्यीकरण कार्य को भी परियोजना में शामिल करने के निर्देश दिए।

एक नजर इधर भी...

भोपाल, प्रातः किरण। मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव की उपस्थिति में नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम - प्रबुद्ध जन सम्मेलन रविंद्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

भोपाल, प्रातः किरण। मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान किया। जिन समस्याओं का तत्काल समाधान संभव नहीं था, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा गया।

भोपाल, प्रातः किरण। भोपाल के बिट्ठन मार्केट हाट बाजार व्यापारी संघ जय माँ वैष्णो दुर्गा उत्सव श्री राम रसोई समिति ने सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के 11 वर-वधुओं के विवाह संपन्न हुए। समारोह में सैंकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे और सभी अतिथियों ने आयोजन की सराहना की।

भोपाल. प्रातः किरण। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लोकसभा में पारित कराने के समर्थन में भोपाल की महिलाओं ने सांसद आलोक शर्मा को तिलक लगाकर, फूल-मालाओं से स्वागत कर एवं उत्सवपूर्ण माहौल में भावभीनी विदाई दी।

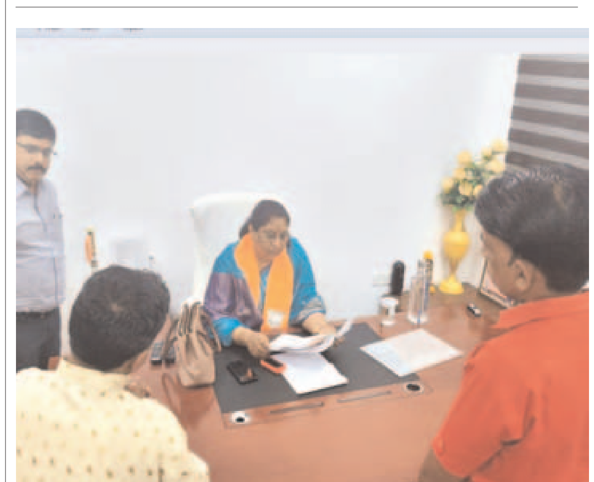

भोपाल, प्रातः किरण। मध्यप्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजनों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान किया।

भोपाल, प्रातः किरण। कोरल लाइफ कॉलोनी में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई, जिसमें भारी संख्या में रहवासी, विशेष रूप से महिलाएं, शामिल हुईं। इस कार्यक्रम का आयोजन समिति अध्यक्ष गोविंद अतुल विश्वकर्मा, विनोद महेरिया, संजय रैकवार, दिवाकर गुप्ता, अमृतलाल नागर, हरीश यादव, उदय शर्मा, डॉक्टर चौरसिया, शंकर साहू, नंदकिशोर मालवीय, सत्यराम गौतम, सी बी निरंकार एवं अन्य द्वारा किया गया।

देश दुनिया की ताजा खबरे पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
www.pratahkiranlive.com @ pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

थाने-थानेदार की रेटिंग अब जनता करेगी, हर थाने में लगा क्यूआर कोड

फरीदाबाद, एजेंसी। अब थाने और थानेदार की रेटिंग क्यूआर कोड से तय होगी। इसके

लिए सभी थाने और चौकियों में क्यूआर कोड लगाए गए है, जिनको स्कैन करके थाने में आने वाले शिकायतकर्ता को फीडबैक देना होगा। इसी के आधार पर तय होगा कि किस थाने में जनता के साथ अच्छा व्यवहार किया जा रहा है, वहीं जिन थानों में लगे स्कैन पर पब्लिक के फीडबैक सही नहीं आएंगे तो उनके खिलाफ खुद पुलिस आयुक्त की ओर से कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी सभी जिलों के पुलिस आयुक्त को आदेश दिए थे कि वह थाने और चौकी में शिकायतकर्ता के साथ अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करे। इसके साथ ही थाने में आने वाले व्यक्ति के बैठने और उसके पेयजल की व्यवस्था भी हो। जिले में कुल 29 थाने और 30 चौकी है। थानों में प्रतिदिन आठ से दस लोग शिकायत लेकर पहुंचते हैं। ऐसे में कई बार पुलिस पर कई बार शिकायतकर्ता द्वारा यह भी शिकायत की जाती है कि उनकी सुनवाई नहीं की गई या उनके साथ गलत व्यवहार किया गया। क्यूआर कोड पर आने वाली शिकायतों या किसी भी तरह के फीडबैक का प्रतिदिन रिव्यू किया जाएगा। फीडबैक के अनुसार थाने और चौकी में अगर किसी तरह की कमी होती है तो उसमें सुधार किया जाएगा। इसके साथ शिकायतकर्ता के साथ गलत व्यवहार करने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अभी तक शिकायतकर्ता के पास फीडबैक देने को लेकर कोई सही मंच नहीं था। यह पूरी प्रक्रिया पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए है। थाने में आने वाले शिकायतकर्ता को ऐसा महसूस नहीं होना चाहिए कि उसकी अगर यहां पर सुनवाई सही तरीके से नहीं हुई तो वह अपनी आवाज दूसरी जगह नहीं उठा सकता है।

अब मृत वन्यजीव को जलाने की जगह किया जाएगा संरक्षित

गुरुग्राम, एजेंसी। साइबर सिटी में प्रदेश का पहला टैक्सिडर्मी सेंटर होगा। इसके लिए जिला अदालत के नजदीक वन विभाग कार्यालय के पीछे बिल्डिंग तैयार हो चुकी है। अगले महीने से सेंटर चालू करने का प्रयास है। सेंटर चालू होने के बाद मृत वन्यजीवों को जलाया नहीं जाएगा बल्कि खाल सहित उसके सभी अंग सुरक्षित रखे जाएंगे। सेंटर में जिस वन्यजीव का खाल होगा उसके अनुरूप ढांचा तैयार किया गया। ढांचा तैयार होने के बाद उसमें खाल लगा दिया जाएगा, जिससे कि वह जीवित वन्यजीव की तरह दिखाई दे। ढांचों को वन्यजीव जागरूकता केंद्रों में लगाया जाएगा ताकि लोग वन्यजीवों की सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें। प्रदेश के वन्य क्षेत्रों में काफी संख्या में वन्यजीव हैं। उदाहरणस्वरूप अरावली पहाड़ी क्षेत्र में ही तेंदुआ, हिरण, गिदड़ सहित कई प्रकार के काफी संख्या में वन्यजीव हैं। वर्तमान में यदि किसी भी वन्यजीव की यदि मृत्यु प्राकृतिक तौर पर या हादसों में होती है तो पोस्टमार्टम करने के बाद उसे जला दिया जाता है क्योंकि टैक्सिडर्मी सेंटर की सुविधा नहीं है। अगले महीने से ऐसा नहीं होगा। प्रदेश में कहीं भी वन्यजीव की मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम के बाद उसे साइबर सिटी के टैक्सिडर्मी सेंटर में लाया जाएगा। सेंटर में फ्रीजर की सुविधा होगी। फ्रीजर में कई दिनों तक बाडी रखी जा सकेगी। बता दें कि टैक्सिडर्मी सेंटर में जानवरों की खाल उतारकर पहले उसे कीटाणुरहित किया जाता है। फिर कृत्रिम शरीर पर लगाकर स्टफ किया जाता है। अरावली पहाड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित जंगल सफारी पार्क में जागरूकता केंद्र भी बनाया जाएगा। उसमें प्रदेश के वन क्षेत्रों में रहने वाले वन्यजीवों के बारे में जानकारी दी जाएगी। टैक्सिडर्मी सेंटर में बनाए जाने वाले ढांचों को जागरूकता केंद्र में लगाया जाएगा।

श्रमिकों को मिलेगी कम से कम 20 हजार मजदूरी? योगी सरकार ने साफ की स्थिति

गिनाईं मजबूरियां, भ्रामक खबरों का खंडन और मजदूरी की सच्चाई

नोएडा, एजेंसी। नोएडा में श्रमिकों के उग्र आंदोलन और सोशल मीडिया पर वायरल हो रही '20 हजार रुपये न्यूनतम वेतन' की खबरों के बीच उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। सरकार ने 20,000 न्यूनतम मजदूरी की खबरों को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। साथ ही, सरकार ने वर्तमान मजदूरी की दरें जारी करते हुए यह भी बताया कि आखिर किन तकनीकी और कानूनी कारणों से अभी राष्ट्रीय स्तर का 'फ्लोर वेज' लागू नहीं हो सका है।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानबूझकर यह झूठ फैलाया जा रहा है कि सरकार ने श्रमिकों का न्यूनतम वेतन 20,000 प्रति माह तय कर दिया है। सरकार ने साफ किया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में अकुशल श्रमिकों के लिए मासिक वेतन 11,313.65, अर्धकुशल के लिए 12,446 और कुशल श्रमिकों के लिए 13,940.37 अधिसूचित है। सरकार ने इसे गुमराह करने वाली साजिश करार दिया है।

सरकार ने स्पष्ट किया कि न्यूनतम वेतन के निर्धारण में कई कानूनी प्रक्रियाएं बाधा बनी हुई हैं। केंद्र सरकार वर्तमान में नई श्रम संहिताओं के तहत राष्ट्रीय स्तर पर 'फ्लोर वेज' (न्यूनतम आधार रेखा) निर्धारित करने की प्रक्रिया में है। जब तक केंद्र सरकार इसे अंतिम रूप नहीं दे देती, तब तक राज्य अपने स्तर पर व्यापक

बदलाव नहीं कर पा रहे हैं।

बताया कि राज्य सरकार अभी नियोक्ता संगठनों और श्रमिक यूनियनों के साथ विचार-विमर्श के दौर में है। सभी पक्षों के सुझावों का परीक्षण किया जा रहा है ताकि औद्योगिक विकास और श्रमिकों के हितों में संतुलन बना रहे।

सरकार ने बताया कि वेज बोर्ड की सिफारिशों के आधार पर ही भविष्य में न्यूनतम वेतन की स्थायी दरें तय की जाएंगी, जिसकी प्रक्रिया अगले माह से शुरू होने की संभावना है। सरकार ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में उद्योग जगत वैश्विक और आर्थिक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। उद्योगों के लिए कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हुई है और निर्यात में कमी आयी है। इसके साथ ही श्रमिकों द्वारा उठाई गई समस्याएं एवं उनकी मांगें भी प्रासंगिक, महत्वपूर्ण एवं विचारणीय हैं। ऐसी परिस्थिति में दोनों उद्योग और श्रमिक के बीच सामंजस्यपूर्ण एवं संतुलित दृष्टिकोण अपनाते हुए निर्णय लिया जाना जरूरी है।

हालांकि, नोएडा और गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में सोमवार को हुए बवाल को देखते हुए सरकार ने एक 'बीच का रास्ता' निकाला है। हाई पावर कमेटी की सिफारिश पर अंतरिम वृद्धि का आदेश जारी किया गया है। इसके तहत नोएडा और गाजियाबाद के अकुशल श्रमिकों का वेतन बढ़ाकर ?13,690 कर दिया गया है। यह वृद्धि तब तक प्रभावी रहेगी जब तक कि नया वेज बोर्ड अपनी अंतिम रिपोर्ट नहीं दे देता।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़े शब्दों में कहा है कि आंदोलन की आड़ में तोड़फोड़ और आगजनी करने वाले 'बाहरी और अराजक तत्वों' को चिन्हित किया जा रहा है। उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही, उन्होंने नियोक्ताओं को भी चेतावनी दी कि वे ओवरटाइम भुगतान और महिला सुरक्षा जैसे नियमों में कोताही न बरतें।

फरीदाबाद नागरिक अस्पताल में व्यवस्था गड़बड़

बीपीएल मरीजों को नहीं मिल रहा सीटी स्कैन-एमआरआई

फरीदाबाद, एजेंसी। जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में पब्लिक प्राइवेट इस मामले में गड़बड़ीकी शिकायत के चलते ही अब स्वास्थ्य महानिदेशक डा. मनीष

पार्टनरशिप नीति (पीपीपी) के तहत चल रहे सेंटर में ओपीडी में आने वाले बीपीएल कार्डधारक मरीजों को सीटी स्कैन व एमआरआइ की सुविधा नहीं मिल पा रही है। ऐसे में पात्र होने के बाद भी आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को निराश ही लौटना पड़ रहा है। या फिर निजी संस्थानों में टेस्ट कराने को मजबूर हैं। जबकि प्रदेश सरकार की ओरसे नागरिक अस्पताल में लगभग 10 वर्ष पहले पीपीपी के तहत सेंटर शुरू किया गया था,ताकि नागरिक अस्पताल में कम शुल्क पर आम मरीजों को यह सुविधा मिल सके और बीपीएल को निश्शुल्क मिले। हैरानी की बात है कि इस सुविधा का लाभ लेने को कई बिचौलिये भी सक्रिय हो गए और उन लोगों का टेस्ट कराने लगे, जो हकदार भी नहीं हैं। पहले अस्पताल प्रबंधन के सत्यापन के बाद ही बीपीएल कार्डधारक का टेस्ट हो पाता था। सत्यापन अब भी होगा, मगर डे केयर फाइल बनाई जाएगी। बंसल के आदेश पर ओपीडी के डाक्टर की सलाह पर बीपीएल कार्डधारक के टेस्ट नहीं हो रहे हैं। डीजी के आदेश अनुसार मरीज की डे केयर फाइल बनाई जानी अनिवार्य की गई है।

डॉक्टर सभी मरीजों की फाइल नहीं बना रहे हैं। बहुत से डॉक्टरों को डीजी के आदेश के बारे में पूरी जानकारी ही नहीं है। ऐसे में कई बीपीएल कार्डधारकों को टेस्ट की सुविधा नहीं मिल पा रही है और वी निराश लौट रहे हैं। डीजी के आदेश से पहले ओपीडी पंजीकरण कार्ड पर ही सीटी स्कैन व एमआरआइ कर दिया जाता था। गौंछी गांव निवासी मनीषा बीपीएल कार्डधारक हैं। उनकी बेटी नेहा के पेट में दर्द है। उल्टी भी हो रही है। नागरिक अस्पताल में आने पर डाक्टर ने पेट का सीटी स्कैन करवाले की सलाह दी तो वह सेंटर में आ गए। मनीषा ने बताया कि सेंटर में उनकी बेटी का सीटी स्कैन नहीं हो पाया।

आरएसएस प्रमुख बोले- संकट में दुनिया को राह दिखाता है भारत, संतों का ज्ञान दे रहा दिशा

नागपुर, एजेंसी। नागपुर में आयोजित 'श्री मज्जिनेंद्र पंचकल्याणेश्वर प्रतिष्ठा महोत्सव' के दौरान भागवत ने कहा, भौतिकवाद और उपभोक्तावाद की आंधियों ने दुनिया की कई सभ्यताओं को कमजोर कर दिया, लेकिन भारत अपनी मूल पहचान के साथ मजबूती से खड़ा रहा। उनके अनुसार, यह स्थिरता भारत की आध्यात्मिक चेतना का परिणाम है। उन्होंने प्राचीन सभ्यताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी सभ्यताएं इतिहास में विलीन हो गई, जबकि भारत आज भी अपनी विशिष्ट पहचान के साथ मौजूद है। इसका कारण संतों और ऋषियों द्वारा दी गई ज्ञान परंपरा है, जो समाज को निरंतर दिशा देती रही है।

भागवत ने समाज में संतों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके विचारों को जीवन में अपनाने से सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे इस आध्यात्मिक धरोहर को समझें और अपने आचरण में उतारें। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक भारत अपनी मूल भावना के साथ कायम रहेगा, तब तक विश्व में संतुलन और शांति बनी रहेगी। भागवत ने कहा, समाज को आकार देने में संतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हिंदू समाज, हमारे राष्ट्र का समाज, धीरे-धीरे खुद को ढालने और रूपांतरित करने की अनूठी क्षमता रखता है। यह इसलिए है क्योंकि हमारे देश के संत, ऋषि और तपस्वी निरंतर हमारे समाज को आकार दे रहे हैं और तैयार कर रहे हैं। बाहरी दुनिया भौतिकवाद, संकीर्णतावाद और उपभोक्तावाद के तूफान से घिरी हुई है, ये वे शक्तियां हैं जिन्होंने अन्य समाजों के विघटन का कारण बनी हैं। फिर भी, हमारे लिए, वह लहर बस हम पर से गुजर जाती है। हम अपने मूल स्वरूप में अडिग और अपरिवर्तित रहते हैं। यह लचीलापन आध्यात्मिक ज्ञान का फल है। यह हमारे संतों द्वारा हम पर प्रदत्त कृपा है।

मोदी और ममता बनर्जी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं: ओवैसी

40 हजार मुसलमानों को दिए नोटिस- ओवैसी

कोलकाता, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताया। मुर्शिदाबाद जिले की रघुनाथगंज विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने यह आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा, 'जब एक वीडियो सामने आया तो मैंने घोषणा की कि मजलिस बंगाल के मुसलमानों के हितों से समझौता बर्दाश्त नहीं करेगी। बताइए कि क्या ममता बनर्जी ने भाजपा का साथ नहीं दिया? पीएम मोदी और ममता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। पीएम मोदी और ममता भाई-बहन जैसे हैं। ममता ने दावा किया था कि वे बंगाल में वक्फ एक्ट लागू नहीं करेंगी, लेकिन उन्होंने सिर्फ आपके वोट हासिल करने के लिए झूठ बोला।'

यह आरोप तब आया जब टीएमसी ने एक्स पर एक स्टिंग वीडियो पोस्ट किया, जिसमें छुकप्रमुख हुमायूं कबीर 1000 करोड़ रुपये के सौदे की बात करते दिख रहे हैं। एआईएमआईएम ने कहा कि इससे मुसलमानों की ईमानदारी पर सवाल उठे हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने पश्चिम बंगाल में मुसलमानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए दावा किया कि समुदाय के साथ गंभीर अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा, 'बंगाल के मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय पर गंभीर अन्याय किया गया है। लोग आपसे सेकुलरिज्म के साथ खड़े रहने को कहते हैं।' असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'क्या यह सच नहीं है कि जब पंडित जवाहरलाल नेहरू इस देश के प्रधानमंत्री थे, तब इसी बंगाल से लगभग 40,000 मुसलमानों को नोटिस दिए गए या उन्हें यहां से निर्वासित कर दिया गया था?' ओवैसी ने बीड़ी रोलने वाली महिलाओं के लिए न्यूनतम मजदूरी नीति लागू करने का वादा भी किया। उन्होंने कहा, 'बीड़ी रोलकर अपनी आजीविका चलाने वाली हमारी माताओं और बहनों के लिए न्यूनतम मजदूरी नीति लागू की जाएगी।' एआईएमआईएम चीफ ने कहा कि पिछले साल कलकत्ता हाईकोर्ट ने 5 लाख ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए थे। उनमें से 3,50,000 प्रमाणपत्र मुस्लिम समुदाय के सदस्यों के थे। पश्चिम बंगाल में जो भी विकास हो रहा है, वह सिर्फ कोलकाता की ओर केंद्रित है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच ईरान का 'मीम वार', ट्रंप को बताया फारस की खाड़ी का दुखी लुटेरा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने कूटनीतिक स्तर पर एक अलग ही रणनीति अपनाई है। ईरानी राजनयिक हैंडल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निशाने पर लेते हुए मीम और व्यंग्य से भरे पोस्ट साझा किए हैं, जो तेजी से वायरल हो रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका स्थित ईरान दूतावास ने एक खास पोस्ट में ट्रंप को म्यूजिकल स्टाइल वीडियो में दिखाया। इस वीडियो में ट्रंप जहाजों को नाकाबंदी से गुजरने देने की अपील करते नजर आते हैं। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप को समुद्र के बीच फंसे 'पाइरेट' के रूप में दिखाया गया। इसके साथ लिखा गया- 'फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य के दुखी समुद्री लुटेरा', जो स्पष्ट तौर पर अमेरिकी नीतियों पर तंज के रूप में देखा जा रहा है। ईरान ने कहा पिक्चर अभी बाकी है

इसी क्रम में मुंबई स्थित ईरान के वाणिज्य दूतावास ने भी एक पोस्ट के जरिए अपनी नौसैनिक ताकत का संकेत दिया। पोस्ट में लिखा गया ''फारस की खाड़ी की लाल मधुमक्खियां... तेज मिसाइल नौकाएं तैयार हो रही हैं... अब उन्हें पता चलेगा कि झुंड कितनी तेजी से घेर सकता है। अभी तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है।'' यह संदेश ईरान की समुद्री क्षमताओं और रणनीतिक तैयारियों को दर्शाने वाला माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के मीम और व्यंग्यात्मक पोस्ट सिर्फ मजाक नहीं, बल्कि नैरेटिव वॉर का हिस्सा हैं, जहां सोशल मीडिया के जरिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दबाव बनाया जा रहा है। इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के प्रयास भी जारी हैं। दोनों देशों के बीच रविवार को इस्लामाबाद में करीब 21 घंटे तक आमने-सामने बातचीत हुई, लेकिन यह बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई।

● होर्मुज में कितनी अमेरिकी सेना?

ईरान में वर्चस्व की होड़ में ट्रंप, मोर्चे पर युद्धपोत से लेकर फाइटर जेट तक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान की नाकेबंदी के एलान के बाद होर्मुज जलडमरुमध्य को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों के आसपास नौसैनिक नाकाबंदी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने फारस की खाड़ी में 15 से ज्यादा युद्धपोतों को तैनात किया है। इस अभियान के तहत अमेरिका ने अपने खास युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली (ख्र 7) को अरब सागर में उतार दिया है। यूएसएस त्रिपोली पर एफ-35बी लाइटनिंग द्वद्व स्टील्थ लड़ाकू विमान और एमवी-22 ओस्प्रे जैसे बेहतरीन अमेरिकी जहाज मौजूद हैं। सेंटकॉम ने एक बयान में बताया, 'यूएसएस त्रिपोली

(ख्र 7) अरब सागर में गश्त करते हुए रात में उड़ान संचालन कर रहा है। त्रिपोली को पारंपरिक वेल डेक के बिना डिजाइन किया गया है, जिसकी वजह से इस पर ज्यादा एफ-35बी लाइटनिंग स्टील्थ लड़ाकू विमान, एमवी-22 ओस्प्रे, हेलीकॉप्टरों की तैनाती संभव है। सैन्य ऑपरेशन के दौरान जहाज पर 20 से ज्यादा एफ-35बी लड़ाकू विमानों की तैनाती हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि नाकाबंदी के पास आने वाले किसी भी ईरानी नौका को नष्ट कर दिया जाएगा। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि युद्ध के दौरान ईरान की नौसेना के अधिकांश हिस्से को पहले ही नष्ट कर दिया गया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच उत्तर कोरिया ने किया खतरनाक मिसाइलों का परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में अपने नए युद्धपोत से मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया। देश के सरकारी मीडिया के अनुसार किम ने नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने का संकल्प लिया, जिसमें परमाणु-सक्षम हथियारों का उनका बढ़ता जखीरा भी शामिल है। उत्तर कोरिया के आधिकारिक अखबार रोडोंग सिनमुन ने बताया कि किम ने रविवार को अपने 5,000 टन के विध्वंसक जहाज 'चोए ह्योन' से दो सामरिक क्रूज मिसाइलों और तीन जहाज-रोधी मिसाइलों का प्रक्षेपण देखा। यह जहाज पहली बार अप्रैल 2025 में प्रदर्शित किया गया था। जहाज-रोधी मिसाइलों ने 30 मिनट से अधिक समय तक देश के पश्चिमी सागरों पर पूर्व-निर्धारित निशानों की ओर उड़ान भरी और अपने लक्ष्यों को सटीकता से भेदा। कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने किम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की तस्वीरें प्रकाशित कीं, जो एक समुद्र तट पर युद्धपोत से मिसाइलों को निकलते हुए देख रहे थे। किम ने पिछले महीने भी 'चोए ह्योन' से मिसाइल परीक्षणों का निरीक्षण किया था और अपनी नौसेना की परमाणु ताकत बढ़ाने में तेजी लाने का वादा किया था। रविवार के परीक्षणों के बाद उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन अपने परमाणु बलों के असीमित विस्तार पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु हमले और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं को तेज करने के लिए नए फैसले लिए गए। रोडोंग सिनमुन ने यह भी बताया कि उन्होंने वर्तमान में निर्माणाधीन अपने तीसरे और चौथे विध्वंसक जहाजों के लिए हथियार प्रणालियों की योजनाओं की समीक्षा की। सरकारी मीडिया के अनुसार युद्धपोत को एंटी-एयर और एंटी-शिप हथियारों के साथ-साथ परमाणु-सक्षम बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों सहित विभिन्न प्रणालियों को ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

आपूर्ति में देरी: हथियारों के लिए अमेरिका से मुंह मोड़ने लगे खाड़ी देश

दुबई/रियाद, एजेंसी। खाड़ी देशों के आसमान में चमकती गगनचुंबी इमारतों के बीच हाल में बैलिस्टिक मिसाइलों और शाहेद ड्रोनों की गूंज ने रक्षा नीतियों को हिला दिया है। ईरान के साथ जारी तनाव के बीच सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कतर जैसे देश अब अपनी रक्षा जरूरतों के लिए केवल वाशिंगटन की ओर नहीं देख रहे। सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करने के बाद भी अचूक सुरक्षा न मिलने और अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति में देरी ने इन देशों को रक्षा खरीद के विविधीकरण के लिए मजबूर कर दिया है। पिछले पांच वर्षों में केवल सऊदी अरब ने रक्षा पर 28 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। 2019 में सऊदी तेल ठिकानों पर हुए हमलों के वक्त देश की रक्षा प्रणाली कमजोर दिखी थी, लेकिन हालिया संघर्षों में खाड़ी देशों ने लगभग 85% ईरानी ड्रोनों और मिसाइलों को मार गिराया। इस सफलता के बावजूद पेंटागन की लंबी प्रतीक्षा सूची और यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका से पैट्रियट मिसाइलों की आपूर्ति में आ रही बाधाओं ने खाड़ी देशों की चिंता बढ़ा दी है। नतीजतन सऊदी अरब अब जापान से पैट्रियट मिसाइल

रक्षा प्रणालीं के घटकों और दक्षिण कोरियाई कंपनियों-हनवा और एलआईजी नेक्स1 से एम-एसएएम मध्यम दूरी की मिसाइल प्रणाली के लिए बातचीत कर रहा है। यूएई पहले ही इस दक्षिण कोरियाई प्रणाली को तैनात कर चुका है। वहीं, खाड़ी देश यूक्रेन से बैटल-टेस्टेड इंटरसेप्टर ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम हासिल करने के लिए समझौते कर रहे हैं। सऊदी अरब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यूक्रेन के साथ समझौतों का हवाला देते हुए कहा, हम अमेरिकी प्रदाताओं के साथ निर्बाध रूप से काम कर रहे हैं, लेकिन हमारे अन्य देशों के साथ भी बेहतरीन संबंध हैं। यूएई के अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से भरोसा जताते हुए कहा कि उनके पास विविध, एकीकृत और बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली और रणनीतिक भंडार मौजूद है।

अब रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा अमेरिका को नहीं देंगे: कार्नी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने लिबरल पार्टी के सम्मेलन में कहा कि अब उनका देश अपने रक्षा बजट का बड़ा हिस्सा अमेरिका को नहीं देगा। उन्होंने कहा, वे दिन लद गए, जब कनाडा की सेना अपने हर डॉलर में से 70% हिस्सा अमेरिका भेजती थी। लंदन के पास आयोजित एक बैठक में ब्रिटिश रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने उद्योग जगत से 30, 60, या 90 दिनों में तत्काल रक्षा आपूर्ति का उद्देश्य रक्षा योजनाओं में संभावित देरी या कमियों को दूर करना तथा रॉयल नेवी की टाइप 26/31 जैसे कार्यक्रमों के लिए परिचालन तत्परता सुनिश्चित करना बताया था।

समदड़िया बिल्डर्स
SCAN FOR SITE VIDEO
न्यू गोरखपुर
आदि शंकराचार्य चौक, पुराना हाउबाग रेल्वे स्टेशन, जबलपुर
Rental - Based Project On Railway Land
Tick Your Shop & Flat
Construction in full Swing ...
NEW GORAKHPUR
NEW GORAKHPUR
Luxury Hotel
Budget Hotel
Multiplex
Business Center
Hospital
Health Club
Gaming Zone
Brand Franchise
Operated Showroom
Hostel
Multipurpose
Studio Apartment
Site Office : Samdariya Builders India Pvt. Ltd., New Gorakhpur, Adi Shankracharya, Chowk, Jabalpur
अक्षय तृतीया ऑफर
नई बुकिंग पर पायें 20% का कैश डिस्काउंट, 10% बुकिंग राशि से, "अतिरिक्त" भुगतान पर
समदड़िया ग्रीन होम्स
दीनदयाल चौक, माढ़ोताल, ग्रीन सिटी, जबलपुर
Rera No.P-JBP-23-3902
Super Deluxe Triple
55.99 L
QR कोड स्कैन करें और प्रोजेक्ट वॉकथ्रू का विडियो देखें
समदड़िया रेसीडेन्सी
दीनदयाल चौक, माढ़ोताल, ग्रीन सिटी, जबलपुर
Rera No.P-JBP-23-3928
3 BHK Deluxe Triple
41.99 L
तुरंत पजेशन
समदड़िया ग्रीन होम्स
दीनदयाल चौक, माढ़ोताल, ग्रीन सिटी, जबलपुर
Rera No.P-JBP-23-3902
Unit
16.99 L
QR कोड स्कैन करें और प्रोजेक्ट वॉकथ्रू का विडियो देखें
Corporate Head Office : Samdariya Builders Pvt. Ltd., Hotel Samdariya Inn, Russel Chowk, Jabalpur
7770966691, 7770966692, 7770966693, 7770966694, 9300350350
* T & C Apply

भारत को वर्ल्डकप जिताने वाले संजू सैमसन बने मार्च के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जीता 'प्लेयर आफ द मंथ' का खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के असली नायक रहे संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए 'आईसीसी मैन्स प्लेयर आफ मंथ' चुना गया है। यह पहली बार है जब सैमसन ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है।

बेंच से उठकर बने 'मैन ऑफ द टूर्नामेंट'

संजू सैमसन के लिए यह सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। टूर्नामेंट की शुरुआत में वे प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं थे, लेकिन चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में मिले मौके ने सब कुछ बदल दिया। इसके बाद सैमसन ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

सैमसन की यादगार पारियां

वेस्टइंडीज के खिलाफ- कोलकाता में खेले गए 'करो या मरो' के मुकाबले में सैमसन ने नाबाद 97 रनों की तूफानी पारी खेली।

सेमीफाइनल (बनाम इंग्लैंड)- मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दबाव के बीच उन्होंने 89 रन बनाए।

फाइनल (बनाम न्यूजीलैंड)- अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भी उन्होंने 89 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। अपनी इन बेहतरीन पारियों के कारण उन्हें न केवल मार्च का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, बल्कि उन्होंने 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का अवॉर्ड भी अपने नाम किया।

बोले संजू सैमसन मेरे लिए एक अद्भुत एहसास है

इस सम्मान पर खुशी जताते हुए 31 वर्षीय सैमसन ने कहा, आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनना मेरे लिए एक अद्भुत एहसास है। टी20 वर्ल्ड कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था। मैं अपनी टीम और कोचिंग स्टाफ का आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। इस अवॉर्ड की रेस में संजू सैमसन के साथ भारत के घातक गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (जिन्होंने फाइनल में 4 विकेट लिए थे) और दक्षिण अफीका के उभरते सितारे कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे, लेकिन वोटिंग में सैमसन बाजी मार ले गए।

पहले ही ओवर में 3 विकेट लेने वाले

प्रफुल हिंगे ने डेब्यू आईपीएल मैच में रचा इतिहास

ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के विजय अभियान को रोककर सोमवार देर रात 57 रन से शानदार जीत दर्ज की। मैच के हीरो दो अनकैप्ड भारतीय गेंदबाज प्रफुल हिंगे और साकिब हुसैन रहे जिन्होंने राजस्थान की मजबूत बैटिंग लाइनअप को पूरी तरह से हिलाकर रख दिया। हिंगे ने अपने डेब्यू मैच में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए न सिर्फ प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता बल्कि इतिहास के पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने पहले ओवर में तीन विकेट लिए हैं। प्रफुल हिंगे ने 217 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए अपने पहले ओवर की दूसरी ही गेंद पर शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को गोल्डन डक (बिना कोई रन बनाए पहली गेंद पर आउट) किया। उन्होंने उसी ओवर में ध्रुव जुरेल और लुहान-ड्रे प्रिटोरियस के विकेट भी चटकाए। इस तरह वह आईपीएल के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए।

प्रफुल हिंगे ने विदर्भ की ओर से डेब्यू किया था

यह 24 वर्षीय गेंदबाज ने 2024/25 के रणजी ट्रॉफी सीजन में विदर्भ की ओर से अपना फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने 10 फर्स्ट-क्लास मैचों में 27 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने 6 लिस्ट-ए मैचों में भी 5 विकेट चटकाए हैं। प्रफुल ने अब तक सिर्फ एक टी20 मैच खेला है। वह अभी अपना दूसरा टी20 मैच खेल रहे थे जो आईपीएल में उनका पहला मैच था। प्रफुल ने एमआरएफ पेस एकेडमी में वरुण आरोन के साथ ट्रेनिंग की है। आरोन इस समय स्क्रा। के बॉलिंग कोच हैं।

पिता के दृढ़ विश्वास और मैकग्रा 'कनेक्शन' ने निभाई अहम भूमिका

प्रकाश हिंगे खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं लेकिन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने पदार्पण मैच में ही शानदार प्रदर्शन करने वाले उनके बेटे प्रफुल्ल की उपलब्धि का जश्न मनाते समय वह अपने शब्दों के चयन और उत्साह की अभिव्यक्ति में बहुत संयम बरतते हैं। दरअसल हिंगे परिवार को यह भी नही पता था कि उनका बेटा सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगा या नहीं। अकाउंटेंट के पद पर काम कर चुके प्रकाश ने पीटीआई से कहा, हमें पता था कि इम्पैक्ट प्लेयर्स की सूची में होने के कारण उसे पंजाब के खिलाफ खेलना था। हम उससे कभी नहीं पूछते कि वह खेल रहा है या नहीं। वह सोने से पहले हर दिन रात 10 बजे फोन करता है। हमारे बीच बस सामान्य बातचीत होती है जैसे खाना खाया। कल जब मैच का प्रसारण शुरू हुआ तो हमने टीवी पर देखा कि वह पदार्पण करेगा। इसलिए हम खुश थे मैच आगे बढ़ने के साथ उनकी खुशी भी बढ़ने लगी क्योंकि प्रफुल्ल ने अपने शुरुआती स्पेल में दो ओवर में छह रन देकर चार विकेट लिए और सनराइजर्स की 57 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। नागपुर के रहने वाले प्रकाश ने उस समय को याद किया जब उन्होंने अपने बेटे प्रफुल्ल की क्रिकेट में रुचि को देखते हुए उसे स्थानीय जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया था। तब वह लगभग 13 साल का था। प्रकाश ने कहा, मैं अपने मोहल्ले की गलियों में खेलता था। मेरे बेटे को इसमें रुचि थी, इसलिए मैंने उसे एक स्थानीय अकादमी में दाखिला दिला दिया।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए

दक्षिण अफीका की महिला टीम घोषित

डरबन (एजेंसी)। दक्षिण अफीका ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम का एलान किया है। विकेटकीपर बल्लेबाज टेबोगो मचेके को पहली बार अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया, जबकि ऑलराउंडर एलिज मारी मार्क्स की टीम में वापसी हुई है। दोनों देश 17 से 27 अप्रैल के बीच पांच टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेंगे।

मचेके को पहली बार मिला मौका

सीरीज का कार्यक्रम

भारत और दक्षिण अफीका की महिला टीमों के बीच टी20 सीरीज के शुरुआती दो मैच 17 और 19 अप्रैल को डरबन में खेले जाने हैं। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहानिसबर्ग अगले दो मुकाबलों की मेजबानी करेगा। सीरीज का अंतिम मैच बेनोनी में 27 अप्रैल को आयोजित होगा। टेबोगो मचेके ने कराबो मेसो की जगह ली है, जो कलाई की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं, एलिज ने तेज गेंदबाज मसाबाता क्लास का स्थान लिया है। इस टीम की कप्तानी एल. वोलवार्ड्ट करेंगी। एनीके बॉश ने घायल डेन वैन नीकेर्क की जगह टीम में अपना स्थान बरकरार रखा है। अनुभवी तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मारिजेन कैप अभी भी टीम के लिए उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि वह अपनी बीमारी से उबरने की प्रक्रिया में हैं।

- **भारत के खिलाफ सीरीज के लिए दक्षिण अफीका की महिला टीम -** एल. वोलवार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्ज, नादिने डि क्लर्क, एनेरी डर्कसेन, अमांडा हलुबी, सिनालो जाफ्टा, अयाबोंगा खाका, सुने लुस, टेबोगो माचेके, एलिज-मारी मार्क्स, नॉनकुलुलेको म्लाबा, कायला रेनेके, तुमी सेखुखुने और क्लो ट्रायोन।

फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज राउंड 11

वैशाली नें रूस की गोर्याचकिना को हराया, खिताब की और कदम

साइप्रस (एजेंसी)। फ़ीडे महिला कैंडिडेट शतरंज से भारत के लिए बड़ी खबर आ रही है, भारत की आर वैशाली नें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आज हुए 11वें राउंड में रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना को केल मोहरो से एंडगेम में सटीक खेल से पराजित कर दिया, केल मोहरो से खेल रही वैशाली नें गोर्याचकिना के हाथी को अपनी शातिर चालों से कुछ यूँ फसाया की गोर्याचकिना को अपना हाथी ऊँट के बदले देना पड़ा और फिर वैशाली नें अपने राजा घोड़े और बच्चे हुए हाथी से मिलकर खेल को 45 चालों में अपने नाम कर लिया अब इस जीत से वैशाली 7 अंकों के साथ ना सिर्फ़ सबसे आगे बनी हुई बल्कि उनके पीछे चल रही चीन की जू जिनर और यूक्रेन की अन्ना मुज्यचुक से उनकी बढ़त 1 अंक की हो गई है, जू को आज भारत की आर वैशाली नें ड्रा पर रोक लिया जबकि अन्ना नें रूस की लग्नो कैटरिना से ड्रा खेला, वैशाली को अब बचे हुए तीन राउंड में चीन की जू जिनर, तान झोंगायी और रूस की लग्नो कैटरिना से मुकाबला खेलना है।

आयरलैंड दौरे पर जाएंगे वैभव सूर्यवंशी?

- **चयनकर्ताओं ने किया शॉर्टलिस्ट, डेब्यू कर तोड़ सकते हैं सचिन का रिकॉर्ड**

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने विशेषज्ञों की लगातार मांग और आईपीएल 2026 में वैभव के विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने का मन बना लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया गया है।

टूट जाएगा सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड

अगर वह इस दौरे पर डेब्यू करते हैं तो वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे और सचिन तेंदुलकर (16 साल की उम्र में डेब्यू) का ऐतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ देंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने मीडिया से बात करते हुए कहा वैभव आयरलैंड दौरे के लिए दौड़ में बने हुए हैं और सेलेक्टर्स ने कई अन्य खिलाड़ियों के साथ उनके नाम को भी शॉर्टलिस्ट किया है।

वैभव सूर्यवंशी को आजमाना चाहता है बोर्ड

सेलेक्टर्स की इस योजना से साफ है कि वे इस राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज को इंतजार करो और देखो की नीति के बजाय सीधे सीनियर टीम में फास्ट-ट्रैक करना चाहते हैं। आयरलैंड जैसी तुलनात्मक रूप से कम चुनौतीपूर्ण टीम के खिलाफ मौका देकर बोर्ड वैभव की प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखना चाहता है। वैभव सूर्यवंशी की दावेदारी को आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल का भी पूरा समर्थन मिला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वैभव की जमकर तारीफ करते हुए लिखा, इस आईपीएल 2026 सीजन में वैभव सूर्यवंशी द्वारा क्या शानदार बल्लेबाजी प्रदर्शन देखने को मिला है। अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए यह विलक्षण बालक निश्चित रूप से भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। इतनी कम उम्र में इतना प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिलना दुर्लभ है।

आईपीएल से मिली वैभव सूर्यवंशी को पहचान

वैभव का सुर्खियों में आने का सफर आईपीएल 2025 से शुरू हुआ था जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि में खरीदा था। उन्होंने अपने डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का जड़कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ महज 35 गेंदों में शतक जड़कर उन्होंने पूरी दुनिया को अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। हाल ही में अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उनकी 80 गेंदों में 175 रनों की ऐतिहासिक पारी ने सेलेक्टर्स को मजबूर कर दिया कि उन्हें अब और इंतजार न कराया जाए।

आईपीएल के शेड्यूल में बदलाव, स्थानीय निकाय चुनावों के कारण दो मैचों का वेन्यू बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद और गुजरात के अन्य हिस्सों में 26 अप्रैल को होने वाले नगर पालिका चुनावों का हवाला देते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के कार्यक्रम में बदलाव किया। नए कार्यक्रम के अनुसार 26 अप्रैल और 21 मई को गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच होने वाले मुकाबलों के स्थल बदल दिए गए हैं। टाइटंस और सुपरकिंग्स के बीच पहले 26 अप्रैल को अहमदाबाद में खेला जाने वाला दोपहर का मैच अब चेन्नई के एमए ??चिदंबरम स्टेडियम में होगा। यह दोपहर तीन बजकर 30 मिनट से ही खेला जाएगा। सुपरकिंग्स और टाइटंस के बीच 21 मई को शाम को होने वाला मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में स्थानांतरित कर दिया गया है और यह मैच शाम सात बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, अहमदाबाद और गुजरात के दूसरे हिस्सों में 26 अप्रैल 2026 को होने वाले नगर पालिका चुनावों को देखते हुए यह बदलाव जरूरी हो गया है।

तिलकरत्ने दिलशान ने किए खाटू श्याम के दर्शन

जयपुर (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व दिग्गज ओपनिंग बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान इन दिनों अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए नहीं बल्कि अपनी आत्मिक शांति और आध्यात्मिक यात्रा के लिए चर्चा में हैं। क्रिकेट की चकाचौंध से दूर दिलशान का यह नया अवतार उनके जीवन के एक ऐसे पहलू को उजागर करता है जो आस्था और विश्वास से गहराई तक जुड़ा हुआ है। हाल ही में भारत दौरे पर आए दिलशान ने खेल के मैदान जैसी ही ऊर्जा अब भक्ति के मार्ग पर दिखाई। अपनी इस भारत यात्रा के दौरान दिलशान ने देश के प्रसिद्ध मंदिरों में मत्था टेका। असम के प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर से लेकर राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर तक उनकी यह यात्रा पूरी तरह श्रद्धा और भक्ति के रंग में डूबी नजर आई। इंस्टाग्राम पर अपनी इन यात्राओं की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने इसे एक विशेष अनुभव बताया। दिलशान ने स्वीकार किया कि इन पवित्र स्थानों की आध्यात्मिक ऊर्जा ने उन्हें भीतर से शांत कराया है।

दिलशान ने बदला था अपना धर्म - बहुत कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि दिलशान का जन्म एक मुस्लिम परिवार में हुआ था और उनका नाम तुवान मोहम्मद दिलशान था। हालांकि, वयस्क होने पर उन्होंने अपनी स्वेच्छा से बौद्ध धर्म को अपनाया और अपना नाम बदलकर तिलकरत्ने दिलशान कर लिया। तब से वे बौद्ध धर्म के सिद्धांतों और अपनी आस्था के अनुसार ही जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

कभी अहमद शहजाद के साथ हुआ था विवाद

दिलशान की इस भक्तिमय यात्रा ने एक पुराने विवाद को भी हवा दे दी है जो कभी पाकिस्तानी क्रिकेटर अहमद शहजाद के साथ हुआ था। एक मैच के दौरान शहजाद ने सरेआम दिलशान को धर्म परिवर्तन कर इस्लाम अपनाने की सलाह दी थी जिसे दिलशान ने बेहद मजबूती के साथ ठुकरा दिया था।

शानदार रहा दिलशान का करियर - तिलकरत्ने दिलशान का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर शानदार रहा है जिसमें उन्होंने तीनों फॉर्मेट में अपनी विशेष छाप छोड़ी। उन्होंने श्रीलंका के लिए 17000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रन बनाए।

शेन वॉर्न की मौत के चार साल बाद बड़ा खुलासा

- **बेटे का दावा, बोले- कोविड के टीके के कारण हुई महान स्पिनर की मौत**

सिडनी (एजेंसी)। शेन वॉर्न के निधन के चार साल बाद उनके बेटे जैक्सन ने दावा किया है कि इस दिग्गज स्पिनर की मौत संभवतः कोविड के उन तीन या चार टीकों के कारण हुई थी, जो उन्हें 'काम करने के लिए मजबूरन लेने पड़े थे।' जैक्सन ने टू वर्ल्ड्स कोलाइड पॉडकास्ट पर बात करते हुए अपने पिता की स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं को भी स्वीकार किया। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। उस समय उनकी उम्र 52 वर्ष थी।

व्यापार

सेंसेक्स
76847.57 पर बंद
निफ्टी
23842.65 पर बंद

सोना
148,680
चांदी
255,000

सोना 9 साल से अक्षय तृतीया पर दे रहा सॉलिड रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। सल्फर सोने की कीमतों में इस साल काफी उतार-चढ़ाव के देखते हुए इस बार

अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना क्या मुनाफे का सौदा साबित होगा बता दें पिछली अक्षय तृतीया (अप्रैल 2025) के बाद से भारतीय स्पॉट मार्केट में सोने की कीमतों में 60 प्रतिशत का उछाल आया है, जिससे निवेशकों की संपत्ति में इजाफा हुआ है। यह लगातार नौवां साल है, जब सोने ने निवेशकों को ठोस रिटर्न दिया है। भारत में सोना खरीदना सिर्फ एक आर्थिक फैसला नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और शुभ संकेत भी है। कुछ खास त्योहारों, जैसे धनतेरस, दिवाली और अक्षय तृतीया पर सोना खरीदा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इससे समृद्धि, सौभाग्य और स्थायी धन की प्राप्ति होती है। अक्षय तृतीया भी ऐसा ही एक पर्व है, इस बार 19 अप्रैल 2026 को पड़ रहा है। ऐतिहासिक आंकड़ों के अनुसार, यह त्योहार भारतीयों के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ है। इस साल जनवरी में सोना 1,80,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था। उसके बाद कीमतों में गिरावट आई है और अब यह करीब 1,50,000 रुपये के स्तर पर है। यह हालिया हाई से लगभग 30,000 रुपये सस्ता है। तेजी के बाद मुनाफावसूली और बढ़ती क्रूड कीमतों के कारण महंगाई की चिंताओं के चलते निवेशकों ने खूब मुनाफा कमाया। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा कीमतें निवेश के लिए एक अच्छा अवसर है। चॉइस ब्रोकिंग की कमोडिटी एक्सपर्ट कावेरी मोरे के अनुसार, इस साल अक्षय तृतीया से पहले भारत में मांग मजबूत बनी हुई है, हालांकि ऊंची कीमतों ने आम ग्राहकों की भारी खरीदारी को सीमित कर दिया है। वहीं, एक मुंबई-बेस्ड बुलियन डीलर का कहना है कि इस बार सोने-चांदी की खरीदारी भी बहुत कम है। माहौल ऐसा नहीं लग रहा कि त्योहार नजदीक आ रहा हो। ग्लोबल लेवल पर चीन में सोने की मांग कमजोर पड़ी है, लेकिन वहां का केंद्रीय बैंक लगातार 17वें महीने सोना खरीद रहा है, जो बुलियन में लगातार भरोसा दिखाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोने की कीमतों की रफ्तार धीमी जरूर होगी, लेकिन मौजूदा रुझान जारी रह सकता है। केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और जियो-पॉलिटिकल टेंशन को देखते हुए सोना एक फायदे का निवेश बना हुआ है। बिजनेस हेड हर्षल दासानी कहते हैं, 'मौजूदा कीमतों पर सोने को रिटर्न के दौड़ वाला निवेश न समझें, बल्कि इसे अपने पोर्टफोलियो को स्थिर करने वाला साधन मानें।' हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि पिछले साल जैसा तगड़ा रिटर्न दोहराना मुश्किल हो सकता है।

वर्ल्ड बैंक चीफ अजय बंगा ने किया आगाह, नजरअंदाज न करें

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व बैंक के प्रेसिडेंट अजय बंगा ने पॉलिसी बनाने वालों से बड़ी अपील की है। उन्होंने आगाह करते हुए कहा है कि मिडिल ईस्ट में जारी झगड़े के बीच पॉलिसीमेकर्स एक कहीं ज्यादा जरूरी लंबे समय की चुनौती को नजरअंदाज न करें। वह चुनौती है रोजगार पैदा करना। बंगा ने एक बड़ी असमानता की ओर ध्यान दिलाया।
विकासशील देशों में अगले 10-15 सालों में लगभग 1.2 अरब लोग काम करने वाली आबादी में शामिल होंगे। लेकिन, मौजूदा अनुमानों के मुताबिक, सिर्फ 40 करोड़ रोजगार ही पैदा होंगे। इससे 80 करोड़ रोजगारों की भारी कमी रह जाएगी। यह एक ऐसा फासला है जिसके गहरे सामाजिक-आर्थिक नतीजे हो सकते हैं। बंगा ने माना कि बार-बार आने वाले वैश्विक झटकों के दौर में लंबे समय से चली आ रही ढांचागत समस्याओं पर ध्यान बनाए रखना मुश्किल होता है। इन झटकों में कोरोना महामारी से लेकर मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव तक शामिल हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक इंटरव्यू में बंगा ने कहा, 'हमें एक ही समय में दो काम करने होंगे। चलते भी रहना है और च्यूइंग गम भी चबाते रहना है।

तीन कंपनियों ने बनाया है दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करेंगे। इसे दिल्ली-देहरादून इकनॉमिक कॉरिडोर भी कहा जाता है। पीएम मोदी के उद्घाटन के साथ ही 213 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला यह एक्सप्रेसवे आम लोगों के लिए शुरू हो जाएगा। यह कॉरिडोर दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों से होकर गुजरता है। इससे दिल्ली और देहरादून के बीच की दूरी करीब ढाई घंटे में पूरी होगी। अभी देहरादून पहुंचने में करीब 6 घंटे लगते हैं।

इस एक्सप्रेसवे को तीन कंपनियों ने मिलकर बनाया है। इसे बनाने में 12000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। यह कॉरिडोर पर्यटन और आर्थिक रूप से व्यापार और विकास के नए रास्ते खोलेगा। इस एक्सप्रेसवे के खुलने से न केवल दिल्ली-उत्तराखंड के बीच पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास को भी नई रफ्तार मिलेगी।

तीन कंपनियों ने बनाया है दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसव के प्रबंधन की जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की है। इस एक्सप्रेसवे को तीन

कंपनियों ने मिलकर बनाया है। ये इस प्रकार हैं: इस एक्सप्रेसवे को बनाने का काम चार चरणों में पूरा हुआ है। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक यह एक्सप्रेसवे इन चरणों में पूरा हुआ है।

पहला चरण दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से शुरू हुआ था। करीब 32 किमी लंबे पहले फेज पर काम ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नजदीक खेकड़ा (बागपत) तक चला।

दूसरे चरण का काम खेकड़ा (बागपत) से शुरू हुआ। करीब 120 किमी लंबा यह फेज सहारनपुर बायपास तक है। इस फेज को ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट के तौर पर विकसित किया गया। तीसरा फेज सहारनपुर बाईपास से उत्तराखंड में गणेशपुर तक रहा। यह फेज 42 किमी लंबा है। यह फेज गणेशपुर से देहरादून तक का है जो करीब 20 किमी लंबा है। इसमें 4.6 किमी का अपग्रेडेड हिस्सा शामिल है। बाकी हिस्सा नए सिरे से बनाया गया है। यह कॉरिडोर उत्तराखंड के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। इस आर्थिक गलियारे से प्रदेश में रोजगार, पर्यटन और व्यापार को बहुत बढ़ावा मिलेगा।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को पूरा होने में 6 साल से ज्यादा का समय लगा है। हालांकि कंस्ट्रक्शन का काम करीब 5 साल में ही पूरा हो गया। बाकी समय जमीन अधिग्रहण और केंद्र सरकार से फंड मिलने में लगा। इस प्रोजेक्ट की टाइमलाइन इस प्रकार है:
फरवरी 2020: केंद्र सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को मंजूरी दी।
जनवरी 2021: अक्षरधाम से बागपत जिला सीमा तक के पहले दो चरणों के लिए भूमि अधिग्रहण और निविदा आवंटन का काम पूरा हुआ।
नवंबर 2021: हरिद्वार को इस एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 2,095 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।
दिसंबर 2021: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 दिसंबर को औपचारिक रूप से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे निर्माण की आधारशिला रखी।
जनवरी 2022: शामली-अंबाला एक्सप्रेसवे लिंक के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हुई।

विजय केडिया का फिर प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स पर दांव, खरीदे हैं 10 लाख शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज निवेशक विजय केडिया ने स्मॉलकैप कंपनी प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स पर फिर दांव लगाया है। केडिया ने प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के 10 लाख शेयर खरीदे हैं। प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के शेयर सोमवार को बीएसई में उछाल के साथ 145.25 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले पांच दिन में कंपनी के शेयरों में करीब 18 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। इस साल 30 मार्च के बाद से कंपनी के शेयरों में 37 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 263.30 रुपये है। वहीं, प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 104.05 रुपये है। शेयर मार्केट के दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया ने ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स पर फिर दांव लगाया है। विजय केडिया ने कंपनी के 10 लाख शेयर खरीदे हैं। कंपनी में केडिया की हिस्सेदारी 1.05 पर्सेंट हो गई है। विजय केडिया ने प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स में यह हिस्सेदारी 14.1 करोड़ रुपये में खरीदी है। इससे पहले, सितंबर 2025 तिमाही में भी केडिया के पास प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के 10 लाख शेयर थे। हालांकि, दिसंबर 2025 तिमाही में केडिया का नाम कंपनी के इनवेस्टर लिस्ट से बाहर था। प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स का मार्केट कैप सोमवार 13 अप्रैल 2026 को 1379 करोड़ रुपये के पार जा पहुंचा है। स्मॉलकैप कंपनी प्रिसिजन कैमशाफ्ट्स के शेयर पिछले 5 साल में 222 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं।

दनादन 11 बार बोनस शेयर बांट चुकी है मल्टीबैगर कंपनी, हर बार 2 शेयर पर दिए हैं 1 बोनस शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों को दनादन बोनस शेयर बांटे हैं। संवर्धन मदरसन अपने निवेशकों को 11 बार बोनस शेयर का तोहफा दे चुकी है। कंपनी के शेयर सोमवार को बीएसई में 119 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी

के शेयरों में करीब 12 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल में संवर्धन मदरसन के शेयर 40 पर्सेंट उछल गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 136.10 रुपये है। वहीं, संवर्धन मदरसन के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 77.07 रुपये है। संवर्धन मदरसन, ऑटो कंपोनेंट्स एंड इक्विपमेंट्स इंडस्ट्री से जुड़ी है। मल्टीबैगर कंपनी संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने साल 1997 से लेकर अब तक अपने शेयरधारकों को 11 बार बोनस शेयर दिए हैं। संवर्धन मदरसन ने अपना पिछला बोनस शेयर जुलाई 2025 में दिया है। कंपनी ने साल 1997 से लेकर अब तक हर बार 1:2 के रेशियो में ही बोनस शेयर दिए हैं। यानी, कंपनी ने हर बार प्रत्येक 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा है। संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने नवंबर 1997, जुलाई 2000, जनवरी 2005, मई 2007, अगस्त 2012, नवंबर 2013, जून 2015, मई 2017, सितंबर 2018, अगस्त 2022 और मई 2025 में बोनस शेयर दिए हैं।
1997 में 100 शेयर खरीदने वाले निवेशक के पास अब होते 8600 से ज्यादा शेयर : अगर किसी निवेशक ने साल 1997 में बोनस शेयर दिए जाने से पहले संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल के 100 शेयर खरीदे होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में उस व्यक्ति के पास इस मल्टीबैगर कंपनी के करीब 8614 शेयर होते। यह बात की एक रिपोर्ट में कही गई है। अगर साल 2000 से कैलकुलेशन करें संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल ने अपने निवेशकों को 10 बार बोनस शेयर बांटे हैं।
2 बार अपने शेयर का बंटवारा भी कर चुकी है कंपनी : संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल दो बार अपने शेयर का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने अक्टूबर 2002 में अपने शेयर को 2 टुकड़ों में बांटा, तब कंपनी ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 5-5 रुपये फेस वैल्यू वाले 2 शेयरों में बांटा। इसके बाद मार्च 2004 में कंपनी ने अपने शेयर को 5 टुकड़ों में बांटा। कंपनी ने 5 रुपये फेस वैल्यू वाले अपने शेयर को 1-1 रुपये फेस वैल्यू वाले 5 शेयरों में बांटा।

एलजी के शेयर बुधवार को मचाएंगे हलचल

लॉक-इन पीरियड खत्म होने से 44 करोड़ शेयर होंगे मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। छुट्टी के बाद स्टॉक मार्केट खुलेगा तो एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर हलचल मचा सकते हैं। इसकी वजह है कंपनी के शेयरहोल्डर्स के लिए लागू लॉक-इन पीरियड का खत्म होना। इस लॉक-इन पीरियड के खत्म होते ही बड़ी संख्या में शेयर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। नुवामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एल इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयरों पर लगा छह महीने का लॉक-इन पीरियड अब समाप्त हो रहा है। इसका मतलब यह है कि अब तक जिन शेयरों को बेचा नहीं जा सकता था, वे अब बाजार में बेचने के लिए योग्य हो जाएंगे।हालांकि, यह जरूरी नहीं है कि सभी शेयर एक साथ बिक जाएं। इसका मतलब सिर्फ इतना है कि अब ये शेयर ट्रेडिंग के लिए खुले हैं।

नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की कुल इक्विटी का लगभग 65 प्रतिशत यानी करीब 44.12 करोड़ शेयर अब बाजार में ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हो जाएंगे। मौजूदा कीमत के हिसाब से इन शेयरों की कुल वैल्यू लगभग 66,180 करोड़ बैठती है। दिसंबर 2025 तिमाही के अंत तक, कंपनी के प्रमोटर्स के पास 85 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जो कि न्यूनतम 75 प्रतिशत की तय सीमा से ज्यादा है। पब्लिक शेयरहोल्डर्स की बात करें तो भारत के म्यूचुअल फंड्स के पास करीब 5.4 प्रतिशत होल्डिंग्स है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के पास करीब 3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। करीब 10.6 लाख छोटे रिटेल निवेशकों, जिनका निवेश 2 लाख तक है, के पास कंपनी में 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

हालांकि, मार्च तिमाही के लिए कंपनी ने अभी तक नया शेयरहोल्डिंग डेटा जारी नहीं किया है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया का शेयर प्राइस ट्रेंड: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के शेयर सोमवार को 1.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,503.5 पर बंद हुए। हालांकि, यह अपने लिस्टिंग के बाद के हाई 1,749 से करीब 14 प्रतिशत नीचे है, लेकिन अभी भी अपने इश्यू प्राइस से ऊपर बना हुआ है। पिछले पांच सेशन में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई है।

सब्जियों की कीमतों ने बढ़ाया किचन का बजट

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते महीने सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 3.40 फीसदी दर्ज की गई, जो फरवरी में 3.21 फीसदी रही थी। सोना-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी समेत अन्य वस्तुओं की कीमतों मे भी दर्ज की गई बढ़ोतरी। मार्च में सोना-चांदी के आभूषण, नारियल, टमाटर और फूलगोभी जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई, जिससे खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे किचन का बजट बढ़ गया। सोमवार को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 3.40 फीसदी रही, जो फरवरी 2026 में 3.21 फीसदी थी। बीते महीने ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 3.63 फीसदी और शहरी क्षेत्रों में 3.11 फीसदी दर्ज की गई। स्टेटवाइज आंकड़ों में तेलंगाना में सबसे ज्यादा महंगाई दर्ज की गई, जहां यह 5.83 फीसदी रही। इसके बाद आंध्र प्रदेश में 4.05 फीसदी महंगाई दर्ज की गई है। उसके बाद कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान का स्थान रहा है। औसत उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक यानी रसोई के बजट पर असर डालने वाल खाद्य महंगाई में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो मार्च में 3.87 फीसदी दर्ज की गई है। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र में खाने-पीने की चीजें 3.96 और शहरों में 3.71 फीसदी रही है। जबकि इससे पहले फरवरी में सीएफपीआई 3.47 फीसदी रही थी।

दुबई के कदम से भारतीय एयरलाइंस की बढ़ी टेंशन, सरकार से जवाबी एक्शन की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान संकट के चलते दुबई ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने भारतीय एयरलाइंस की टेंशन बढ़ा दी। 31 मई तक उसने विदेशी एयरलाइंस के लिए अपने यहां पाबंदी लगाई है। इसके तहत दुबई ने अपने एयरपोर्ट्स पर रोज सिर्फ एक फ्लाइट की सीमा तय की है। इससे भारतीय एयरलाइंस के बीच रेवेन्यू के नुकसान की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने किसी भी दूसरे देश की एयरलाइंस के मुकाबले इस डेस्टिनेशन के लिए ज्यादा फ्लाइट्स की योजना बनाई थी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआईए) ने भारत सरकार से अपील की है कि वह दुबई के अधिकारियों पर इन पाबंदियों को हटाने का दबाव डाले। 31 मार्च को भेजे गए एक पत्र के अनुसार, अगर ऐसा नहीं होता है तो एफआईए ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की एयरलाइंस जैसे बदले में वैसी ही पाबंदियां लगाने का सुझाव दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, दुबई एयरपोर्ट्स से मिली जानकारी के मुताबिक, 20 अप्रैल से 31 मई के बीच एयरलाइंस को दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट मख्तूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट दोनों के लिए रोजाना सिर्फ एक राउंड ट्रिप की अनुमति होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 27 मार्च के एक निजी ईमेल में दुबई एयरपोर्ट ने एयरलाइंस को लिखा, 'एयरलाइंस के लिए रोजाना एक रोटेशन की सीमा जारी रहेगी।

बाजार की आंधी में 7 कंपनियों के शेयरों का दबदबा कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले एक साल के दौरान घरेलू शेयर बाजारों में काफी उठा-पटक देखने को मिली है। लेकिन इस दौरान कई कंपनियों ने शानदार रिटर्न दिया है। निफ्टी500 स्टॉक में से 7 कंपनियां ऐसी हैं जिनके शेयरों की कीमतों में 150 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। मार्केट की मौजूदा परिस्थितियों का इन कंपनियों पर कोई असर नहीं दिखा है। बता दें, पिछले एक साल में निफ्टी50 में 4 प्रतिशत और निफ्टी500 में 7 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

इस इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी के शेयरों की कीमतों में बीते एक साल में 207 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। वहीं, तीन साल में यह स्टॉक 2866 प्रतिशत और 5 साल में 3494 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई 1 अप्रैल को 4344 रुपये रहा है।

बीते एक साल में इस सरकारी कंपनी के शेयरों का भाव 192 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का 52 वीक हाई 431.50 रुपये और 52 वीक लो लेवल 144.71 रुपये है। पीएसयू स्टॉक में तीन साल में 425 प्रतिशत और 5 साल में 648 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है।

इस कंपनी की लिस्टिंग अगस्त 2025 में हुई थी। इश्यू प्राइस से अबतक कंपनी के शेयरों का भाव 190 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 675 रुपये था। बता दें, 13 अप्रैल 2026 के शेयरों का भाव 1954.20 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया।

वीज़ा और एचडीएफसी बैंक भारतीय फ़ैन्स को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ला रहे हैं और करीब

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का लिमिटेड-एडिशन पिक्सल क्रेडिट कार्ड और पूरे देश में स्पेंड एंड विन कैंपेन

मुंबई, , एजेंसी। वीज़ा (एनवाईएसई -वी), जो डिजिटल पेमेंट्स में दुनिया की जानी-मानी कंपनी है और फीफा की ऑफ़िशियल पार्टनर भी है, ने आज भारत के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक, एचडीएफसी बैंक के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अपनी पार्टनरशिप का ऐलान किया। इस पार्टनरशिप के तहत वीज़ा और एचडीएफसी बैंक ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का एक लिमिटेड-एडिशन वीज़ा पिक्सल क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है। इसके साथ ही, पूरे देश में एक खास स्पेंड एंड विन कैंपेन भी शुरू किया गया है, जिससे भारतीय कस्टमर्स दुनिया के सबसे ज़्यादा इंतज़ार किए जाने वाले ग्लोबल स्पोर्ट्स इवेंट के और करीब आ सकेंगे। मुंबई में एक शानदार लॉन्च इवेंट में इस ऐलान का जश्न मनाया गया। इस इवेंट में दुनिया भर में मशहूर फुटबॉल स्टार माइकल ओवेन भी मौजूद थे, जिन्होंने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रोमांच, बड़े पैमाने और ग्लोबल रुतबे को और भी खास बना दिया। पिक्सल क्रेडिट कार्ड, जो एचडीएफसी बैंक का डिजिटल-फ़र्स्ट और ऐप-बेस्ड क्रेडिट कार्ड है, आज के डिजिटल ज़माने के कस्टमर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्ड तुरंत जारी हो जाता है, इसमें अपनी पसंद के हिसाब से बदलाव किए जा सकते हैं और डिजिटल पेमेंट्स भी बिना किसी रुकावट के हो जाते हैं। फीफा की थीम वाला यह कार्ड 11 अप्रैल से एचडीएफसी बैंक के मौजूदा पिक्सल प्ले कस्टमर्स के साथ-साथ पिक्सल प्ले के नए आवेदकों के लिए भी उपलब्ध होगा। यह ऐतिहासिक साझेदारी अब एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को, उनके सभी कार्ड पोर्टफोलियो, जिनमें क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और बिज़नेस कार्ड शामिल हैं, के ज़रिए फीफा वर्ल्ड कप 2026 का मैच लाइव देखने का मौका देती है। फीफा

के साथ वीज़ा की लंबे समय से चली आ रही वैश्विक साझेदारी और वीज़ा के सुरक्षित, हर जगह स्वीकार किए जाने वाले पेमेंट नेटवर्क द्वारा समर्थित, यह पहल रोज़मर्रा के पेमेंट्स को फुटबॉल के यादगार अनुभवों में बदल देती है।

खर्च करें और जीतें (स्पेंड एंड विन) कैंपेन फीफा के ऐसे इनाम जो जीवन में एक बार ही मिलते हैं -

इस साझेदारी का मुख्य आकर्षण एक खास खर्च करें और जीतें (स्पेंड एंड विन) कैंपेन है। यह कैंपेन एचडीएफसी बैंक के कार्ड पोर्टफोलियो,जिसमें क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, बिज़नेस कार्ड और फॉरेक्स प्रीपेड कार्ड शामिल हैं, के लिए चलाया जा रहा है। इस कैंपेन के तहत, तय शर्तों के अनुसार खर्च करने पर ग्राहकों को कई शानदार इनाम जीतने का मौका मिलता है; इन इनामों में फीफा वर्ल्ड कप 2026 के मैच पैकेज, फीफा-थीम वाले स्टेकेशन, फीफा का आधिकारिक मर्चेंडाइज़, और शॉपिंग व लाइफस्टाइल वाउचर शामिल हैं। यह कैंपेन फुटबॉल प्रशंसकों को सिर्फ़ मैच के दिनों तक ही सीमित न रखते हुए, टूर्नामेंट के साथ और भी गहरे स्तर पर जुड़ने का अवसर देता है, जिसके ज़रिए फुटबॉल के प्रति उनके जुनून को रोज़मर्रा के खर्चों और डिजिटल पेमेंट्स के साथ जोड़ा जाता है। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड, ब्रांच बैंकिंग, पेमेंट्स, ट्रेजरी, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, मार्केटिंग, वर्चुअल चैनल्स और इंफ्रास्ट्रक्चर- आशीष पार्थसारथी ने कहा, भारत के सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता के तौर पर, हमें वीज़ा के साथ साझेदारी करके लाखों ग्राहकों के लिए फीफा वर्ल्ड कप का रोमांच और डिजिटल पेमेंट्स की आसान सुविधा एक साथ लाने में खुशी हो रही है। इस सहयोग के ज़रिए, हम खास सुविधाओं और अपने खास तौर पर बनाए गए लिमिटेड-एडिशन एचडीएफसी बैंक पिक्सल प्ले क्रेडिट कार्ड के साथ प्रशंसकों के अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

3.5 लाख के गांजे के साथ महिला तस्करों सहित 6 दबोचे

जबलपुर। जिले में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए क्राइम ब्रांच और सिहोरा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में गांजा तस्करी करने वाले बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 13 लाख 48 हजार 900 रुपए कीमत का 26 किलो 978 ग्राम गांजा जब्त करते हुए 3 महिलाओं सहित 6 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिलने पर मनसकरा तिराहे पर घेराबंदी की गई, जहां उड़ीसा से गांजे की खेप लेकर पहुंचे संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के बैगों में भारी मात्रा में गांजा छिपाकर रखा मिला, जिसे पुलिस ने मौके पर ही जब्त कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी महिलाओं की आड़ लेकर गांजा तस्करी का नेटवर्क चला रहे थे, ताकि किसी को शक न हो और आसानी से खेप शहर तक पहुंचाई जा सके। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुसनेर क्षेत्र में दबिश देकर सोनू उर्फ विष्णु पटेल नामक एक अन्य तस्कर को भी गिरफ्तार किया, जो इस पूरे नेटवर्क का अहम हिस्सा बताया जा रहा है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की यह खेप कहां-कहां सप्लाई की जानी थी और इसके पीछे कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं।

लगुन समारोह में फायरिंग करने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने निकाला जुलूस

जबलपुर। बरेला थाना क्षेत्र के ग्राम परतला में लगुन समारोह के दौरान हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी नितिन मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसके तीन अन्य साथी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला जमीन विवाद से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने आरोपी नितिन मिश्रा को गिरफ्तार करने के बाद ग्रामीणों में फैली दहशत को कम करने के लिए उसका जुलूस भी निकाला। इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों में विश्वास बढ़ाने का प्रयास किया गया।

घटना 9 अप्रैल की है, जब ग्राम महगवां निवासी 21 वर्षीय कपिल कुमार लोधी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह डेकोरेशन का काम करता है और उस दिन अपने मामा के यहां लगुन कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम परतला गया था।

कार्यक्रम के दौरान परतला चौराहे पर एक काले रंग की स्कॉर्पियो कार आकर रुकी, जिसमें से जमुनिया निवासी नितिन मिश्रा उतरा। उसने गांव के ही युवक मनीष पटेल के साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे जबरन कार में बैठाने का प्रयास किया।

बीच-बचाव के दौरान मनीष पटेल वहां से भागने लगा, तभी आरोपी नितिन मिश्रा ने पिस्टल निकालकर फायर कर दिया। गोली मनीष को न लगकर पास खड़े कमलेश उर्फ पंकज लोधी के सीने में जा लगी, जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गया। घटना के बाद आरोपी अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गए थे, जिससे समारोह में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मामले में मुख्य आरोपी नितिन मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके तीन अन्य साथियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी पकड़ लिया जाएगा।

बजट पेश करते ही विपक्ष का वहिर्गमन घोर निंदनीय : महापौर

आगामी 1.5 वर्ष में होगें 3 हजार करोड़ रूपये से होगें विकास कार्यो का भूमिपूजन, शहर में चौंतरफा हो रहे हैं बहुत तेजी से विकास के कार्य

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

आज सदन की बैठक में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने शहर विकास को लेकर सार्थक एवं सारगर्भित उद्बोधन देते हुए कहा कि सदन में जो शहर विकास पर आधारित बजट पेश किया गया है, वह बजट संस्कारधानी के संस्कारों के अनुरूप विकास कार्यो को जमीनी धरातल पर उतारने और शहर को तेजी से महानगर का स्वरूप प्रदान करने की दिशा में कार्य करने के लिए पेश किया गया है और बजट के अनुरूप ही शहर में विकास कार्यो को पूर्ण कराकर शहर के नागरिकों को एक साथ अनेकों सौगातें दी जायेगी।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए व्यापक कार्य किए गए हैं जिसमें 650 करोड़ की लागत से शहर भर में नाला-नालियों और सड़कों का जाल बिछाया गया है। 100 करोड़ की लागत से उद्यानों का कायाकल्प किया गया है। 50 करोड़ रूपये की राशि से जल आपूर्ति व्यवस्था और 20 करोड़ रूपये की राशि से प्रकाश व्यवस्था को आधुनिक बनाने पर व्यय किए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में करीब 1,000 करोड़ रूपये के विकास कार्य शहर में तेजी से चल रहे हैं। महापौर श्री अन्नू ने बताया कि स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में जबलपुर ने देश के अग्रणी शहरों में अपनी जगह बनाई है स्वच्छता में देश के 5वॉं स्थान प्राप्त किया है और वायुगुणवत्ता में बेहतर पर्यावरण के लिए देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए सर्वाधिक राजस्व वसूली का नया कीर्तिमान भी स्थापित किया गया है।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि आगामी 1.5 वर्षो के भीतर शहर के चौतरफा विकास के लिए 3,000 करोड़ रूपये के नए कार्यों का भूमिपूजन किया जाएगा। महापौर ने विपक्ष द्वारा बजट के दौरान किए गए बहिर्गमन को विकास कार्यों में बाधा बताते हुए इसकी निंदा की और दोहराया कि शहर की प्रगति की गति और तेज की जाएगी।

नियम ताक पर, बैलेंस शीट सार्वजनिक किए बिना स्कूलों ने बढ़ा दी फीस

निजी स्कूलों के आगे सरकारी सिस्टम फिर सरेंडर

जिले की मॉनिटरिंग कमेटी लापता, अधिकारी बेखर, पैरेंट्स असहाय

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जिले के निजी शिक्षण संस्थानों में नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होते ही अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। शहर के अधिकांश बड़े और नामी स्कूलों ने अपनी फीस में 10 से 15 फीसदी तक की भारी बढ़ोत्तरी कर दी है। यह वृद्धि उस समय की गई है, जब शिक्षा विभाग के नियमों के मुताबिक किसी भी प्रकार की फीस वृद्धि से पहले संबंधित स्कूल को अपनी ऑडिटेड बैलेंस शीट और आय-व्यय का ब्यौरा सार्वजनिक करना अनिवार्य है। इसके बावजूद शहर के निजी स्कूलों ने इन नियमों को दरकिनार करते हुए सीधे तौर पर फीस बढ़ा दी है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की ओर से कोई हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है, जिससे स्कूल संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

क्या हैं इस मनमानी के मायने

बीते समय में जबलपुर के तत्कालीन कलेक्टर दीपक सक्सेना ने निजी स्कूलों की अवैध फीस वसूली और किताबों के कमीशन के खेल पर ऐतिहासिक कार्रवाई की थी। उस दौरान कई प्रतिष्ठित स्कूलों के संचालकों और प्राचार्यो को जेल तक जाना पड़ा था। प्रशासन की उस सख्ती के कारण स्कूलों ने अपनी बैलेंस शीट सार्वजनिक की थी और मप्र निजी विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम के तहत जानकारी देना शुरू किया था। हालांकि वर्तमान स्थिति इसके बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। उस कार्रवाई के बाद से सिस्टम में फिर से शिथिलता आ गई है। प्रशासन की ओर से अब न तो कोई मॉनिटरिंग कमेटी सक्रिय है और न ही स्कूलों से फीस वृद्धि का आधार पूछा जा रहा है।

-हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी व पूर्व मंत्री के सवाल

जबलपुर हाईकोर्ट ने भी इस मामले में संज्ञान लिया है। एक याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने प्रथम दृष्टया यह माना है कि निजी स्कूलों ने फीस निर्धारण और अन्य शुल्कों के मामले में नियमों का उल्लंघन किया है। न्यायिक प्रक्रिया के बीच भी स्कूलों द्वारा लगातार ली जा रही फीस ने अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में आयोजित एक पुस्तक मेले के दौरान पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने भी सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्कूलों में किताबों और फीस को लेकर जो विसंगतियां हैं, वे सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती हैं। श्री विश्नोई के इन सवालों ने सरकारी तंत्र की चुप्पी को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

नोटिस जारी हो रहे ना कार्रवाई

फीस वृद्धि को रोकने और इसकी निगरानी करने की प्राथमिक जिम्मेदारी जिला शिक्षा विभाग की है। नियमानुसार जिला स्तरीय समिति को यह तय करना होता है कि स्कूल कितनी फीस बढ़ा सकते हैं। यदि कोई स्कूल 10 फीसदी से ज्यादा फीस बढ़ाता है तो उसे राज्य शासन से अनुमति लेनी होती है। जबलपुर में धड़ल्ले से 10 से 15 फीसदी तक फीस बढ़ाई गई लेकिन विभाग ने एक भी स्कूल को नोटिस जारी नहीं किया है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से स्कूलों की ऑडिट रिपोर्ट की जांच करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। शिक्षा विभाग का यह मौन व्यवहार निजी स्कूल संचालकों को मनमानी करने का खुला अवसर दे रहा है।

अभिभावकों को मुंह चिढ़ा रहे नियम-कायदे

शिक्षा के अधिकार और फीस रेगुलेशन एक्ट के तहत हर निजी स्कूल के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी बैलेंस शीट पोर्टल पर अपलोड करे और उसे सूचना पटल पर प्रदर्शित करे। इसका मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि क्या स्कूल को वास्तव में फीस बढ़ाने की जरूरत है या वह केवल लाभ कमाने के लिए ऐसा कर रहा है। वर्तमान में जबलपुर के किसी भी बड़े स्कूल ने अपनी बैलेंस शीट सार्वजनिक नहीं की है। बिना किसी ठोस कारण के हर साल बढ़ती फीस से मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि प्रशासन केवल शिकायतों का इंतजार करता है जबकि उसे स्वतः संज्ञान लेकर स्कूलों के खातों की जांच करानी चाहिए।

फिर चाहिए दीपक जैसी दृढ़ता

जबलपुर में वर्तमान में ऐसी कोई प्रभावी मॉनिटरिंग कमेटी कार्य नहीं कर रही है जो स्कूलों की गतिविधियों पर नजर रख सके। पूर्व में हुई जेल की कार्रवाई के बाद जो भय व्याप्त हुआ था, वह अब पूरी तरह समाप्त हो चुका है। शिक्षा विभाग के पास निजी स्कूलों द्वारा बढ़ाई गई फीस का कोई अधिकृत डेटा उपलब्ध नहीं है। जब तक प्रशासन दीपक सक्सेना के कार्यकाल की तरह दोबारा कड़े कदम नहीं उठाता, तब तक निजी स्कूलों की इस मनमानी पर रोक लगना नामुमकिन नजर आ रहा है। राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर इच्छाशक्ति की कमी के कारण ही आज शिक्षा का व्यवसायीकरण अपने चरम पर पहुंच गया है और आम जनता खुद को ठगा महसूस कर रही है।

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2025 में अपात्रों को दे दिए बोनस अंक

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा -2025 के परीक्षा परिणामों में कथित गड़बड़ी और अपात्र उम्मीदवारों को गलत तरीके से 5त्र बोनस अंक दिए जाने के खिलाफ माननीय उच न्यायालय, जबलपुर के समक्ष दायर याचिका में हाईकोर्ट के जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ के समक्ष आज सुनवाई हुई, सुनवाई के बाद पीठ ने निर्देश दिए है कि विवादित मेरिट लिस्ट याचिका के अंतिम फैसले के अधीन होगी साथ ही राय शासन सहित कर्मचारी चयन मंडल को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जबाब पेश करने हेतु निर्देशित किया है । याचिकर्ताओं के वकील विशाल बघेल ने बताया कि नरसिंहपुर निवासी सोनम अगरैया एवं अन्य दो उम्मीदवारों द्वारा याचिका दाखिल की है जिसमें आरोप हैं कि प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा -2025 भर्ती विज्ञापन की कंडिका 7.7 के तहत केवल उन उम्मीदवारों को 5त्र बोनस अंक मिलने थे, जिनके पास भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा में डिप्लोमा है । हालांकि, चयन सूची में लगभग 14,964 उम्मीदवारों ने खुद को इस श्रेणी में दिखाकर बोनस अंक प्राप्त कर लिए हैं । याचिका में भारतीय पुनर्वास परिषद के आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि पूरे मध्य प्रदेश में पोर्टल पर केवल 2,194 कार्मिक और 3,077 पेशेवर ही पंजीकृत हैं । ऐसे में लगभग 15,000 उम्मीदवारों का विशेष शिक्षा प्रमाणपत्र धारक होना प्रथम दृष्टया फर्जी प्रतीत होता है । याचिका के अनुसार, लोक शिक्षण संचालनालय ने भी जनवरी 2026 में विभाग को आगाह किया था कि लगभग 18,000 उम्मीदवारों ने हाँ का विकल्प चुना है, जो अत्यधिक प्रतीत होता है । इसके बावजूद, सुधार के लिए पोर्टल खोलने के बाद भी मंडल के द्वारा उम्मीदवारों से पंजीकरण संख्या या प्रमाणपत्र नहीं मांगा गया । परिणाम स्वरूप, बिना किसी भौतिक सत्यापन के सॉफ्टवेयर के माध्यम से उम्मीदवारों के डिक्लेरेशन के आधार सीधे बोनस अंक दे दिए गए, जिससे वास्तविक और योग्य उम्मीदवारों की मेरिट गिर गई और वे चयन से बाहर हो गए , कोर्ट में दलील दी गई कि झूंठी जानकारी देकर चयन होने के बाद सैकड़ों अभ्यर्थी जिन्हें मेरिट में 5त्र बोनस अंक मिले हैं वे भी हाइकोर्ट की शरण में पहुंचे हैं और मांग की है कि जल्दबाजी में हुई त्रुटि के कारण उनके द्वारा बोनस अंक का लाभ प्राप्त कर लिया जबकि उनके पास उससे संबंधित कोई भी प्रमाण पत्र नहीं है ।

चयन सूची को हाईकोर्ट में चुनौती, हाईकोर्ट ने माँगा जबाब, कोर्ट ने कहा मेरिट लिस्ट होगी अंतिम फैसले के अधीन

याचिका में 27 फरवरी 2026 को जारी दोषपूर्ण मेरिट लिस्ट को रद्द करने की मांग की गई है तथा केवल वैध प्रमाणपत्र धारकों को ही बोनस अंक देकर नई मेरिट सूची जारी करने के निर्देश देने का आग्रह किया गया है । मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को होगी । याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता आलोक वागरेचा और आयुष बघेल ने पैरवी की ।

साजिश

मां के नाम पर बेटे की साजिश! जमीन नहीं, जालसाजी बिकी

डुप्लीकेट 'नर्बदा बाई' बनाकर करोड़ों की ठगी, रजिस्ट्री ऑफिस में खेल

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

गोरखपुर तहसील के लम्हेटाघाट में ऐसा फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसने जमीन रजिस्ट्री व्यवस्था की पोल खोल दी है। जालसाजों ने असली जमीन मालिक की जगह 'डुप्लीकेट नर्बदा बाई' खड़ी कर दी और चार लोगों से करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। हैरानी की बात यह है कि पूरा खेल रजिस्ट्री ऑफिस में खुलेआम हुआ और किसी को भनक तक नहीं लगी। इस सनसनीखेज मामले में मुख्य आरोपी मनीष चौधरी बताया जा रहा है, जिसने सुनियोजित साजिश के तहत लम्हेटा स्थित खसरा नंबर 183 और 184/6 की जमीन का फर्जी एग्रीमेंट कराया। आरोपी ने राकेश गुप्ता, संदीप पटेल समेत अन्य लोगों को जमीन बेचने का झांसा दिया और एग्रीमेंट के नाम पर मोटी रकम वसूल ली।

'नर्बदा बाई' बनी नकली महिला, असली मालिक बेखबर

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस महिला को रजिस्ट्री ऑफिस में नर्मदा बाई बनाकर पेश किया गया, उसका असली जमीन मालिक से कोई लेना-देना नहीं था। यानी पूरी डील एक नकली पहचान के सहारे की गई और पीड़ितों को करोड़ों के सपने दिखाकर लाखों की ठगी कर ली गई।

फ्लाईओवर का बहाना, पैसे हड़पने का प्लान

जब पीड़ितों ने जमीन की रजिस्ट्री की मांग की, तो आरोपी ने नया पैंतरा अपनाते हुए कहा कि जमीन फ्लाईओवर के कारण अधिग्रहित हो चुकी है। साथ ही भरोसा दिलाया कि मुआवजा मिलने पर पैसे लौटा दिए जाएंगे। इसी बहाने समय निकालकर रकम हड़प ली गई।

बेटे पर ही साजिश रचने का आरोप

मामले में सबसे बड़ा खुलासा यह हुआ कि असली नर्मदा बाई के बेटे विशाल पटेल की भूमिका संदिग्ध है। आरोप है कि उसी के इशारे पर यह पूरा खेल रचा गया और उसकी मां के नाम पर फर्जी महिला खड़ी कर ठगी को अंजाम दिया गया।

6 माह पहले जांच करके एडीएम के पास भेजी

जब इस पूरे प्रकरण में गोरखपुर एसडीएम अनुराग सिंह से बात की तो उनका कहना था कि 6 माह पहले ही प्रकरण की जांच कर एडीएम को भेज दी गई है साथ ही जांच में पाया है कि रजिस्टी गलत तरीके से हुई। अब जो भी कार्रवाई करना है वह एडीएम को करना है।

सिस्टम पर सवाल, कार्रवाई का इंतजार

इस पूरे मामले ने रजिस्ट्री प्रक्रिया की पारदर्शिता और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। पीड़ित अब न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जबकि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। अगर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसे जालसाज आम लोगों की गाढ़ी कमाई को इसी तरह निशाना बनाते रहेंगे।

एएसपी के गाने के बाद पुलिस की एंट्री, हंगामा फेस्ट पर रेड

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

शहर में नियमों को दरकिनार कर चल रहे हंगामा फेस्ट पर रविवार रात सिविल लाइन पुलिस ने अचानक छापा मारकर सख्त कार्रवाई की। चौंकाने वाली बात यह रही कि कार्य म में एडीशनल एसपी कुछ देर पहले ही मंच से नगमे गाकर गए थे, और उनके जाते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई, जिससे आयोजन स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

यह पूरा मामला सिविल लाइन थाने के सामने स्थित बर्न कंपनी मैदान का है, जहां गोरखपुर निवासी सनी उर्फ कुलविंदर सिंह दुग्गल द्वारा व्यावसायिक आयोजन किया जा रहा था। आयोजकों को रात 10 बजे तक ही डीजे चलाने की अनुमति मिली थी, लेकिन नियमों की अनदेखी करते हुए देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजता रहा।शिकायत मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि बिना वैध अनुमति के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग किया जा रहा है। पुलिस ने तत्काल कार्यक्रम रुकवाया और डीजे के उपकरण जब्त कर लिए।

साउंड सिस्टम जब्त

कार्रवाई के दौरान चार साउंड बॉक्स, मिक्सर मशीन, एम्प्लीफायर, वायर बोर्ड और मॉनिटर बॉक्स जब्त किए गए। जांच में सामने आया कि चेरीताल निवासी साउंड ऑपरेटर सोनू विपिन रोहितास द्वारा डीजे संचालित किया जा रहा था, लेकिन आवश्यक अनुमति प्रस्तुत नहीं की जा सकी।

एसडीएम आदेश की अनदेखी, एफआईआर

पुलिस के अनुसार आयोजन में एसडीएम रांझी के आदेशों का उल्लंघन पाया गया। इसके बाद आयोजक कुलविंदर सिंह और डीजे संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी पूर्वा चौरसिया ने बताया कि अनुमति के विपरीत देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। थाना प्रभारी पूर्वा चौरसिया ने बताया कि अनुमति के विपरीत देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। सूचना मिलते ही टीम भेजी गई और उपकरण जब्त कर कार्रवाई की गई। मामले की जांच जारी है। इस कार्रवाई ने साफ कर दिया है कि अब शहर में नियमों से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा, चाहे कार्यक्रम कितना भी रसूखदार क्यों न हो।

स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, भोपाल कार्यालय- 9229122444, 0755-3167255